सुबोध पॉकेट बुक्स दिल्ली

अरविन्द

एक
लाख

उन भारतवासियों को

जिनको

वर्तमान अर्थ व्यवस्था ने

बेकार बना दिया है।

अध्याय १

इण्टरव्यू और नौकरी

आज़ादी के बाद नौकरी की समस्या ने हमारे देश में विकराल रूप धारण कर लिया है। समस्या इतनी जटिल हो गई है कि अनपढ़ लोगों की बात तो दूर, कई बार पढ़े-लिखे लोगों को भी नौकरी नहीं मिलती, इसलिए लोगों का शिक्षा और उन्नति पर से विश्वास उठता जा रहा है। अधिकांश नवयुवक यह सोचने लगे हैं कि हमारे देश में शिक्षा, श्रम और ईमानदारी जैसे गुणों का कोई मूल्य नहीं। इन नवयुवकों को यह भ्रम हो गया है कि भारत में उनका भविष्य सुरक्षित नहीं है।

यह ठीक है कि आजकल नौकरियाँ मिलना बड़ा कठिन काम है, किन्तु फिर भी हम इस प्रकार जीवन से निराश हो जाने वाले नवयुवकों के दृष्टिकोण से सहमत नहीं हो सकते। जब भी कोई देश आगे बढ़ता है, वहाँ के निवासियों को किसी-न-किसी कठिनाई का सामना ज़रूर करना पड़ता है। दुनिया का कौन-सा देश है जहाँ नवयुवकों को जीवन प्रारम्भ करने से पहले अनेक प्रकार की कठिनाइयों से नहीं जूझना पड़ता? जो लोग धैर्य और संयम से काम लेकर इन कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर लेते हैं, वे सफल होकर जीवन में सभी प्रकार का सुख भोगते हैं और

वाले प्रत्येक नवयुवक को विशेष ध्यान देना चाहिये। ये बातें निम्नलिखित हैं—

१. आत्मविश्वास—आत्मविश्वास सफलता की कुन्जी है। आत्मविश्वास से न केवल हमारे व्यक्तित्व को बल मिलता है, बल्कि हमारे गुणों का विकास भी होता है। कई बार हमारी क्षमताएँ केवल आत्महीनता के कारण उपेक्षित पड़ी रहती हैं। आत्मविश्वास हमारे व्यक्तित्व की इन्हीं क्षमताओं को निकाल-कर बाहर ले आता है।

कोई भी नौकरी प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि आप अपने मालिक को अपनी क्षमताओं और योग्यताओं का विश्वास दिला सकें। किन्तु जिस व्यक्ति को अपनी योग्यताओं और क्षम-ताओं पर स्वय ही विश्वास नही होगा, वह किसी दूसरे को इन पर विश्वास करने के लिए कैसे प्रेरित कर सकता है? आत्म-विश्वास का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर तत्काल पड़ता है। जब कोई व्यक्ति यह देखता है कि हम असहाय, भिखारी और खुशामदी न होकर कर्मठ, उत्साही और दृढ-चरित्र हैं तो वह इस बात का प्रयत्न करता है। कि हमारी किसी-न-किसी प्रकार कोई सहायता कर सके। बस, यही सफलता का प्रारम्भ है। यदि हमने पहली मुलाकात में ही किसी व्यक्ति को अपना मित्र बना लिया तो उससे अच्छी बात और क्या हो सकती है! किन्तु याद रखिये कि आपके व्यक्तित्व में यह क्षमता तभी आ सकेगी जब आपको अपने ऊपर विश्वास होगा। यह सोचकर निरुत्साहित होने की कोई आवश्यकता नही है कि आप बेकार हैं। आज दुनिया की बड़ी-बड़ी पदवियों पर बैठे हुए उच्चाधिकारी भी किसी-न-किसी समय बेकार ही थे; फिर आपको चिन्तित होने की क्या आवश्यकता है? अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखिये, भगवान् का नाम लीजिये, और नौकरी की खोज में संलग्न हो जाइये।

जो प्रारम्भिक कठिनाइयों से हारकर हाथ-पर-हाथ धरकर बैठ जाते हैं, दुनिया को कोसने लगते हैं, वे पहली सीढ़ियों पर ही ठोकर खाकर गिर पड़ते हैं और आगे नहीं बढ़ पाते। निराशा-वादी दृष्टिकोण से मनुष्य की क्षमताएँ कुण्ठित हो जाती हैं। वह सदैव हताश रहने लगता है। इसी प्रकार के नवयुवक आए दिन या तो रेल की पटरियों के नीचे सिर दे देते हैं, या ज़हर खाकर आत्महत्या कर लेते हैं।

यह पुस्तक आज की उस पीढ़ी के नवयुवकों के लिए लिखी जा रही है जिन्हें अपने श्रम और कौशल द्वारा देश का पुनर्निर्माण करना है। याद रखिये, हताश और निरुत्साहित व्यक्ति कभी भी जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता। आगे वही बढ़ते हैं जो जीवन में मिलने वाले छोटे-से-छोटे अवसर का सदुपयोग कर समाज में अपनी जगह बना लेते हैं।

इसी प्रकार कुछ लोगों का यह भी खयाल है कि सिफ़ारिश के बिना कोई नौकरी नहीं मिलती। हम इस बात से पूर्णतः इन्कार नहीं करते कि कई बार नौकरी प्राप्त करने के लिए उचित सिफ़ारिश होना आवश्यक है, परन्तु केवल इसी आधार पर हाथ-पर-हाथ रखकर बैठ जाना भी मूर्खता होगी। दुनिया के अधिकांश बड़े-बड़े उद्योगपति अपने जीवन के प्रारम्भ में गुमनाम नवयुवक मात्र थे। उनके पास न तो कोई सम्पत्ति थी और न कोई सिफ़ारिश। फिर भी उन लोगों ने धैर्य, दृढ़ता और साहस से काम लेते हुए ख्याति एवं सम्पत्ति अर्जित की। अपना जीवन प्रारम्भ करने वाले प्रत्येक नवयुवक को इन्हीं कर्मठ व्यक्तियों का उदाहरण अपने सामने रखना चाहिये।

नौकरी प्राप्त करने के लिए आवश्यक सूचनाएँ आगामी में तो दी ही जाएँगी, यहाँ हम कुछ ऐसी बातों का उल्लेख देना आवश्यक समझते हैं जिनकी ओर नौकरी खोजने

वाले प्रत्येक नवयुवक को विशेष ध्यान देना चाहिये। ये बातें निम्नलिखित हैं—

१. आत्मविश्वास—आत्मविश्वास सफलता की कुञ्जी है। आत्मविश्वास से न केवल हमारे व्यक्तित्व को बल मिलता है, बल्कि हमारे गुणों का विकास भी होता है। कई बार हमारी क्षमताएँ केवल आत्महीनता के कारण उपेक्षित पडी रहती हैं। आत्मविश्वास हमारे व्यक्तित्व की इन्हीं क्षमताओं को निकाल-कर बाहर ले आता है।

कोई भी नौकरी प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि आप अपने मालिक को अपनी क्षमताओं और योग्यताओं का विश्वास दिला सकें। किन्तु जिस व्यक्ति को अपनी योग्यताओं और क्षम-ताओं पर स्वय ही विश्वास नहीं होगा, वह किसी दूसरे को इन पर विश्वास करने के लिए कैसे प्रेरित कर सकता है? आत्म-विश्वास का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर तत्काल पडता है। जब कोई व्यक्ति यह देखता है कि हम असहाय, भिक्षालु और खुशामदी न होकर कर्मठ, उत्साही और दृढ-चरित्र हैं तो वह इस बात का प्रयत्न करता है। कि हमारी किसी-न-किसी प्रकार कोई सहायता कर सके। बस, यही सफलता का प्रारम्भ है। यदि हमने पहली मुलाकात में ही किसी व्यक्ति को अपना मित्र बना लिया तो उससे अच्छी बात और क्या हो सकती है! किन्तु याद रखिये कि आपके व्यक्तित्व में यह क्षमता तभी आ सकेगी जब आपको अपने ऊपर विश्वास होगा। यह सोचकर निरुत्साहित होने की कोई आवश्यकता नही है कि आप बेकार हैं। आज दुनिया की बड़ी-बड़ी पदवियों पर बैठे हुए उच्चाधिकारी भी किसी-न-किसी समय बेकार ही थे; फिर आपको चिंतित होने की क्या आवश्यकता है? अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखिये, भगवान् का नाम लीजिये, और नौकरी की खोज मे संलग्न हो जाइये।

२. वेश-भूषा—हमसे मिलने वाला सबसे पहले हमारी वेश-भूषा को देखता है। उसके मन पर पड़ने वाला सबसे पहला प्रभाव हमारे कपड़ों का होता है। जब आप किसी आदमी से पहली बार मिलते हैं तो वह यह नहीं जानता कि आप गरीबों के किसी सड़े-गले मुहल्ले में रहते हैं या अमीरों की शानदार कालोनी में। वह यह भी नहीं जानता कि आप एम० ए० पास हैं या अंडर-मैट्रिक। इसी प्रकार आपकी अन्य योग्यताओं के बारे में भी उसे कुछ नहीं मालूम होता। किन्तु वह मिलते ही सबसे पहले आपको देखता है, बल्कि यूं कहिये कि आपके कपड़ों को देखता है। अतः स्वाभाविक है कि आपकी वेश-भूषा का उस पर गहरा प्रभाव पड़े।

कुछ लोग समझते हैं कि भड़कीले कपड़े पहनने से दूसरों को जल्दी प्रभावित किया जा सकता है। किन्तु नौकरी ढूंढने वाले को सदैव यह ख़याल रखना चाहिए कि वह ससुराल नहीं जा रहा, नौकरी ढूंढने जा रहा है। इसलिए उसकी वेश-भूषा में सादगी, संयम और सुरुचि होना आवश्यक है। कोई भी मालिक अपने दफ़्तर में बम्बई-मार्का हीरो भर्ती नहीं करना चाहता। उसे ऐसे नम्र और परिश्रमी नवयुवकों की आवश्यकता होती है जो सादा जीवन व्यतीत करते हुए भलीभांति उत्तरदायित्व निभा सकें। अतः आपको नौकरी पर जाते समय केवल एक बात का ध्यान रखना चाहिये कि आपके कपड़े चाहे पुराने हों चाहे नए, चाहे फैशनेबल हों अथवा साधारण, साफ अवश्य होने चाहियें। हल्के रंगों के साफ कपड़े पहनिये। दूसरे व्यक्ति पर आपकी सुरुचि का स्वतः प्रभाव पड़ेगा।

३. शिष्टाचार—मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और शिष्टाचार समाज में उठने-बैठने के नियम। जिस व्यक्ति को शिष्टाचार नहीं आता, वह कभी भी लोकप्रिय नहीं हो सकता।

फिर नौकरी ढूँढने वाले नवयुवक के लिए तो यह अनिवार्य गुण है। शिष्टाचार का अर्थ खीसें निपोरते हुए खुशामद करना या हीं-हीं करके तलवे चाटना नहीं है। शिष्टाचार का अर्थ है दूसरे व्यक्ति से संयमित और सभ्य पुरुषों की भाँति पेश आना। शिष्टाचार में दूसरों के प्रति नम्रता, क्षमाशीलता एवं सजगता इत्यादि सभी शामिल हैं। शिष्ट व्यक्ति न किसी के जूते पालिश करता है और न किसी दूसरे से यह आशा रखता है कि उसकी प्रशंसा के पुल बाँधे जायें। शिष्ट व्यक्ति का व्यवहार नपा-तुला और नियमित होता है। वह इधर-उधर की बातों में अपना समय नष्ट नहीं करता।

नौकरी के लिए जाते समय यह खयाल रखिये कि शिष्ट होना बहुत आवश्यक है। यदि आप अपना समय इधर-उधर की बकवास या बेहूदा हरकतों में नष्ट करेंगे तो कोई भी व्यक्ति आपको वहाँ नौकरी देना पसन्द नहीं करेगा। इन बेहूदा हरकतों में अपने-आप को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, शेखी बघारना, बात करते समय दाँतों से नाखून काटने तक की असभ्यताएँ शामिल हैं।

४. अध्यवसाय—हम कह चुके हैं कि सफलताओं के शिखर को जाने वाला रास्ता संकटों की दुर्गम घाटी में से होकर जाता है। नौकरी की तलाश करने वाले व्यक्ति को असफलताओं से निरुत्साहित नहीं हो जाना चाहिये। जीवन इतना लम्बा और दुनिया इतनी बड़ी है कि सौ-पचास असफलताओं का कोई महत्त्व ही नहीं है। फिर कुछ लोग शर्म के मारे छोटी नौकरियाँ स्वीकार नहीं करते। यह ठीक है कि व्यक्ति को सदैव ऊँचे-से-ऊँचा लक्ष्य अपने सामने रखना चाहिये, किन्तु इसका यह अर्थ नहीं कि वह केवल कोरी योजनाओं की दुनिया में सोया रहने वाला स्वप्नदर्शी हो जाए। अपनी स्थिति को आँकते हुए आपको क्षमताओं के अनुसार जीवन में जो कुछ भी मिलता है,

उसे स्वीकार कीजिये। किन्तु इस स्वीकृति का यह अर्थ कदापि नहीं कि आप कोई छोटी-मोटी नौकरी मिलते ही अपनी सारी महत्त्वाकांक्षाओं को दफनाकर रख दें। आगे बढ़ने वाले नौजवान कड़े-से-कड़ा सफर करते समय भी हमेशा चादर ओढ़कर नहीं पड़े रहते। छोटे-से-छोटे स्थान पर होते हुए भी उन्नति के लिए सतत रूप से प्रयत्न करते रहना प्रगति का पहला चिह्न है। जो व्यक्ति केवल थोड़ी दूर चलने के बाद ही थककर बैठ जाता है वह जीवन में विशेष उन्नति नहीं कर सकता। उन्नति वही कर सकता है जो पहाड़ की तलहटी में पहुँचकर साँस फूल जाने के कारण हिम्मत हारकर नहीं बैठ जाता बल्कि थोड़ी देर आराम करने के बाद दोबारा शिखरों पर जाने वाले मार्ग पर चलना प्रारम्भ कर देता है। अपनी आँखें और कान खुले रखिये। जीवन में आपको पग-पग पर ऐसे अवसर मिलेंगे जबकि आप अपनी वर्तमान परिस्थितियों से छुटकारा पाकर उन्नति कर सकते हैं। किन्तु कछुए और खरगोश की कहानी में खरगोश की तरह सोता रहने वाला आदमी इन अवसरों का भी लाभ नहीं उठा सकता। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए सतत रूप से जागरूक रहना आवश्यक है। कहा जाता है कि लक्ष्मी चौबीस घंटों में एक बार इस धरती का फेरा लगाने निकलती है और जो व्यक्ति औरों के थककर सो जाने के बाद भी उद्यम में लगे रहते हैं, उन्हें मालामाल कर देती है। निरन्तर प्रयत्न करते रहिये। लक्ष्मी किसी-न-किसी दिन आप पर अवश्य कृपा करेगी।

५. इन्टरव्यू — आजकल अधिकांश नौकरियाँ [illegible] [illegible] है। कुछ लोगों को इन्टरव्यू का [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] लोग इन्टरव्यू [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] इन्टरव्यू [illegible] [illegible] है।

हमें ऐसे महापुरुषों के बारे में कुछ नहीं कहना ।

किन्तु जो लोग वस्तुतः इन्टरव्यू में पास होना चाहते हैं, उनके लिए आवश्यक है कि वे इन्टरव्यू के लिए पहले से तैयारी करें। इसमें कोई शर्म की बात नहीं । कई बार अनेकों ऐसी बातें जो हमें अन्यथा ज्ञात होती हैं हम उन्हें भूल जाते हैं । इन्टरव्यू से पहले सम्बन्धित तथ्यों के बारे में अपनी स्मृति को तरोताजा कर लेने में कोई हर्ज नहीं है । इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है।

इन्टरव्यू का सबसे महत्वपूर्ण अंश आपका बोर्ड के सदस्यों से वार्तालाप है । इस वार्तालाप के दौरान सावधानी से काम लेना चाहिए। कुछ इन्टरव्यू लेने वालो को अड़ंगी लगाने का शौक होता है। वे वाहियात सवाल पूछकर उम्मीदवारों का मजाक उड़ाना चाहते हैं । किन्तु ऐसे लोग कम ही होते हैं । इन्टरव्यू बोर्ड के अधिकांश सदस्य गम्भीर और अनुभवी अधिकारी होते हैं । अतः उनका उद्देश्य आपको परेशान करना नहीं, आपकी क्षमताओं को परखना होता है । आपके मन में उनके प्रति अनादर अथवा अविश्वास का भाव नहीं होना चाहिये । ऐसा होने से न केवल आप अपना आत्मविश्वास खो बैठेंगे बल्कि कोई-न-कोई ऐसी अनर्गल बात कर जायेंगे जिससे आपकी सफलता खतरे में पड़ जायेगी ।

यह आवश्यक नहीं है कि आप चलते-फिरते विश्वकोष हों । किसी भी व्यक्ति को दुनिया के तमाम प्रश्नों के उत्तर मालूम नहीं हैं। इन्टरव्यू में तरह-तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं । बहुत सम्भव है कि आपको किसी प्रश्न का उत्तर मालूम न हो। इस परिस्थिति में घबराने या शर्मिन्दा होने की कोई बात नहीं । बिना हिचकचाए अपनी स्थिति स्पष्ट कर दीजिये । इन्टरव्यू लेने वाले निश्चित रूप से इतने अनुभवी और समझदार होंगे कि आपकी स्पष्ट-वादिता

से उन पर आपकी ईमानदारी और सच्चाई का अच्छा ही प्रभाव पड़ेगा और सम्भव है कि वे सहानुभूति से काम लेकर कोई और प्रश्न पूछ लें। किन्तु यदि आप उस्तादों के उस्ताद बनते हुए इधर-उधर की बकवास कर इन्टरव्यू बोर्ड के सदस्यों को धोखा देने की चेष्टा करेंगे तो इस बात की पूर्ण सम्भावना है कि आपको अपने अन्य गुणों के कारण मिले हुए नम्बरों से भी हाथ धोना पड़ जाये। दूसरों को उल्लू बनाने की चेष्टा न कीजिये। इस प्रकार के किसी भी मसखरेपन में आपका नुकसान होने की अधिक सम्भावना है। पूछे जाने वाले सभी प्रश्नों का अपनी योग्यता के अनुसार ठीक-ठीक और संक्षिप्त उत्तर दीजिये। इन्टरव्यू बोर्ड के पास किसी की भी रामायण सुनने का समय नहीं होता। जो उम्मीदवार अधिक बकबक करते हैं, उनकी केवल एकाध प्रश्न पूछकर ही छुट्टी कर दी जाती है। अतः ओवर-ऐक्टिंग करने की चेष्टा न कीजिये। स्वाभाविक रहते हुए सहज ढंग से दूसरों को परखने का मौका दीजिये। इस बात की पूर्ण सम्भावना है कि वे आपकी नम्रता और सादगी से प्रभावित होकर आपको चुन लें।

अध्याय २

योग्यता और सम्भावनायें

कुछ लोग काम-दिलाऊ दफ्तरो (Employment Exchanges) को भी बेकार समझते हैं ; ऐसा सोचना ग़लत है। इन दफ्तरों में थोड़ी बहुत देर भले ही लग जाए किन्तु काम हर हालत में हो जाता है।

नौकरियों का पता जानने के लिए एम्प्लायमेंट एक्सचेंज, अख़बारों के विज्ञापन तथा काम पर लगे हुए लोगों से मिलना-जुलना सर्वश्रेष्ठ स्रोत हैं। किन्तु प्रत्येक व्यक्ति को योग्यतानुसार ही नौकरी ढूंढने का प्रयत्न करना चाहिये। लक्ष्यहीन रूप से इधर-उधर अनिश्चित टक्करें मारने का कोई लाभ नहीं होता।

कुछ लोग अधिक पढ़े-लिखे होते हैं, कुछ कम। इस अध्याय का उद्देश्य प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को उसकी योग्यताओं के अनुसार कुछ सम्भावित नौकरियाँ सुझाना है।

B.sc. (Hons) or M.S.c. in Physics, B Sc. Hons. or M.Sc. in Chemistry, B Sc. Technology or M.Sc. Technology Chemistry, B Sc. Hons. or M.Sc. Botany, B Sc. Hons or M.S c. Zoology.

से उन पर आपकी ईमानदारी और सच्चाई का अच्छा ही प्रभाव पड़ेगा और सम्भव है कि वे सहानुभूति से काम लेकर कोई और प्रश्न पूछ लें। किन्तु यदि आप उस्तादों के उस्ताद बनते हुए इधर-उधर की बकवास कर इन्टरव्यू बोर्ड के सदस्यों को धोखा देने की चेष्टा करेंगे तो इस बात की पूर्ण सम्भावना है कि आपको अपने अन्य गुणों के कारण मिले हुए नम्बरों से भी हाथ धोना पड़ जाये। दूसरों को उल्लू बनाने की चेष्टा न कीजिये। इस प्रकार के किसी भी मसखरेपन में आपका नुकसान होने की अधिक सम्भावना है। पूछे जाने वाले सभी प्रश्नों का अपनी योग्यता के अनुसार ठीक-ठीक और संक्षिप्त उत्तर दीजिये। इन्टरव्यू बोर्ड के पास किसी की भी रामायण सुनने का समय नहीं होता। जो उम्मीदवार अधिक बकबक करते हैं, उनकी केवल एकाध प्रश्न पूछकर ही छुट्टी कर दी जाती है। अतः ओवर-ऐक्टिंग करने की चेष्टा न कीजिये। स्वाभाविक रहते हुए सहज ढंग से दूसरों को परखने का मौका दीजिये। इस बात की पूर्ण सम्भावना है कि वे आपकी नम्रता और सादगी से प्रभावित होकर आपको चुन लें।

अध्याय २

योग्यता और सम्भावनायें

कुछ लोग काम-दिलाऊ दफ्तरों (Employment Exchanges) को भी बेकार समझते हैं ; ऐसा सोचना ग़लत है। इन दफ्तरों में थोड़ी बहुत देर भले ही लग जाए किन्तु काम हर हालत में हो जाता है।

नौकरियों का पता जानने के लिए एम्प्लायमेंट एक्सचेंज, अख़बारों के विज्ञापन तथा काम पर लगे हुए लोगों से मिलना-जुलना सर्वश्रेष्ठ स्रोत हैं। किन्तु प्रत्येक व्यक्ति को योग्यतानुसार ही नौकरी ढूंढने का प्रयत्न करना चाहिये। लक्ष्यहीन रूप से इधर-उधर अनिश्चित टक्करें मारने का कोई लाभ नहीं होता।

कुछ लोग अधिक पढ़े-लिखे होते हैं, कुछ कम। इस अध्याय का उद्देश्य प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को उसकी योग्यताओं के अनुसार कुछ सम्भावित नौकरियाँ सुझाना है।

B.sc. (Hons) or M.S.c. in Physics, B.Sc. *Hons. or M.Sc. in Chemistry*, B.Sc. Technology or M.Sc. Technology Chemistry, B.Sc. Hons. or M.Sc. Botany, B.Sc. Hons or M.S.c. Zoology.

Acrodrome Officers.

Agricultural Meterologists in Agricultural Research Station, New Delhi.

Agricultural Meterologists in Provincial Service.

Agronomests at Indian Agricultural Stations. (B.Sc. or M.Sc. Chemistry)

Analytical Chemists (Geological Survey of India)

Asstt. Agricultural Soil Physicists

Asstt. to Chemical Examiners in Police Deptt. of Medical Service (B.Sc. or M.Sc. Chemistry)

Asstt. Botanist (B.Sc. Hons. or M.Sc. Botany)

Potato Certification Sub-station, Kufri (Simla Hills)

Asstt. Chemist in Composit Schemes.

Asstt. Chemist, Indian Railways.

Asstt. Chief, Industries Division, Planning Commission.

Asstt. Cytogenetist, Agricutlural Research Institute, Delhi (B.Sc. Hons, or M Sc. Botany)

Asstt. Economic Botanists, Scheme for Improvement of Maize Crop, Indian Agricultural Research Institutes. (B.Sc. Hons. or M.Sc. Botany)

Asstt, Factory Managers in the Medical Stores Depots, Madras and Bombay.

Asstt./Fruit Specialists in the Provincial, Central Agricultural Services.

Asstt. Insects Entomologist Indian Agricultural Research Institute (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology)

Asstt. Meteorologist & Meteorologist in Indian Meteorologisial Service.

Asstt, Microphotographists in the National Archives of India.

Asstt. Radio Engineers in Provincial Engg. Service.

Asstt. Supdt. of Developments —Instruments and Electronics at the Technical Development Establishment, DehraDun

Asstt Supdt. Grade III, Development, Instruments & Electronics, Dehra Dun.

Asstt. Works Managers Cordite Factories (B.Sc. or M.Sc. Chemistry).

Biochemical Research Officers at the Institute of Fruit Technology. Mysore (B.Sc. Hons. or M.Sc. Chemistry)

Biochemists in Blood Testing Laboratories, Hospitals, Antigens, Production Units and Fisheries Subordinate Services (B.Sc. Hons. or M.Sc. Chemitry)

Chemical Asstt. at the Govt. Testing House, Alipore, Calcutta (B.Sc. Hons. or M.Sc. Chemistry)

Chemical Inspectors in the Office of the Chief Adviser of Factories (BSc. Hons. or M.Sc. Chemistry).

Deputy Development Officers in the Ministry of Commerce and Industry in the Branches of Heavy Chemical (Fertilizers), Heavy Chem ca s (Alkalies), Leather Industry and Paper and Paper Board.

Deputy Development Officers, Timber Development Wing (B.Sc. Hons. or M.Sc Botany).

Deputy Warden of Fisheries (B.Sc. Hons. or M Sc. Zoology)

Development Directors in the Office of Director General of Industries.

Development Officers, Ministry of Industry.

Education Branch, Defence Force.

Educational Corps, Defence Services, Educational Service in Colleges and Institutions.

Employment in Chemical and Pharmaceutical Laboratories and Textile Mills.

Employment in firms dealing with drugs, plants and garden flowers etc.

Employment in the Institute of Chemical Industries, Calcutta and Bengal Chemical and Pharmaceutical Works.

Employment in Malaria Survey and Control. Zoological Survey India. (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Examiner of Questioned Documents.

Examiner of Questioned Documents in Provincial Greneral Service.

Fertilizers Inspectors.

Field Officers, Development wing.

Field Officer, Ministry of Industry. Forest Botanist and Asstt. Conservator of Forests in State Forest Services (B.Sc. Hons. or M.Sc. Botany).

Forest Research Institute, Dehra Dun.

Garden Supdts. in the Deptt. of Archaology (B.Sc. Hoas. or M.Sc. Botany).

Horticultural Absttractor and Systematic Pemologist in the Council of Agricultural Research (B.Sc. Hons. or M.Sc. Botany).

I.A.S. and P.S.C. Exams. Inspector of Explosives in Ordnance Factories.

Inspector of Factories in Provincial Govt. Service (B.Sc. Technology or M.Sc. Technology Chemistry).

Inspector of Fisheries in Fisheries Deptt (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Instruments Development Asstt. in the Directorate of Technical Developments, Mathematics Instruments Office, Calcutta.

J.S.O. in the Central Board of Geophysics.

J.S.O. Spectroscopy in the Technical Development Establishment Laboratories, Kanpur.

Junior Analytical Chemists for Chemical Testing Laboratories

Junior Research Asstt in Coconut Research Station, Kasragad and other Institutes.

Junior Research Officer in the Technical Paper Pulp Section of Forest Research Station, Dehra Dun

Junior Scientific Officer in Defence Services Organisation.

Junior Scientists, Defence Science Organisation.

Kiln Operators and Superintendents.

Laboratary Asstt. in the Technical Development Establishment (Military Explosives) and other branches.

Lecturing and Systematic Botanist in Agricultural Subordinate Service

Locusts Entomologists (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Macperal Research Officer (B.Sc. Hons. or M Sc. Zoology).

Marine Zoologist in the Deptt. of Agriculture (B Sc Hons. or M.Sc. Zoology).

Medical Biologists, King Institute, Guindy (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Microscope Instrument Factory, Lucknow.

Mycologist in Agricultural Subordinate Service.

Officers in the Bureau of Plant Protection and Quarantine (B.Sc Hons. or M.Sc. Botany).

Officer, Central Marine Fisheries Research Station, Mandapan (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Officer, Deep Sea Fishing Station, Bombay (B.Sc. Hons. or MSc. Zoology).

Officer, Zoological Gallaries of Indian Muscum at Calcutta, Bombay and Madras (B.Sc. Hons. or M,Sc. Zoology).

Officer, Zoological Survey of India, Banaras Cantt (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Plant Pathologist (B,Sc. Hons. or M.Sc. Botany).

Production Chemists in Ordnance Factories (B.Sc. Hons. or M.Sc.. Chemistry).

Professional Asstt. in Indian Meteorological Service.

Provincial Educational Service

Quarantine Entomologists, Directorate o Plant Protection and Quarantine (B.Sc. Hons. or M Sc. Zoology).

Research Asstt. in the Botanical Survey of India (B.Sc. Hons. or M.Sc. Botany).

Research Asstt./Supdt. in Fisheries Subordinate Service (B Sc Hons. or M.Sc. Zoology).

Research Asstt. in Provincial Fisheries Subordinate Service.

Research Asstts. in the Chemical Laborataries, Universities, Fisheries Deptt. and in the UNESCO International Laboratories, Paris.

Research Asstt. in Naval Base Laboratories at Cochin

Research Asstt. in Provincial Fisheries Subordinate Service.

Research Asstt. for Social Survey.

Research Asstt. in Wood dreservation.

Research Officers, AIR.

Research Officers at Central Marine Fisheries Research Station, Mandapan.

Research Officer, Embryology, Algology, Ecology and Protozoology (B.Sc. Hons., ro M Sc. Zoology).

Research Officer in Prawns and Molluses (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Rubber Development Supdt. (B Sc Hons. or M.Sc. Botany).

Sales Representatives of firms manufacturing or distributing Chemicals and Drugs.

Salt Inspectors.

Sardine Research Officer (B Sc. Hons or M Sc Zoology).

Scientific Atstts. in Indian Meteorological ervice

Second Physicist, Barnard Institute of Radiology, Medical Service Senior Observers.

Senior Scientific Officers, Technical Development Establishment, Kanpur.

Sharks And Rays Research Officer (B.Sc. Hons. or M.Sc. Zoology).

Stores Officers In Technical Development Establishment.

Teachers/ Lecturers in Colleges and Universites.

Technical Asstt. in Central Ministry of Education

Tehnical Asstt. to Police Wireless Officer, Provincial, General Service.

Technical Officers, IAF. (Age 21-25)

Technical Remembernces at Research Institutes.

Technical Research Asstt. in the Central Ministry of Education.

Toxicologists under Ministry of Agricalture (B.Sc. Hons. or M.Sc. Chemistry).

Upper Subordinates in the Research Station of the Agricultural Subordinate Service in the branches of Paddy, Cotton, Millet, Oilseeds, Botany and Physiology.

Graduates, B.A. Hons. or M.A. in Economics, Honours or M.A. in Languages & B. A. Hons. or M.A. or M.Sc. in Maths.

Actuary in Insurance Companies (B. A. Hons. (M.A. or M.Sc. in Maths.) Administrative Works Managers Ministry of Defence.

Agriculture & Horticulture.

Agricultural Meteorologist in Provincial Service (B. A. Hons., M. A. or M.Sc. in Maths).

All India Radio.

Asstt. Campaign Officers (Press Information Bureau)

Asstt. Chief & Research Officers, Economic Division, Planning Commission.

Asstt. Canservator of Forests (B.A. Hons., M. A. or M.Sc. in Maths.).

Asstt. Mathematical Research Officer In Central Water Way Research Station, Poona (B. A. Hons., M. A. or (M Sc. in Maths.).

Asstt. Station Director, AIR.

Asstt. Superintendents Arabic And Persian Inscription) Deptt. Of Archaeology.

Asstt. Talks Officer (External Services, AIR).

Audit Clerks, Local Fund Audit Officer, Provincial Govts. & Equipment Branch.

Business Management, Basic Training Diploma.

Chatered Accountancy (B. Com.).

Central Intelligence Officer, Intelligence Bureau, Home Ministry, G. O. I. (B.A. Hons or M.A. or M.Sc. Maths.).

Commercial Tax Officers Committee Officers (Parliament Secretariat).

Community Project Officers, Administration, Planning Commission.

Community Project Officers on Rural Economics, Planning Commission.

Complaints Officers, (P. & T.)

Conciliation Officers

Co-operation.

Costs And Works Accountants.

Defence Forces (Age 21-23)

Defence Services.

Deputy Statistical Director.

Programme Evaluation Organisation, Planning Commission.

Economic Investigators, Grade I, Community Projects.

Economic Investigators [illegible]

[illegible]

Engineering Courses (Science Graduates only).

Entertainment Tax Officers.

Equipment Officers.

Examiner Of Books, Bombay and other Provincial Govts.

Field Officer, Development Wing, Ministry of Industry (B.A. Hons., M.A. or M.Sc. in Maths.)

Forest Department.

Forest Statistician (B. A. Hons., M.A. or M.Sc. in Maths.).

I.A.S. and other U.P.S.C. and Provincial Competitive Exams.

Income Tax Officers.

Industrial Management.

Inspector of Notified Factories (Science Graduates)

Journalism.

Junior Sales Tax Officers in Bombay and other [illegible]

[illegible] the [illegible] of [illegible]

Research Officer, Planning Commission(Natural Resources Division, Statistics Section).

Research Officers, Programme Evaluation

Organisation, Planning Commission & Bureau of Economics and Statistics.

S. A. S. Exam.

Sales Tax Service Class II.

Senior Investigators & Senior Statistical Asstts.

Social Welfare.

Social Work.

Statistical Research Officer, Office of Economic Advisers of Central and Provincial Govts. (B. A. Hons., M.A. or M Sc in Maths)

Statistician, Labour Bureau, Simla (B.A. Hons, M. A. or M.Sc in Maths.)

Statisticians

Statistical Officer, AIR, (Research Section) (B A. Hons., M. A. or M Sc. in Maths).

Statistical Investigator in A G.'s Branch (B.A. Hons., M.A or M.Sc. in Maths.).

Statistician, Agriculture Science (B A Hons., M. A.or M Sc.in Maths.).

Statistician, Directorate Genral of Heallh Services (B A. Hons., M.A. or M Sc. in Maths.).

Statistician, National Income Unit, Finance Ministry (B A. Hons., M.A. or M.Sc in Maths.)

Stores officers.

Sub-editors in the Subordinate General Educational Service of M.P. Govt. and other Governments.

Subordinate Accounts Service (B.A. Hons ,M.A. or M.Sc. in Maths.).

Teaching.

Technical Officer I. A. F. (Age between 21 & 25).

Tourist Giudes & Information Officers.

Traffic Manager in Parts. Ministry of Transport.

Translators in High Courts and Subsidiary Intelligence Bureau, Calcutta.

Transportation Officers.

U. D. C. in the Office of the Deputy Accountant General and Railway Audit Service. Welfare Superintendents.

●

इन्टरमीडिएट, एफ० एस० सी० इन्टर साइन्स

आनर्स डिग्री कोर्स इन जियोलोजी, कैमिस्ट्री, फिजिक्स बोटनी, ऐन्ट्रोपोलोजी, जुओलोजी, फार्मेसी वगैरह।

आर्कीटैक्चर (नेवल एण्ड टाउन प्लानिंग)।

इंडियन नेवल ऐक्जामीनेशन।

इंजीनियरिंग कोर्स इन कैमिकल, माइनिंग, टैलीकम्यूनिकेशन, साउन्ड व सिनेमैटोग्रोफी और नेवीगेशन आदि।

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स सर्टीफिकेट।

ऐक्सरे-टैक्नीशियन।

ऐग्रीकल्चर।

कास्ट एण्ड वर्क्स एकाऊंटैन्सी कोर्स इन टैक्नोलाजी (आयल, सूगर, कैमीकल, टैक्सटाइल)।

जूनियर एयरलाइन्स पाइलट कोर्स।

टीचर।

डिग्री इन स्टेटिसटिक्स।

डिग्री कोर्स इन ऐग्रीकल्चर।

डिग्री कोर्स इन सिविल, इलैक्ट्रिकल, मेकैनिकल इंजीनियरिंग (एफ० एस० सी० मैथेमैटिक्स, फिजिक्स व कैमिस्ट्री)।

डिप्लोमा कोर्स इन फ़ाइन आर्ट्स, डिजाइन एण्ड पेन्टिंग, जियोलाजी।

पुलिस।

फिजिकल एजूकेशन।

मिलिटरी विंग।

मेटलर्जी।

मेडीसिन एण्ड सर्जरी।

रेडियोग्राफी।

रैंजर्स सर्टीफिकेट (फारेस्ट्री)।

सों (तीन-वर्षीय डिग्री कोर्स, बम्बई, गुजरात, पूना विश्व-विद्यालय)।

सायन्टेरी साइन्स।

वेटेरीनरी साइन्स और ऐनीमल हसबन्डरी (ऐफ० ऐस० सी० कैमिस्ट्री, बायलोजी)।

सिने प्राजेक्टर, आपरेशन इत्यादि।

मैट्रिकुलेट

ऐमिनिस ट्रेनिंग।

असिस्टेन्ट स्टेशन मास्टर।

आक्जीलिरी नर्स।

आर्कीटैक्ट।

आर्ट मास्टर।

आर्मेचर वाइंडिंग।

आब्जर्वर इन मैट्रिलाजीकल डिपार्टमेंट।

आर्म्ड फोर्सेज।

आयुर्वेद।

इंजीनियरिंग अपरेन्टिस।

इन्श्योरेन्स एजेन्ट।

इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स ऐक्जाम।

इलेक्ट्रीशियन।

इलैक्ट्रीसिटी इन्स्टालेशन।

इलैक्ट्रोप्लेटिंग।

एक्सटेन्शन ट्रेनिंग (मैट्रिक साथ में ऐग्रीकलचर मे डिप्लोमा)।

आकूपेशनल थिरापी।

ओवरसियर (सिविल इंजीनियरिंग)।

क्लर्क।

कम्पाउन्डर।

कानूनगो।

कामर्स कोर्स।

को-आपरेटिव इंस्पैक्टर।

को-आपरेटिव सुपरवाइजर इन को-आपरेटिव बैंक्स (मैट्रिक बुक-कीपिंग और को-आपरेशन सहित)।

ग्राम सेवक व सेविका।

चार्जमैन।

जे० ऐस० डब्ल्यू० व अन्य यू० पी० ऐस० सी० ऐक्जाम।

टाइपिस्ट।

टी०सी० कोर्स।

टीचर।

टेलीग्राफी।

टेली-टाइपराइटिंग।

टेलीफोन आपरेटर व रिपेयर्स।

टैक्निकल क्राफ्ट्स ट्रेनिंग।

टैक्नोलाजी (टैक्सटाइल, कैमीकल, वीविंग एण्ड वल्डिंग)।

डार्क रूम असिस्टेन्ट।

ड्राफ्ट्समैन।

डिप्लोमा कोर्स (आटो इंजीनियरिंग, फार्मेसी, बैंकिंग, आयुर्वेदिक कोर्स, डोमेस्टिक साइन्स, सिरेमिक्स, इलैक्ट्रीसिटी सुपरवाइज़र, सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकैनिकल इंजीनियरिंग, ड्राफ्ट्समैन, क्राफ्टसमैनशिप, टैक्सटाइल, हौजरी मैनुफैक्चर।

पटवारी।

प्रॉसेस सर्विस ट्रेनिंग।

पाइलट ट्रेनिंग।

पॉल्टरी।

पुलिस।

फारेस्टर।

फिजी-ओ-थिरापी।

फिशरीज़ डिप्लोमा।

फ्रूट प्रेज़र्वेशन।

वायलर अटैन्डेन्ट।

वायलर मेकर।

विज़ीनेस कारेसपोन्डेन्स।

बुक-कीपिंग एण्ड अकाऊँटैन्सी।

बैंक आफिसर्ज़ कोर्स।

मलेरिया स्टाफ।

मर्चेन्ट नेवी ऐक्ज़ीक्यूटिव आफिसर्स ट्रेनिंग।

मर्चेन्ट नेवी रेटिंग।

मशीन आपरेटर्स (पंचिंग कार्ड, डुप्लीकेटिंग, टाइप्ड शीट्स, टेवुलेटिंग स्टेटमेन्ट्स, विलिंग व अकाऊँटैन्सी आदि।

मिडवाइफरी।

मेकैनिक (इन्स्ट्रूमेंट, मोटर, रेडियो, आई० सी० इंजिन)

मेकैनिकल ड्राइवर एण्ड हिन्डल इन फिशरीज़ डिपार्टमेंट।

मैडिकल टैक्नीशियन।

यूनानी कोर्स (चार-वर्षीय डिग्री जी० यू० ऐस० ऐस०)।

रेलवे कैरियर।

रेलवे गार्ड।

लैब० असिस्टेन्ट।

लैबोरेटरी टैक्नीशियन ।
लोकल सेल्फ गवर्नमेंट ।
वायॆरलेस टेलीग्राफी ।
विलेज लेवल वर्कर ।
विलिज सँचालक ।
वेक्सीनेटर ।
वेटेरिनरी स्टाफमेन ।
वेटेरिनरी साइन्स ।
स्टाफ मैन्स ट्रेनिंग ।
स्टेनोग्राफर ।
सर्टीफिकेट कोर्स (ऐग्रीकल्चर, लायब्रेरियनशिप, फिजिकल ऐजूकेशन, हैल्थ इन्स्पेक्शन) ।
शिक्षा विशारद माइनिंग, इंजीनियरिंग, लाख, इन्डस्ट्री, एयर-कन्डीशनिंग, पैन्ट्स वार्निश मैनुफैक्चर) ।
सर्वेयर ।
सिगनलर ।
सिरीकल्चरिस्ट ।
सिनेमा प्राजेक्शन आपरेटर ।
सीमैनशिप ।
सेल्समैनशिप ।
सैनीटरी इंजीनियरिंग ।
सैनीटरी इन्स्पैक्टर ।
सोशल ऐजूकेशन आर्गेनाइजर ।
हैल्थ इन्स्पैक्टर ।
हैल्थ विजिटर ।
होम्योपैथ ।
होम एकोनामी फार ग्राम-सेविका ।

पढ़े-लिखे के लिए

इन्डस्ट्रियल डिप्लोमा कोर्स ।
इलैक्ट्रीशियन ।
एनग्रेविंग ।
एनैमलिंग ।
कमशियल प्रिन्टिंग ।
करेशी अटेन्डेन्स कोर्स ।
कोर्स इन एनैमलिंग एण्ड प्लाइंग ।
ग्राइन्डिंग ।
ग्राम सेवक व सेविका ।
चपरासी ।
चित्रमूर्ति कला ।
जर्नीमैन्स कोर्स ।
टर्नर ।
ड्राइवर ।
ड्राइंग (टैक्निकल) ।
ड्राइंग एण्ड प्रिन्टिंग ।
ड्राइंग एण्ड सर्वेयिंग ।

ड्रैसर कोर्स ।
दाई ।
नर्सिंग ।
पटवारी ।
प्लम्बिंग ।
प्रिन्टिंग टैक्नोलाजी ।
प्रिन्टिंग प्रेस आपरेटर ।
पैटर्न मेकर ।
फलेयिंग ।
फिटर्स कोर्स ।
ब्लीचिंग ।
बैल मेटल स्मिथी ।
मिडवाइफ ।
मिलराइट ।
मेकैनिक (ऐयरोनाटिकल आयल इंजिन)

मेकैनिक (जनरल) ।
मेकैनिक (डीजल इंजिन) ।
मोल्डर ।
लाइन मैन ।
लेबर वेल्फेयर ।
लैबोरेटरी टैक्नीशियन ।
वायर मैन ।
कारकुन ।
वेक्सीनेटर ।
वैल्डर ।
शीट मेटल वर्क ।
सर्टीफिकेट इन सिरेमिक्स ।
स्कल्पचर ।
सिरीकल्चर ।
हीट ट्रीटमेंट कोर्स ।

अध्याय ३

सरकारी नौकरियाँ

1. क्लर्कों की नौकरियां—आजकल स्कूलों और कालेजों में अधिकांशतः ऐसी शिक्षा दी जाती है जिससे व्यक्ति क्लर्कों का काम भली-भाँति कर सकता है। क्लर्क की नौकरी प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को देहली के केन्द्रीय सचिवालय, प्रत्येक प्रान्त के प्रान्तीय सचिवालय, अपने जिले के डिप्टी कमिश्नर या फाइनेन्शल कमिश्नर के कार्यालय में ; प्रान्तीय अथवा राजकीय स्वास्थ्य, जन-सम्पर्क, रासनिंग और सिविल सप्लाई डायरेक्टोरेट में ; आयकर, चुंगी, सेल्सटैक्स, मनोरजन-कर अधिकारी के कार्यालय में ; अपने निकटवर्ती स्थानों में स्थित जीवन बीमा आयोग तथा अन्य बीमा कम्पनियों में ; बैंकों, कालेजों, यूनिवर्सिटियों ; महत्वपूर्ण भारतीय एवं विदेशी कम्पनियों में ; फैक्टरियों, मिलों ; आर्डिनेन्स फैक्टरियों, अखबारों, सिनेमाओं, होटलो, अस्पतालों तथा एयर-इंडिया एवं इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं में ; कार्पोरेशन, म्यूनिसिपल कमेटी अथवा समाज-सुधार की अन्य स्थानीय संस्थाओं में ; रेडक्रास, भारत सेवक समाज, पंचायतों, समाज-कल्याण बोर्डों इत्यादि स्थानों पर प्रयत्न करना चाहिये।

यू० पी० एस० सी० की ओर से लोअर डिवीजन क्लर्क (Assistant Grade), असिस्टेंट ग्रेड अधिकारियों तथा स्टेनो-ग्राफरों के इम्तिहान भी लिये जाते हैं।

1. लोअर डिवीज़न क्लर्क—लोअर डिवीजन क्लर्क की परीक्षा में बैठने के लिए 18 से 25 वर्ष तक की आयु एवं मैट्रिक पास होना आवश्यक है। यह परीक्षा पास कर लेने से व्यक्ति को कम-से-कम 110 रुपये मासिक वेतन मिलना प्रारम्भ हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति लोअर डिवीजन क्लर्क होते हुए बी० ए० की परीक्षा पास कर ले तो उसको अपर डिवीजन क्लर्क अथवा असिस्टेन्ट बनने का भी पूरा चान्स है।

2. क्लर्क—इसी प्रकार क्लर्क बनने के लिए भी 18 से 21 वर्ष तक की आयु एवं मैट्रिकुलेशन तक की योग्यता होना आवश्यक है।

3. असिस्टेंट ग्रेड—असिस्टट ग्रेड की परीक्षा में बैठने के लिए 20 से 25 वर्ष तक की आयु तथा ग्रेजुएट होना आवश्यक है।

4. स्टेनोग्राफर—स्टेनोग्राफर की परीक्षा में बैठने के लिये 18 से 24 वर्ष तक की आयु तथा योग्यता कम-से-कम मैट्रिक होनी चाहिये। परीक्षार्थी को इंगलिश शार्टहैंड और टाइपिंग के टैस्ट में पास होना पड़ता है।

इन नौकरियों के लिए सम्बन्धित फार्म आपको अपने-अपने राज्य के लोक सेवा आयोग कार्यालयों से अथवा केन्द्रीय लोक-सेवा आयोग कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—11, से मिल सकते हैं। क्लर्क ग्रेड परीक्षा के लिए फीस 15 रुपये, असिस्टेंट ग्रेड के लिए 30 रुपये है।

2. कस्टम विभाग में नौकरियाँ—कस्टम विभाग में विभिन्न प्रकार की नौकरियाँ उपलब्ध हैं। इन नौकरियों में प्रीवेंटिव आफिसर (Grade I) बनने के लिए ग्रेजुएट तथा

प्रोवेटिव आफिसर (Grade II) के लिए इंटरमीडिएट पास होना आवश्यक है। कस्टम विभाग के ऐप्रेजर (Appraisers) यू० पी० एस० सी० द्वारा चुने जाते हैं। सीनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट, लेबोरेटरी असिस्टेंट एवं स्टोर कीपर का चुनाव ऐम्प्लायमेंट ऐक्सचेंज के माध्यम से होता है।

3. भारतीय सर्वे विभाग की नौकरियाँ—भारतीय सर्वे विभाग की नौकरियों के लिए केन्द्रीय लोक सेवा आयोग हर साल एक परीक्षा आयोजित करता है। इस परीक्षा में बैठने के लिए 20 से 25 वर्ष तक की आयु, बी० ए० अथवा बी०एस०सी० होना आवश्यक है। यह परीक्षा पास कर लेने के बाद विद्यार्थी आफिसर सर्वेयर एवं डिप्टी सुपरिटेंडिंग सर्वेयर बनते हैं। सर्वे-विभाग द्वारा इन्टरमीडिएट पास व्यक्ति, जिन्हें ओवरसियर का सर्टीफिकेट या डिप्लोमा मिला हुआ हो, सर्वेयर्ज नियुक्त किये जाने के लिए दो साल की ट्रेनिंग में भरती किये जाते हैं। सर्वे-विभाग में ही आंकड़ा-विशेषज्ञ बनने के लिए बी० ए० (गणित) के लिए दो वर्ष की ट्रेनिंग का प्रबन्ध है। मैट्रिक पास व्यक्तियों को चार साल की ट्रेनिंग देकर इस विभाग के विभिन्न कोसों अर्थात् एमर सर्वे ड्राफ्ट मैन, प्लेन टेबलर ड्राफ्ट्स मैन इत्यादि के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है।

4. रेलवे विभाग की नौकरियाँ—भारतीय रेलवे विभागों में मिलने वाली नौकरियाँ दो प्रकार की हैं—1. गजेटेड नौकरियाँ, 2 नान-गजेटेड नौकरियाँ।

गजेटेड नौकरियाँ—गजेटेड नौकरियों में क्लास वन रेलवे सर्विसिज, क्लास टू रेल्वे सर्विसिज एवं स्पेशल क्लास रेलवे एप्रेन्टिस ऐग्जामिनेशन्स प्रमुख हैं।

क्लास वन रेलवे सर्विस की परीक्षा में बैठने के लिए 21 से 25 वर्ष तक के बीच की आयु एवं ग्रेजुएट होना आवश्यक है। क्लास

वन सर्विसिज़ के लिए परीक्षाएँ केन्द्रीय लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली–11 द्वारा आयोजित की जाती हैं। वर्ष में एक बार होने वाली इस परीक्षा के सम्बन्ध में समस्त सूचनाएँ उपर्युक्त कार्यालय से ही मिलेंगी।

क्लास टू रेलवे सर्विसिज़ में लोग साधारणतः नीचे पदों से तरक्की करते हुए पहुँचते हैं। किन्तु अब क्लास टू रेलवे सर्विसिज़ के लिए भी केन्द्रीय लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा ली जाने लगी है।

स्पेशल क्लास रेलवे एप्रेंटिसशिप परीक्षा में बैठने के लिए साइंस के विषय लेकर कम-से-कम सेकिंड क्लास इंटरमीडिएट होना आवश्यक है। प्री-इन्जीनियरिंग सैकिंड डिवीज़न में पास कर लेने वाले विद्यार्थी भी इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। उम्मीदवारों की आयु सम्बन्धित वर्ष में 3 अगस्त को 16 वर्ष से अधिक तथा 19 वर्ष से कम होनी चाहिए। परीक्षा पास कर लेने के बाद उम्मीदवारों को किसी एक लाइन में लगभग ६ वर्ष की ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। ट्रेनिंग के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार को मिलने वाले वज़ीफ़ की रकम क्रमशः बढ़ती रहती है। ट्रेनिंग पूरी हो जाने के बाद उम्मीदवारों की उचित पदों पर नियुक्ति कर दी जाती है।

नान-गजेटेड रेलवे सर्विसिज — नान-गज़ेटेड रेलवे सर्विसिज में असिस्टेंट स्टेशन मास्टर, गार्ड, क्लर्क, टाइपिस्ट, टिकट कलैक्टर, माल क्लर्क, बुकिंग क्लर्क इत्यादि नौकरियाँ शामिल हैं।

असिस्टेंट स्टेशन मास्टर बनने के लिए 18 से लेकर 21 वर्ष तक की आयु तथा मैट्रिकुलेट होना आवश्यक है। भारत में रेलवे प्रशासन के विभिन्न ज़ोन हैं। नार्दर्न रेलवे की नौकरियों के लिए रेलवे सर्विस कमीशन, इलाहाबाद, सैन्ट्रल तथा वैस्टर्न रेलवे ज़ोन की नौकरियों के लिए रेलवे सर्विस कमिशन, बम्बई,

ईस्टर्न रेलवे जोन की नौकरियों के लिए रेलवे सर्विस कमीशन, कलकत्ता तथा साउदर्न रेलवे जोन की नौकरियों के लिए रेलवे सर्विस कमीशन, मद्रास से सम्पर्क स्थापित करना आवश्यक है। असिस्टेंट स्टेशन मास्टर के पद के लिए ऐप्लीकेशन फार्म संबधित रेलवे सर्विस कार्यालय से मिल सकते हैं। एक बार चुन लिये जाने पर उम्मीदवारों को एक वर्ष की ट्रेनिंग प्राप्त कर लेने के बाद सिगनलर के रूप में काम करना पड़ता है। फिर उन्हें क्रमशः असिस्टेंट स्टेशन मास्टर के रूप में नियुक्त कर दिया जाता है।

रेलवे गार्ड बनने के लिए 18 से 25 वर्ष तक की आयु और मैट्रिक पास होना आवश्यक है। चुन लिये जाने पर उम्मीदवारों को एक वर्ष की ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। गार्ड की नौकरियों के बारे में वैसे तो अखबारों में विज्ञापन आता है, किन्तु विस्तृत सूचना संबधित रेलवे जोन के प्रमुख कार्यालय से ही मिल सकती है। टिकट कलक्टरों का चुनाव एवं ट्रेनिंग भी रेलवे गार्डों की भांति ही होता है। आऊटडोर क्लर्क, बुकिंग क्लर्क अथवा पुर्सल क्लर्क बनने के लिए 18 से 25 वर्ष के बीच की आयु एवं मैट्रिक पास होना आवश्यक है। इन नौकरियों के लिए चुने गए उम्मीदवारों को थोड़े सम । लिए आवश्यक विभागीय ट्रेनिंग देकर नियुक्त कर दिया जाता है।

हर साल रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के अन्तर्गत अनेक अप्रेंटिस भी भर्ती किये जाते हैं। अप्रेंटिस भर्ती होने के लिए मैट्रिकुलेट एवं 18 से 22 वर्ष तक की आयु होना आवश्यक है। चुन लिये जाने के बाद उम्मीदवारों को 3 वर्ष की ट्रेनिंग देकर उचित पदों पर नियुक्त किया जाता है।

इन दोनों श्रेणियों के अतिरिक्त रेलवे की वर्कशापों तथा ट्रेनिंग सेंटरों में विभिन्न प्रकार के कोर्सों में ट्रेनिंग दी

जाती है। झाँसी, जबलपुर, लखनऊ, गोरखपुर, बंगलौर, खड़गपुर, अजमेर, चितरंजन, गाजियाबाद, माधोपुर, सिकन्दराबाद, कंचन-पाड़ा, लिलुआ, हुगली, मैसूर, आलमबाग, चारबाग, पैराम्बूर, त्रिचनापली में रेलवे की वर्कशापें हैं। इन वर्कशापों में जर्नी मैन, चार्जमैन, मकैनिक, ट्रेड-इंस्पैक्टर एवं असिस्टैंट इन्स्पैक्टर्ज़ कोर्स की ट्रेनिंग का प्रबन्ध है। इन कोर्सों के विषय में संबंधित रेलवे ज़ोन के कार्यालय अथवा रेल-मंत्रालय दिल्ली से विस्तृत सूचना प्राप्त हो सकती है।

ओवरसियरी का डिप्लोमा प्राप्त 18 से 24 वर्ष के बीच के व्यक्ति एक साल की ट्रेनिंग के बाद असिस्टैंट इन्स्पैक्टर आफ वर्क्स नियुक्त किये जाते हैं। इस ट्रेनिंग के दौरान आवश्यक वज़ीफा मिलता है। 20 से 30 वर्ष तक की आयु के सिविल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा प्राप्त व्यक्ति रेलवे में दो वर्ष की ट्रेनिंग के बाद ब्रिज इन्स्पैक्टर और सर्वेयर्ज़ नियुक्त हो सकते हैं। इन नौकरियों के लिए विस्तृत जानकारी संबंधित रेलवे ज़ोन के सिविल इन्जीनियरिंग डिपार्टमैंट से प्राप्त होगी।

इंजिन ड्राइवर—इन्जिन ड्राइवर का काम सबसे अधिक खतर-नाक और होशियारी का होता है। इन्जिन चलाने वाले व्यक्ति के लिए अपने काम में अत्यन्त अनुभवी और दक्ष होना आवश्यक है। इंजिनों के ड्राइवर सीधे भर्ती नहीं किये जाते। इन्जिन क्लीनर के रूप में भर्ती होने वाले व्यक्ति ही क्रमशः तरक्की करते हुए इन्जिन ड्राइवर के ग्रेड में पहुँचते हैं।

5. पुलिस की नौकरियाँ—पुलिस विभाग के रेडियो, सी० आई० डी०, क्राइम स्पेशल सी० आई० डी०, सिक्युरिटी, ट्रैफिक, ऐंटी-करप्शन, वायरलैस, स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमैंट, इंटैलिजैंस ब्यूरो इत्यादि कई महत्त्वपूर्ण विभाग हैं। इन विभागों में हर वर्ष हजारों नौकरियाँ निकलती हैं। इन विभागों में

नियुक्त होने वाले अधिकारियों के अतिरिक्त प्रति वर्ष पुलिस में सैकड़ों नाई, धोबी, दर्जी, मोची, साइकिल-मिस्त्री, भंगी, खानसामा, भिश्ती और चपरासी भी भर्ती किये जाते हैं। पुलिस-विभाग का काम चलाने के लिए क्लर्कों, टाइपिस्टों और स्टेनोग्राफरों की भी आवश्यकता पड़ती रहती है। स्पेशल पुलिस ऐस्टेब्लिशमेंट एवं इन्टैलीजेंस ब्यूरो, तो गृह-विभाग, भारत सरकार के अन्तर्गत हैं, किन्तु अन्य क्षेत्रों में उम्मीदवारों का चुनाव विभिन्न प्रान्तीय अधिकारियों द्वारा किया जाता है। निचले दर्जे के नौकर-चाकर, कांस्टेबल और हैड कांस्टेबल भर्ती करना ज़िले के सुपरिन्टेन्डेंट पुलिस के हाथ में है। पुलिस की अधिकांश नौकरियों के लिए 18 से 25 वर्ष तक की आयु तथा मिडिल पास होना आवश्यक है। आजकल मैट्रिकुलेट को प्राथमिकता दी जाती है। ए० एम० आई० और एस० आई० बनने के लिए इन्टरमीडिएट तथा इन्स्पैक्टर बनने के लिए ग्रेजुएट होना आवश्यक है। ए०एस०आई० से ऊपर के पदों पर नियुक्त करने के लिए आई०-जी० द्वारा एक बोर्ड बना दिया जाता है। यह बोर्ड लिखित परीक्षा और इन्टरव्यू लेने के बाद परीक्षार्थियों का चुनाव करता है। पुलिस विभाग के सम्बन्ध में नौकरियों की सूचना प्राप्त करने के लिए अपने राज्य के आई० जी० पुलिस अथवा गृह-मंत्रालय, भारत सरकार से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।

6. डाक-तार विभाग की नौकरियाँ—डाक-तार विभाग में डाकिया, क्लर्क, तार बाबू, इन्स्पैक्टर, टेलीफोन ऑपरेटर, टेलीफोन सुपरवाइजर, टेलीफोन इन्स्पैक्टर, डाक-चपरासी तथा संदेशवाहकों के पद खाली रहते हैं। इन नौकरियों के सम्बन्ध में अधिकतर समाचारपत्रों में विज्ञापन देखने से पता चल जाएगा, किन्तु विशेष सूचना के लिए अपने ज़िले के प्रमुख पोस्ट ऑफिस या के सीनियर सुपरिन्टेंडेंट आफ पोस्ट आफिसेज, निकटवर्ती

टेलीफोन एक्स्चेन्ज आफिस, राज्य के पोस्ट मास्टर जनरल के आफिस तथा डायरेक्टर आफ पोस्टल सर्विसिज, नई दिल्ली के कार्यालय से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।

पोस्ट मैन बनने के लिए कम-से-कम 17 से 21 वर्ष तक की आयु तथा मैट्रिक पास होना आवश्यक है। पोस्ट मैन भर्ती हो जाने के बाद तरक्की करता हुआ जमादार, ओवरसियर अथवा क्लर्क बन सकता है। क्लर्कों की नौकरी के लिए मैट्रिक में भूगोल लेकर पास होना तथा 17 से 21 वर्ष तक की आयु आवश्यक है। चुने गए उम्मीदवारों को नियुक्त करने से पहले ढाई महीने की ट्रेनिंग दी जाती है। क्लर्क तरक्की करते-करते पोस्ट मास्टर के पद तक पहुँच सकते हैं। 17 से 21 वर्ष की आयु के इन्टरमीडिएट में भूगोल विषय सहित पास उम्मीदवारों को इन्टरव्यू तथा परीक्षा लेने के बाद इन्स्पेक्टर नियुक्त किया जाता है। डाक-तार विभाग के टाऊन इन्स्पेक्टर तरक्की करते-करते सुपरिटेंडेंट के पद पर पहुँच सकते हैं।

टेलीफोन ऐक्स्चेन्ज में 18 से 21 वर्ष तक की आयु के मैटिक पास लड़कों-लड़कियों को ट्रेनिंग देने के बाद टेलीफोन ऑपरेटर नियुक्त किया जाता है। गणित एवं फ़िज़िक्स विषयों के साथ इन्टरमीडिएट पास व्यक्ति टेलीफोन इन्स्पेक्टर नियुक्त हो सकता है। उम्मीदवार की आयु 18 से 21 वर्ष तक होनी चाहिए। इन्जीनियरिंग सुपरवाइजर बनने के लिए 18 से 24 वर्ष के बीच की आयु तथा गणित और फ़िज़िक्स के विषय लेकर इन्टरमीडिएट पास होना आवश्यक है। इस नौकरी के लिए तीन-वर्षीय डिग्री कोर्स का प्रथम वर्ष पास कर लेने वाले विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते हैं।

7. कुछ अन्य सरकारी नौकरियाँ—हाई स्कूल में ड्राइंग अथवा मकैनिकल ड्राइंग पढ़ा हुआ व्यक्ति रेलवे सी० पी० डब्लू०

टी०, डिफेंस अथवा अन्य टैक्निकल संस्थानों में ट्रेसर बन सकता है।

बी० टी०, बी०-ऐड अथवा एल० टी० की ट्रेनिंग कर लेने वाले व्यक्ति हायर सेकेंडरी स्कूलों में अध्यापक तथा जूनियर बेसिक स्कूल सर्टिफिकेट पास कर लेने वाले व्यक्ति प्राइमरी स्कूलों में अध्यापक बन सकते हैं। आजकल भारत सरकार द्वारा प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में नेशनल डिसिप्लिन स्कीम के अन्तर्गत जूनियर इन्सट्रक्टर्ज (Junior Instructors) की नियुक्ति भी की जाती है। जूनियर इन्सट्रक्टर बनने के लिए 18 से 25 वर्ष तक की आयु तथा सुन्दर स्वास्थ्य होना आवश्यक है। उम्मीदवारों की नियुक्ति 9 महीने की ट्रेनिंग के बाद की जाती है। उन्हें ट्रेनिंग के दौरान 85 रुपये मासिक वजीफा तथा ट्रेनिंग के बाद कम-से-कम 250 रुपये मासिक मिलता है। इस विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए डायरेक्टर नेशनल डिसिप्लिन स्कीम, मिनिस्ट्री आफ ऐजुकेशन, गवर्नमेंट आफ इंडिया, नई दिल्ली से सम्पर्क स्थापित करें।

वायुयानों में 19 से 25 वर्ष तक की हाई स्कूल पास सुन्दर और आकर्षक व्यक्तित्व वाली युवतियाँ एयर होस्टेस बन सकती हैं। इस सम्बन्ध में विस्तृत सूचना एस्टैब्लिशमेंट आफिसर, एयर इंडिया, सान्ता क्रूज, बम्बई-29 अथवा एडमिनिस्ट्रेटिव आफिसर, इंडियन एयरलाइन्स आफिस, नई दिल्ली से प्राप्त की जा सकती है। फ्लाइट पर्सर असिस्टेंट बनने के लिए 19 से 25 वर्ष तक की आयु, हाई स्कूल का सर्टीफिकेट, हिन्दी बोलने की क्षमता तथा जर्मन, इटैलियन, फ्रैंच, जैपनीज, रशियन इत्यादि किसी एक विदेशी भाषा का ज्ञान आवश्यक है। उम्मीदवार को चश्मा नहीं लगा होना चाहिए। फ्लाइट असिस्टेंट का प्रारम्भिक वेतन कम-से-कम तीन सौ रुपया प्रति मास है। इस सम्बन्ध में

विस्तृत सूचना एस्टैब्लिशमेंट आफिसर, एयर इंडिया, सान्ता-क्रुज़, बम्बई-29, से प्राप्त हो सकती है

बस कंडक्टर बनने के लिए 18 से 35 वर्ष के बीच की आयु, हाई स्कूल सर्टिफिकेट तथा फस्ट एड का ज्ञान होना आवश्यक है। कंडक्टरों की भर्ती दिल्ली में पर्सनल आफिसर, दिल्ली परिवहन, सिंधिया हाउस, नई दिल्ली द्वारा तथा अन्य राज्यों में रोडवेज़ के प्रमुख अधिकारी द्वारा की जाती है। उम्मीदवारों के चुन लिये जाने के बाद दो महीने की ट्रेनिंग देकर उन्हें नियुक्त किया जाता है।

वन-विभाग में नौकरियाँ

Foresters—वन संरक्षक (Conservator of Forests) द्वारा निम्नलिखित योग्यता वाले व्यक्ति उपर्युक्त नौकरी के लिए चुने जाते हैं—

शैक्षणिक योग्यता—मैट्रिक या समकक्ष।

आयु—18 से 25 वर्ष।

Forest Guards—इनकी नियुक्ति जिला वन अधिकारी (Divisional Forest Officer) द्वारा की जाती है।

शैक्षणिक योग्यता—4 दर्जे तक।

आयु—18 से 25 वर्ष तक।

Rangers—इनकी नियुक्ति प्रदेश लोक सेवा आयोग, अथवा मुख्य वन संरक्षक द्वारा की जाती है।

आवश्यक योग्यता—इन्टरमीडिएट विज्ञान में।

आयु—18 से 25 वर्ष।

योग्य प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण-काल में 75 रुपये मासिक वृत्ति (Stipend) दी जाती है।

Agricultural Rangers—मार्च-अप्रैल मास में उपर्युक्त

स्थानों के लिए समाचार-पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराये जाते हैं। उम्मीदवारों के पास Agriculture अथवा Botany की डिग्री होना आवश्यक है। आयु 18 से 23 वर्ष तक हो सकती है। उम्मीदवारों को देहरादून या कोयम्बतूर में 2 वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण-काल में उन्हें 75 रुपये मासिक (Stipend) मिलता है। प्रशिक्षण में सफल उम्मीदवारों को Senior Scientific Assistants (Rangers) के रूप में नियुक्त किया जाता है। ऐसे व्यक्तियों को यह लिखकर देना पड़ता है कि कम-से-कम पाँच वर्ष तक केन्द्रीय भूमि संरक्षण बोर्ड में नौकरी करने के लिए तैयार हैं।

Forest Officers—इनका चयन प्रदेश लोक सेवा आयोग करता है।

आवश्यक शैक्षणिक योग्यता—Mathematics, Agriculture, Geology अथवा Natural Science में डिग्री।

आयु—18 से 25 वर्ष तक।

योग्य परीक्षार्थियों को 150 रुपये मासिक Stipend दिया जाता है।

इन नौकरियों के अतिरिक्त Botanists, Silviculturists, Entomologists की कुछ Specialised Gazetted नौकरियाँ भी हैं। इनके लिए प्रदेश लोक सेवा आयोग स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त सुयोग्य व्यक्तियों का चयन करता है।

प्रतिरक्षा सेवाएँ
(Defence Services)

भारतीय सेना के तीन भाग हैं—स्थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना। इन तीनों विभागों में प्रत्येक वर्ष टैक्निकल और

नॉन-टैक्निकल हजारों तरह की नौकरियां निकलती हैं।

परिचय—प्रत्येक विभाग का प्रशासन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (Chief Administrative Officer) के हाथ में होता है। राष्ट्रीय छात्र सेना (N.C.C.) का प्रशासन राष्ट्रीय छात्र सेना और निर्देशालय (N.C.C. and Directorate) द्वारा होता है।

आवश्यक शर्तों को पूरा करने वाले व्यक्तियों को कई संस्थाओं द्वारा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थाओं में प्रमुख हैं—National Defence Academy, Indian Military Academy, College of Military Engineering और Infantry School, National Defence College Delhi में तीनों सेनाओं के अफसरों को संयुक्त प्रशिक्षण देने का प्रबन्ध है। इसके अतिरिक्त विलिंगटन (दक्षिण भारत) में Defence Services Staff College भी अफसरों को प्रशिक्षण प्रदान करता है।

सेना में कमीशन प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों को National Defence Academy, Khadakvasla (Poona) में दो से चार वर्ष तक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के उपरान्त योग्य उम्मीदवारों को कमीशन प्रदान किये जाते हैं।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं के तीन अंग हैं—

1. भारतीय स्थल सेना। (The Indian Army)।
2. भारतीय जल सेना (The Indian Navy)।
3. भारतीय वायु सेना (The Indian Air Force)।

भारतीय स्थल सेना (The Indian Army) का सदर मुकाम नई दिल्ली में है। Chief of the Army Staff, जिसे General की उपाधि से विभूषित किया जाता है, [illegible]

सेना का सर्वोच्च अधिकारी होता है।

भारतीय स्थल सेना में नीचे से ऊपर पद-क्रम इस प्रकार हैं :—

1. सैकिण्ड लैफ्टिनैन्ट 2 लैफ्टिनैन्ट 3 कैप्टेन 4. मेजर 5. लैफ्टिनन्ट कर्नल 6 कर्नल 7. ब्रिगेडियर 8 मेजर जनरल 9. लैफ्टिनैन्ट जनरल 10 जनरल।

भारतीय वायु सेना (Indian Air Force) का मुख्यालय भी नई दिल्ली में है। वायु सेना के सर्वोच्च अधिकारी को Chief of the Air Staff कहा जाता है।

भारतीय वायु सेना में नीचे से ऊपर निम्नलिखित Rank हैं :–

1. पायलट आफिसर 2. फ्लाईंग आफिसर 3. फ्लाईंग लैफ्टिनैन्ट 4. स्क्वैड्रन लीडर 5. विंग कमाण्डर 6. ग्रुप कैप्टन 7. एयर कोमोडोर 8. एयर वाइस मार्शल 9. एयर मार्शल।

भारतीय जल सेना (The Indian Navy) का सदर मुकाम (Head Quarters) भी नई दिल्ली में है। भारतीय नौ सेना के सर्वोच्च अधिकारी को Chief of the Naval Staff कहते हैं।

The Indian Armed Services के कुछ सहायक भी हैं :—

1. Army Medical Corps.
2. Territorial Army.
3. Indian Merchant Navy.
4. N.C.C.
5. A.C.C.
6. Lok Sahayak Sena आदि।

भारतीय स्थल सेना सेवाएँ

(The Indian Army Services)

भारतीय स्थल सेना में तीन प्रकार की नौकरियाँ उपलब्ध हैं :

1. Recruits. 2. Commissioned Officers. 3. Technical Staff

1. रंगरूटों की भर्ती—रंगरूट (Recruit) का पद भारतीय स्थल सेना में सबसे निम्न होता है। रंगरूट के लिए निम्नलिखित आवश्यक योग्यतायें हैं—

(i) साधारण पढ़ा लिखा ; (ii) भारतीय नागरिक ; (iii) स्वास्थ्य अच्छा।

आयु—17 से 25 वर्ष के बीच।

रंगरूटों को विभिन्न पदों के लिये योग्यतानुसार प्रशिक्षण दिया जाता है।

वेतन-क्रम तथा सुविधाएँ—रंगरूटों को आरम्भ में 20 रुपये मासिक तथा 25 रुपये मासिक महँगाई भत्ता मिलता है। हवलदार के Rank तक भोजन, वर्दी, निवास-स्थान तथा डाक्टरी सहायता आदि सुविधाएँ बिना शुल्क प्राप्त होती हैं।

पदोन्नति का अवसर—रंगरूट [illegible] नायक, हवलदार, जमादार, सूबेदार तथा सूबेदार-मेजर के पद पर पहुँच सकते हैं। [illegible] नियुक्त किये जा सकते हैं। [illegible] देकर अन्य पदों के योग्य बनाया जाता है।

सूचना प्राप्ति स्थान—(i) [illegible] में भर्ती के लिये [illegible] Recruitment Centre [illegible] जानकारी [illegible] (ii) [illegible] Military [illegible]

(v) लिखित परीक्षा में पास होने वालों को पाँच दिन तक Services Selection Board के समक्ष रहना पड़ता है। उनको Interview और Test के लिये भी उपस्थित होना पड़ता है। Board द्वारा चुने हुए व्यक्तियों की डॉक्टरी परीक्षा होती है। डॉक्टरी-परीक्षा में सफल प्रतियोगियों के नाम और प्राप्तांकों की सूची लोक सेवा आयोग (U. P. S. C.) के पास भेज दी जाती है। वहाँ इस सूची में प्राप्त होने वाले अंकों में (U. P. S. C.) द्वारा ली गई लिखित परीक्षा के अंकों को जोड़ दिया जाता है और Merit List तैयार की जाती है। प्रशिक्षण के लिये उपलब्ध स्थानों के अनुसार Merit List में से क्रमानुसार प्रतियोगी चुने जाते हैं। इस प्रकार Final Selection में सफल होने वाले उम्मीदवारों की सूची प्रमुख समाचार-पत्रों में प्रकाशित कराई जाती है।

परीक्षा-शुल्क—इस परीक्षा में बैठने वाले व्यक्ति को 37 रुपये 50 पैसे परीक्षा-शुल्क के रूप में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग (U. P. S. C.) के कार्यालय में जमा कराने पड़ते हैं। परिगणित जातियों (Scheduled Caste & Scheduled Tribes) के उम्मीदवारों को केवल 9 रुपये 37 पैसे जमा कराने पड़ते हैं। वह शुल्क Crossed Indian Postal Order अथवा Treasury Challan Receipt द्वारा भेजा जा सकता है।

प्रार्थनापत्र (Application Form)—Commissioned Rank के प्रशिक्षण के लिये परीक्षा में बैठने का Application Form मनीआर्डर द्वारा 1 रुपया भेजकर निम्नलिखित पते से मँगाया जा सकता है :—

Secrutary, Union Public Service Commission, Dholpur House, NEW DELHI.

Application Form निम्नलिखित स्थानों से निःशुल्क प्राप्त

किया जा सकता है :—

(i) N. C. C. Unit से ; (ii) निकटवर्ती Recruiting Office से ; (iii) Military Sub-Area के आफिसर से ।

Application Form भरकर उसके साथ आयु तथा शैक्षणिक व अन्य योग्यता के प्रमाण-पत्र की अटेस्टेड प्रतिलिपियाँ नत्थी कर देनी चाहियें । प्रार्थनापत्र भरकर Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi को भिजवाने चाहियें । प्रशिक्षण पूरा हो जाने पर लैफ्टिनेन्ट के रूप में नियुक्ति होती है । सैकिण्ड लैफ्टिनेन्ट का आरम्भिक वेतन 400 रुपये है, परन्तु वह पदोन्नति करते हुए General तक पहुँच सकता है ।

प्रशिक्षण-काल मे प्रशिक्षण-व्यय, पुस्तकें, निवास-स्थान तथा चिकित्सा सम्बन्धी सुविधाएँ निःशुल्क मिलती हैं । इसके अतिरिक्त जिन उम्मीदवारो के अभिभावको की आय 300 रुपये मासिक से कम है, उन्हे वजीफा दिया जाता है ।

इस सम्बन्ध मे अन्य सभी सूचनाएँ निम्नलिखित स्थानों से प्राप्त की जा सकती हैं :—

1. U.P.S C, Dholpur House, New Delhi.

2. Military Headquarters, Delhi Cantt., Ambala, Lucknow, Meerut, Bombay, Jullundur, Poona, Jabalpur, Bangalore etc.

आपत्कालीन कमीशन (Emergency Commission Rank —

शैक्षणिक योग्यता—इन्टर पास
आयु—18 से 21 वर्ष तक ।

पात्रता की शर्तें (Eligibility) :—

(i) उम्मीदवार भारतीय नागरिक होना चाहिए । (ii) उम्मीदवार अविवाहित युवक होना चाहिये ।

आपत्कालीन कमीशन के Rank के लिये निकटवर्ती Army Head Quarters में प्रार्थनापत्र भेजना चाहिये । यदि Army Head Quarters के अधिकारियों की दृष्टि में उम्मीदवार कमीशन के योग्य है तो Final Selection के लिए उसका प्रार्थनापत्र Service Selection Commission के पास भेज दिया जायेगा ।

चुने हुए उम्मीदवारों को छः माह के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है । प्रशिक्षण में सफल होने पर उन्हें सैकिन्ड लैफ्टिनेन्ट नियुक्त किया जाता है ।

आपत्कालीन कमीशन प्राप्त उम्मीदवारों के लिये भी उन्नति के अवसर नियमित कमीशन प्राप्त उम्मीदवारों के समान हैं । अपनी योग्यता के बल पर वे उन्नति करते-करते लैफ्टिनेंट, कैप्टेन, मेजर, कर्नल आदि के पद पर पहुँच सकते हैं ।

3. टैक्निकल नौकरियाँ—

भारतीय स्थल सेनाओं में कई टैक्निकल व्यवसायों की नौकरियाँ तथा प्रशिक्षरण भी मिल सकता है जिनमें निम्नलिखित प्रमुख हैं :—

1. Field Draughtsman—

शैक्षणिक योग्यता—छठी कक्षा तक पढ़ा होना आवश्यक है ।

आयु—14 से 15 वर्ष के बीच ।

प्रशिक्षरण की अवधि—$3\frac{1}{2}$ से 4 वर्ष तक ।

सुविधाएँ—प्रशिक्षण-काल में भोजन, निवास, वर्दी का प्रबन्ध निःशुल्क होता है । छात्रवृत्ति देने की व्यवस्था भी है ।

इनके अतिरिक्त कई अन्य टैक्निकल व्यवसायों के लिये ट्रेनिंग

दी जाती है—

(a) 1. Excavating Machinery, Artificer. 2 Electrician. 3. Field Surveyer. 4 Railway Surveyer. 5. Topographical Draughtsman. 6 Engine Artificer. 7. Topographical Surveyer. 8 Railways Draughtsman. 9. Mechanical Draughtsman

(b) 1. Fitter. 2. Welder. 3. Engine Fitter. 4 Machinist. 5 Excavating Machinery Operator

(c) 1. Steam Engine Driver. 2 Carpenter and Joiner 3. Brick layer. 4. Moulder.

प्रशिक्षण-अवधि—उपरिलिखित कोर्सों की प्रशिक्षण-अवधि प्राय. 3½ वर्ष से 4 वर्ष तक है।

प्रशिक्षण-काल मे सुविधाएँ आदि—प्रशिक्षण के लिये चुने गये उम्मीदवारो को भोजन, निवास तथा वर्दी आदि की सुविधाएँ नि शुल्क प्राप्त होती है। उन्हे नियमानुसार वृत्ति (Stipend) भी दी जाती है। प्रशिक्षण के बाद निर्धारित वेतन पर उनकी नियु क्त की जाती है।

प्रशिक्षण के लिये प्रार्थनापत्र निकटवर्ती Recruiting Centre मे दिये जाने चाहिएँ।

भारतीय स्थल सेना में कुछ अन्य नौकरियाँ

1 अल्पावधि कमीशन (Short Service Commission) —

शैक्षणिक योग्यता—इण्टर पास होना आवश्यक है।

आयु—19 से 25 वर्ष के बीच।

अन्य शर्तें—स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए। भारतीय

नागरिक होना आवश्यक है । विस्तृत जानकारी निकटवर्ती भर्ती-दफ्तर से प्राप्त की जा सकती है ।

2. Emergency Commissions in Remount and Veterinary Corps.

श्रावश्यक योग्यता—(Eligibility)—(i) उम्मीदवार का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है । (ii) भारतीय विश्व-विद्यालय से B.V.Sc. अथवा उसके समकक्ष विदेशी डिग्री प्राप्त (Qualified Veterinary Surgeons) ही उपरिलिखित जगह के लिए प्रार्थनापत्र भेज सकते हैं । (iii) डाक्टरी परीक्षा में पास होना आवश्यक है । (iv) उम्मीदवार को विश्व-भर में काम करने के लिए तैयार होना चाहिए । इसके लिए उपयुक्त स्वास्थ्य भी होना चाहिए ।

आयु—20 से 25 वर्ष के बीच ।

अवधि—कमीशन वर्तमान आपत्काल (Emergency) तथा उसके उपरान्त उस समय तक प्रदान किये जायेंगे जब तक आवश्यक समझा जायेगा ।

प्रार्थनापत्र निम्नलिखित पते पर भेजें :—

DRVS, QMG's Branch, Army HQ, DHQ Po., New Delhi-11

3 Deptt. of Defence Production, Ministry of Defence (DGL) में निम्नलिखित नौक-रियाँ मिल सकती हैं :—

1. Senior Scientific Assistants :

श्रावश्यक योग्यता—Mechanical Engineering की डिग्री पास हो अथवा Mechanical या Automobile Engineering का डिप्लोमा प्राप्त और आटोमोबाइल क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव हो अथवा M.Sc. (Physics) या B.Sc.

(Hons.,—3. yearcourse in Physics with Mathematics) पास हो और Mechanical या Physical Laboratory अथवा Industrial Establishment मे काम करने का अनुभव हो।

आयु—20 से 35 वर्ष के बीच।

वेतन-क्रम—325-15-475 EB 20-575 रु०।

2. Junior Scientific Assistants।

आवश्यक योग्यता—B.Sc. पास अथवा Mechanical Engineering की डिग्री प्राप्त अथवा Mechanical या Automobile Engineering डिप्लोमा प्राप्त व्यक्ति, जिन्हें आटोमोबाइल क्षेत्र मे नौकरी का अनुभव हो, प्रार्थनापत्र भेज सकते हैं।

आयु—18 से 35 वर्ष तक।

वेतन-क्रम—210-10-290-15-320-EB-15-425 रु०।

3. Draughtsman Grade I:

आवश्यक योग्यता (Eligibility)—Mechanical Engineering या B.Sc. की डिग्री प्राप्त वे व्यक्ति, जिन्हें ड्राइंग करने का अनुभव है, प्रार्थना-पत्र भेज सकते हैं। Mechanical अथवा Automobile Engineering का डिप्लोमा प्राप्त वे व्यक्ति, जिन्हें ड्राइग कार्यालय मे काम करने का तीन वर्ष का अनुभव हो, भी आवेदन-पत्र भेज सकते हैं।

आयु—21 से 35 वर्ष तक।

वेतन-क्रम—335-15-425 रु०।

4. Draughtsman Grade II:

आवश्यक योग्यता—I.Sc. डिग्री और Drawing
में काम करने का 5 वर्ष का अनुभव अथवा B.S
Drawing Office में काम करने का

Mechanical Engineering की डिग्री या Mechanical Automobile का डिप्लोमा।

आयु—20 से 35 वर्ष तक।

वेतन-क्रम—250-10-290-15-380 रु०।

5. Draughtsman Grade III :

आवश्यक योग्यता—Mechanical/Automobile Engg. का डिप्लोमा अथवा B.Sc. डिग्री और Drawing Office में काम करने का अनुभव ; अथवा I.Sc. पास और Drawing Office में काम करने का तीन वर्ष का अनुभव ; अथवा मैट्रिक पास व Drawing Office में काम करने का 4 वर्ष का अनुभव।

आयु—18 से 35 वर्ष तक।

वेतन-क्रम—205-7-240-8-280 रु०।

6. Draughtsman Grade IV :

आवश्यक योग्यता—Mechanical/Automobile Engineering या Mechanical Draughtsmanship का डिप्लोमा। अथवा Drawing Office में काम करने का तीन वर्ष का अनुभव और Draughtsmanship का Test पास करने की योग्यता।

आयु—18 से 25 वर्ष तक।

वेतन-क्रम—150-5-175-6-205-EB-7-240 रु०।

7. Foreman :

आवश्यक योग्यता–Mechanical Engineering की डिग्री अथवा Mechanical/Automobile Engg. का डिप्लोमा और Automobile क्षेत्र में काम करने का 2 वर्ष का अनुभव; अथवा B.Sc. Degree और Automotive field में Supervisory capacity में काम करने का 5 वर्ष का अनुभव अथवा मैट्रिक

और Automotive field में Supervisory capacity में काम करने का 10 वर्ष का अनुभव ।

आयु—20 से 35 वर्ष तक । परिगणित जातियों के उम्मीदवारों को आयु मे कुछ छूट दी जाती है ।

वेतन-क्रम— 450-25-575 रु० मासिक ।

8. Assistant Foreman :

आवश्यक योग्यता—Mechanical Engineering की डिग्री अथवा Mech./Automobile Engg. का डिप्लोमा और Mechanical/Automobile Engg. क्षेत्र में काम करने का 1 वर्ष का अनुभव ।

आयु—19 से 35 वर्ष तक ।

वेतन-क्रम—370-20-450-25-500 रु० मासिक ।

9. Chargeman Grade I ·

आवश्यक योग्यता—Assistant Foreman के लिए आवश्यक योग्यता के समान ।

आयु—18 से 35 वर्ष तक ।

वेतन-क्रम—335-15-485 रु० मासिक ।

10. Supervisors Technical Grade II :

आवश्यक योग्यता—मैट्रिक साथ में Automobile क्षेत्र में काम करने का 4 वर्ष का अनुभव ; अथवा B.Sc. या Mech./ Automobile Engg. का डिप्लोमा और Automobile क्षेत्र में काम का कुछ अनुभव ।

आयु—18 से 35 वर्ष तक ।

वेतन-क्रम—205-7-240-8-280 रु० मासिक ।

11. Artist-cum-Photographer :

आवश्यक योग्यता—डिग्री और Photography, अथवा

ललितकला के क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव अथवा निम्नलिखित विषयों में 15 वर्ष का अनुभव :

(a) Mechanical Drawing, (b) Capable to take isometric, perspective and exploded view of mechanical equipment, (c) Capable to draw pictorial and explanatory educational drawing and paintings with knowledge in Fine Arts, (d) Knowledge for reproduction and development of sketches for photographs, (e) Capable to design posters, playcards and insignia.

आयु—21 से 35 वर्ष तक।

वेतन-क्रम—315-15-425 रु० मासिक।

Defence Production से सम्बन्धित सभी नौकरियों के विषय में पूर्ण जानकारी निम्नलिखित पते से प्राप्त की जा सकती है :—

Deptt. of Defence Production, C/o, Ministry of Defence (DGL), South Block, New Delhi-11,

इसके अतिरिक्त समय-समय पर समाचार-पत्रों में विज्ञापन भी प्रकाशित होते रहते हैं।

भारतीय वायु सेना सेवाएँ
(Indian Air Force Services)

भारतीय वायु सेना के निम्नलिखित अंगों के लिए लोक सेवा आयोग द्वारा योग्य व्यक्तियों का चुनाव कराया जाता है :—

(i) General Duties Branch. (ii) Ground Duty Branch.

प्रथम श्रेणी (General Duties Branch) में Pilots और Navigators की नौकरियां होती हैं। दूसरी श्रेणी

(Ground Duty Branch) की नौकरियों को दो भागो मे विभाजित किया जाता है :

1. Technical Branch 2. Non-technical Branch.

Technical Branch के अन्तर्गत निम्नलिखित नौकरियाँ आती हैं :—

(i) Engineering . Armament (iii) Signals. (iv) Electrical Categories

Non-technical Branch मे मिल सकने वाली नौकरियाँ भी चार प्रकार की हैं :—

(i) Administration और Special Duties. (ii) Equipment Department. (iii) Education Department. (iv) Accounts Department,

आवश्यक योग्यता (Conditions of Eligibility)—(i) भारतीय नागरिक अथवा सिक्किम-निवासी और वे लोग जो नेपाल से आकर स्थायी रूप से भारत मे बस गये हैं इन नौकरियो के लिए आवेदन-पत्र भेज सकते हैं। (ii) विभिन्न नौकरियो के लिये शैक्षणिक योग्यताएँ अलग-अलग हैं। इनके विषय मे पूर्ण जानकारी समीपवर्ती (Air Force Recruiting Centre) और इन नौकरियो से सम्बन्धित विज्ञापनों से प्राप्त की जा सकती है। (iii) आयु—General Duties Branch मे Pilot या Navigator की नौकरियाँ तथा N.C.C. के Air Wing द्वारा चुने जाने वाले व्यक्तियो के लिए आयु $17\frac{1}{2}$ से 21 वर्ष के बीच होनी चाहिए। National Defence Academy में इन नौकरियों के लिए चुने जाने वाले उम्मीदवार 15 से $17\frac{1}{2}$ वर्ष के बीच होने चाहिएँ। (iv) स्वास्थ्य सम्बन्धी योग्यता—Pilot के रूप मे भर्ती होने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तें पूरा करना आवश्यक है :—

ऊँचाई (Height)—64 से 75 इंच के बीच।

वजन (Weight)—लम्बाई तथा आयु के अनुपात के अनुसार।

सीना (Chest Measurement)—32 इंच से कम न हो और फुलाने पर 2 इंच फूल सकता हो।

दृष्टि (Eye-sight)—दृष्टि ठीक (Normal $\frac{6}{6}$) हो।

टाँग की लम्बाई (Leg Length)—39 इंच से कम न हो।

स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्य विस्तृत जानकारी निकटवर्ती Air Force Recruiting Centre से प्राप्त हो सकती है।

भारतीय वायु सेना में खाली स्थानों की पूर्ति के लिए समय-समय पर समाचार-पत्रों में विज्ञापन निकलते रहते है। उनमें पूर्ण सूचना तथा आवेदन-पत्र भेजने का पता दिया रहता है। निकटवर्ती Air Force Recruiting Centre से भी विस्तृत जानकारी मिल सकती है।

Pilots या Navigators की ट्रेनिंग के लिए उम्मीदवारों को प्राय: National Defence Academy, Khadakvasla (Poona) के द्वारा चुना जाता है। आवश्यकता पड़ने पर Air Force Selection Board द्वारा सीधी भर्ती भी की जाती है। प्रमुख समाचारपत्रों में इसके लिये विज्ञापन प्रकाशित होते रहते हैं। कुछ सीट्स N.C.C. Air Wing के उन छात्रों के लिये सुरक्षित रहती हैं जो (i) इंटर पास हों। (ii) N.C.C. के Air Wing सीनियर डिवीज़न में तीन वर्ष तक रह चुके हों। (iii) Senior Air Certificate 'C' प्राप्त कर चुके हों।

निम्नलिखित Recruiting Centres से सभी प्रकार की आवश्यक जानकारी विस्तृत रूप से उपलब्ध हो सकती है :—

(1) C/o., Air Force Station, Safdar Jung, New Delhi. (2) Air Force Recruiting Centre, A.F.I. Bldg., Hospital Road, Dhobi Talao, Bombay. (3) Air

Force Recruiting Centre, No 1, Gokhale Road, Calcutta-20 (4) Air Force Recruiting Centre, No. 9, Wheeler Barracks, Kanpur Cantt (5) Air Force Recruiting Centre, 48 Mansfield, Ambala Cantt. (6) Air Force Recruiting Centre, c/o, Air Force Station, Berwada, Poona-6. (7) Air Force Recruiting Centre, c/o, Air Force Station, Tambaram, Madras. (8) Air Force Recruiting Centre, H.Q. Training Cammand (unit), Infantry Road End, High Grounds, Bangalore. (9) Air Force Recruiting Office, Jabalpur (10) Air Force Recruiting Centre, Purshotam Das Tandan Road, Near Army Supply Corporation, Allahabad-1. (11) Air Force Recruiting Centre, c/o, Air Force Station, Jorhat (Assam). (12) Air Force Recruiting Centre, c/o, Air Force Station, Pulgaon. (Nagpur). (13) Air Force Recruiting Centre, c/o, Air Force Station, Jodhpur (Rajasthan).

एयरमैन की नौकरियाँ
(Posts of Airmen)

शैक्षणिक योग्यता—Mathematics और Science के साथ मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा पास होना आवश्यक है।

आयु—17 से 20 वर्ष तक।

प्रशिक्षण—चुने हुए उम्मीदवारों को 72 सप्ताह तक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण-काल में उन्हें भोजन, आवास आदि की सुविधा तथा नियमानुसार भत्ते दिये जाते हैं।

एयरमैन की ट्रेनिंग की भर्ती के लिए Recruiting Officer एक Test द्वारा उम्मीदवारों का चयन करता है। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए निकटतम Recruiting Centre अथवा उपरिलिखित Air Force Recruiting Centre से सम्पर्क स्थापित करें।

Air Craft Apprentices:

शैक्षणिक योग्यता – Mathematics और Science के साथ मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा।

आयु—15 से 17 वर्ष।

Air Craft Apprentices के लिए चुने गये उम्मीदवारों को उनकी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों में से किसी एक में चार वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है :

(1) Electrician, (2) Fitter II Airframes, (3) Fitter Armourer, (4) Fitter II Engine, (5) Radar Mechanic, (6) Wireless Operator Mechanic, (7) Instrument

भारतीय वायु सेना में भर्ती के लिये परीक्षा

Air Force College में Pilot कोर्स के लिये चुने हुए प्रशिक्षणार्थियों को ट्रेनिंग दी जाती है। उम्मीदवारो के चयन के लिए U.P.S.C. द्वारा वर्ष मे दो बार परीक्षा ली जाती है। प्रतिरक्षा मन्त्रालय द्वारा परीक्षा सम्बन्धी सूचना समाचार-पत्रों मे प्रकाशित की जाती है। यह परीक्षा दिल्ली, कलकत्ता, इलाहाबाद, पटना, बम्बई, मद्रास, श्रीनगर, शिलांग, नागपुर तथा लुधियाना मे ली जाती है।

इस परीक्षा मे बैठने के इच्छुक व्यक्ति एक रुपये का मनी-आर्डर भेजकर निम्नलिखित पते से प्रार्थनापत्र मँगवा सकते हैं :—

Secretary, Union Public Service Commission, Dhol pur House, New Delhi-11.

ये प्रार्थनापत्र Air Force Recruiting Centres और National Cadet Corps Units से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रार्थनापत्र 36 रु० 50 पैसे (परिगणित जाति 8 रु० 37 पैसे) परीक्षाशुल्क के साथ U P. S C. में जमा कराये जाने चाहियें।

आवश्यक योग्यता (Conditions of Eligibility)—

(i) उम्मीदवार मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए।

(ii) उम्मीदवार अविवाहित होना चाहिए।

(iii) उसका स्वास्थ्य विश्व में कहीं भी नौकरी करने योग्य होना चाहिए।

आयु—17½ से 21 वर्ष तक।

निम्नलिखित विषयों में उम्मीदवारों की परीक्षा ली जाती हैं—

English, General Knowledge (Current Affairs, History, Science, Geography etc.), Mathematics Pt. I and Pt. II।

सभी प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में माँगे जाते हैं।

प्रशिक्षण—परीक्षा के उपरान्त Merit List के अनुसार उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के लिए चुना जाता है। प्रशिक्षण की अवधि 18 मास हैं। प्रशिक्षण-काल में शादी करना नियम-विरुद्ध है। ऐसा करने पर दण्डस्वरूप उम्मीदवार पर व्यय हुआ सारा रुपया उसे सरकार को वापिस करना पड़ेगा और उसे ट्रेनिंग से निकाल दिया जायेगा। परन्तु इच्छुक व्यक्ति नौकरी के तीन वर्ष पश्चात् शादी कर सकते हैं।

प्रशिक्षण-काल में उम्मीदवारों को निवास, भोजन, वर्दी आदी की सुविधाओं के अतिरिक्त नियमानुसार वृत्ति (Stipend भी मिलती है।

अन्य आवश्यक जानकारी किसी भी Air Force Recruiting Centre से जिनके पते पहले दिये जा चुके हैं, प्राप्त की जा सकती है।

आयुध-निर्माणी कारखानों में नौकरियां
(Srveices in Ordnance Factories)

Ordnance Factories में भी कई प्रकार की नौकरियां तथा ट्रेनिंग मिल सकती है।

Trianing of Boy Artisans :—

आवश्यक योग्यता–English, Arithmetic, Elementary

Algebra, Elementary Science के साथ मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास।

आयु—15 से 17 वर्ष। परिगणित जाति से सम्बन्धित प्रार्थियों को कुछ छूट दी जाती है।

प्रशिक्षण—प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक लड़के को 20 से 25 रु० तक मासिक वृत्ति (Stipend) दिया जाता है। प्रशिक्षण के बाद उम्मीदवारों की उसी फैक्टरी में नियुक्ति हो जाती है और उन्हें नियमानुसार वेतन तथा भत्ते मिलना आरम्भ हो जाता है।

यह प्रशिक्षण समय-समय पर आवश्यकता पड़ने पर दिया जाता है। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी किसी Ordnance Factory के Labour Bureau और Employment Exchange से उपलब्ध हो सकती है।

कानपुर, मोदीनगर, ईशापुर, कटनी तथा कोसीपुर की Ordnance Factories में समय-समय पर नौकरियाँ निकलती रहती हैं। इनके बारे में पूर्ण जानकारी के लिए इन कारखानों के Labour Bureau से सम्पर्क लाभकारी होगा।

भारत में प्रमुख Ordnance Factories निम्नलिखित हैं :—
(i) Ordnance Factory, Katni (M. P.). (ii) Ordnance Factory, Kosipur (West Bengal), (iii) Ordnance Factory, Ishapur. (iv) Ordnance Factory, Murad Nagar (U. P.). (v) Ordnance Factory, Kasipur (U.P.).

सहायक कार्य-प्रबन्धक की नियुक्ति (Asstt. Works Manager)—सहायक कार्य-प्रबन्धक की जगह ईशापुर में मिल सकती है।

आवश्यक योग्यता—इंजीनियरिंग की डिग्री।

आयु—20 से 25 वर्ष तक।

प्रशिक्षण—योग्य उम्मीदवारों को तीन वर्ष तक Ordnance Factory में प्रशिक्षण दिया जाता है।

ट्रेनिंग के दौरान उम्मीदवार को Stipend के रूप में प्रथम वर्ष में 350 रु०, दूसरे में 380 रु० और तीसरे वर्ष में 410 रु० मासिक दिये जाते हैं। प्रशिक्षण में सफल होने पर उम्मीदवारों को उसी फैक्टरी में 410-30-500-EB-30-680-40-850 रु० मासिक के वेतन-क्रम में सहायक कार्य-मैनेजर नियुक्त किया जाता है।

Apprenticeship Training in Metal and Steel Ordnance Factory, Ishapore :

आवश्यक योग्यता—कार्य का तकनीकी ज्ञान।

प्रशिक्षण-अवधि—$2\frac{1}{2}$ वर्ष से 4 वर्ष तक।

वृत्ति—प्रशिक्षण के लिए चुने हुए व्यक्तियों को 60 रु० से 90 रु० मासिक तक वृत्ति (Stipend) दी जाती है। आवास, भोजन आदि, अन्य सुविधाएँ भी प्रदान की जाती हैं।

रिक्त स्थान होने पर आवश्यक जानकारी निम्नलिखित पते से प्राप्त कर सकते हैं :—

O/C, Labour Bureau,
c/o, Metal and Steel Ordnance Factory, Ishapose.

प्रार्थनापत्र भी उपरिलिखित पते पर भेजे जाने चाहियें।

प्रशिक्षण के बाद उन्नति के अच्छे अवसर हैं। कुछ व्यक्तियों को Factory में Chargeman या Supervisor के पद में रख लिया जाता है। उन्हें 150 रु० से 350 रु० तक मासिक वेतन मिलता है।

रिक्त स्थान होने पर मुख्य समाचार-पत्रों द्वारा प्रशिक्षण के लिए इच्छुक व्यक्तियों से प्रार्थना-पत्र मंगाये जाते हैं। इस सम्बन्ध

में Ordnance Factories के Labour Bureau से भी सूचना मिल सकती है।

भारतीय नौ सेना (Indian Navy) में नौकरियों तथा प्रशिक्षण के अवसर

1. Artificer Apprentices प्रशिक्षण—इस प्रशिक्षण के लिए उम्मीदवार चुनने के लिये वर्ष में दो बार परीक्षा होती है। उम्मीदवार Mathematics और Science के साथ मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास तथा उसकी आयु 15 से 17½ वर्ष तक होनी चाहिए। प्रशिक्षण-अवधि 4 वर्ष है। प्रशिक्षण के प्रथम वर्ष 62 रु० मासिक, दूसरे वर्ष 67 रु० मासिक, तीसरे वर्ष 72 रु० मासिक और चौथे वर्ष 77 रुपये मासिक वृत्ति मिलती है। आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए तथा आवेदनपत्र भेजने के वास्ते निकटवर्ती 'फौजी भर्ती के दफ्तर' से सम्पर्क स्थापित करें।

2. Marine Engineering में प्रशिक्षण—इसकी ट्रेनिंग के लिए प्रतिवर्ष मार्च में छपे फार्मों पर दस रुपये के Crossed Postal Order सहित आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं। उम्मीदवारों का चयन मई से जुलाई के बीच होता है। इच्छुक उम्मीदवारों से बम्बई, दिल्ली, मद्रास, वाराणसी आदि स्थानों पर लिखित Test लिया जाता है।

लिखित परीक्षा के पश्चात् डाक्टरी परीक्षा होती है। इसके बाद Merit List तैयार की जाती है जिसमें से आवश्यकतानुसार उम्मीदवारों को Services Selection Board के सामने Interview में उपस्थित होने के लिए कहा जाता है।

आवश्यक शैक्षणिक योग्यता—Maths., Physics और Chemistry सहित तीन-वर्षीय डिग्री कोर्स का प्रथम वर्ष पास

अथवा Maths., Physics, Chemistry के साथ इण्टर पास।

आयु—16 से 19 वर्ष।

आवश्यक जानकारी प्राप्त करने तथा आवेदनपत्र भेजने का पता—

Director, Marine Engineering Training,
Calcutta—27.

3. (i) Shipwright Apprentices और (ii) General Engineering Trade Appprentices—Shipwright Apprentices को प्रशिक्षण-काल में आवास, भोजन, वर्दी आदि की सुविधाओं के अतिरिक्त 75 रुपये मासिक मिलता है। General Engineering Trade Apprentices को अन्य सुविधाओं के अतिरिक्त 25 रुपये मासिक वृत्ति मिलती है। विस्तृत जानकारी के लिये क्रमशः निम्नलिखित पतों से सम्पर्क स्थापित करें :—

(i) Shipwright Training School, Bombay.

(ii) Dockyard Training School, Bombay.

4. Naval Ratings— आवश्यक शैक्षणिक योग्यता—सातवीं कक्षा तक पढ़ा होना आवश्यक है।

आयु—17 से 20 वर्ष तक।

Indian Navy Examinations—पूर्वलिखित कोर्सों में प्रशिक्षण के अतिरिक्त भारतीय नौ-सेना में Officers (Cadets) को प्रशिक्षण देने के लिये U.P.S.C. एक परीक्षा द्वारा योग्य उम्मीदवारों का चुनाव करता है। यह परीक्षा वर्ष में दो बार जुलाई और दिसम्बर मे ली जाती है।

आवश्यक शैक्षणिक योग्यता—इस परीक्षा में बैठने के लिए इण्टर अथवा समकक्ष परीक्षा अथवा तीन-वर्षीय डिग्री कोर्स का प्रथम वर्ष पास होना आवश्यक है।

आयु—17 से 19 वर्ष तक।

इस परीक्षा के लिए आवश्यक जानकारी तथा एक रुपये का मनीआर्डर भेजकर Application Form निम्नलिखित पते से मँगाया जा सकता है :—

The Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi—11.

विस्तृत जानकारी निम्नलिखित पतों से भी प्राप्त की जा सकती है :—

1. The Resident Naval Officer, Calcutta. 2. The Commodore-in-Charge, Bombay Vithal House, Mint Rd., Bombay, 3. The Resident Naval Officer, Madras. 4. The Naval Officer-in-Charge, Vizakhapatnam. 5. The Commodore-in-Charge, Cochin.

उपरिलिखित पतो से निःशुल्क 'आवेदन-पत्र' भी मँगाये जा सकते हैं।

परीक्षा तथा प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य जानकारी—केवल अविवाहित पुरुष इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। परीक्षा-शुल्क 36 रुपये 50 पैसे (परिगणित जातियों के उम्मीदवारों के लिए

8 रुपये 37 पैसे) हैं। लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों
Services Selection Board के सामने Interview के लि
उपस्थित होना पड़ता है। इसके पश्चात् योग्यता-क्रम की सू
(Merit List) तैयार की जाती है जिसमें से आवश्यकतानुस
उम्मीदवारों को चुन लिया जाता है। Interview में स
उम्मीदवारों की शारीरिक सहिष्णुता (Physical Enduranc
की परीक्षा ली जाती है। इसके पश्चात् Navy के लिए प्रशिक्ष
दिया जाता है।

प्रशिक्षण के लिये चुने गये उम्मीदवारों को सर्वथा स्वस
और विश्वभर में नौकरी करने के योग्य होना चाहिए। उम्मी
सार प्रशिक्षण-काल में विवाह नहीं कर सकते।

प्रशिक्षण के प्रथम छः माह में उम्मीदवारों को आवास
भोजन आदि निःशुल्क मिलता है। छः माह के प्रशिक्षण
सफल Cadets को Midshipman के रूप में नियुक्त क
दिया जाता है। तब उन्हें नियमानुसार वेतन तथा अन्य सुविधाए
मिलती हैं।

लिखित परीक्षा U.P.S.C. द्वारा दिल्ली, कलकत्ता,
बम्बई, हैदराबाद, पटियाला, लुधियाना, भोपाल, इलाहाबाद,
मद्रास, शिलांग, त्रिवेन्द्रम, जम्मू आदि स्थानों पर ली जाती है।
इसके विषय में समाचारपत्रों में आवश्यक जानकारी प्रकाशित
होती रहती है। विस्तृत जानकारी U.P.S.C. तथा उपरिलिखित
अन्य पतों पर उपलब्ध है।

Indian Merchant Navy Services and Training—जहाजी कम्पनियों में भी योग्य नवयुवकों को प्रशिक्षण
तथा नौकरी का अवसर मिल सकता है, परन्तु जहाजी कम्पनियाँ

इन्हीं Cadets को Apprentices रखती हैं, जो ट्रेनिंगशिप का कोर्स पास कर चुके हों।

ट्रेनिंगशिप कोर्स के लिये उम्मीदवारों का चुनाव वर्ष में एक बार किया जाता है। कोर्स की अवधि दो वर्ष है, परन्तु सात महीने अवकाश रहता है।

आवश्यक योग्यताएँ : शिक्षा—मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास।

आयु—15½ वर्ष से 18 वर्ष तक।

अन्य योग्यता - दृष्टि (Eyesight) बिल्कुल ठीक (Normal) होनी चाहिए। रंगों की ठीक-ठीक पहचान कर पाना भी आवश्यक है।

परीक्षा—लिखित परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों का योग्यता-क्रम के अनुसार Interview लिया जाता है। Interview के पश्चात् उम्मीदवारों को अन्तिम रूप से चुन लिया जाता है।

प्रशिक्षण-शुल्क—प्रशिक्षण के दौरान 92 रु० मासिक शुल्क लिया जाता है। इसके लिये 950 रु० की रकम इकट्ठी जमा करानी पड़ती है। इस रकम में वर्दी तथा equipment की कीमत सम्मिलित रहती है।

Trainingship में प्रवेश के लिये 1 रु० 50 पैसे का Crossed Postal Order भेजकर निम्न पते से फार्म मँगवाया जा सकता है।

The Captain Superintendent, Trainingship "Dufferin" Off., Mazgaon Pier, Bombay-10.

इस फार्म को भर कर 10 रु० के Crossed Postal Order के रूप में परीक्षा-शुल्क के साथ पूर्वलिखित पते पर जमा करा देना चाहिए।

प्रशिक्षण के उपरान्त

प्रशिक्षण में सफल Cadets को 3 वर्ष के लिये Apprentices at Sea नियुक्त किया जाता है। Apprenticeship में सफल होने पर उम्मीदवारों को Transport of Commmunicaion Ministry से Certificate of Competency as Second Mate मिलता है। थोड़ा अनुभव प्राप्त होने पर उन्हें Merchant Navy में अधिकारी नियुक्त किया जाता है। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ उन्हें क्रमशः 'Certificate of Competency as Mate' और 'Certificate of Competency as Master' के प्रमाणपत्र मिल जाते हैं।

'Certificate of Competency as Master' का प्रमाणपत्र प्राप्त व्यक्ति धीरे-धीरे उन्नति करता हुआ जहाज के Captain का पद भी प्राप्त कर सकता है।

भारतीय स्थल सेना में कुछ अन्य नौकरियां तथा प्रशिक्षण

स्थल सेना की उपर्युक्त नौकरियों के अतिरिक्त कुछ अन्य नौकरियाँ भी मिल सकती हैं। इनमें से प्रमुख हैं :—

(i) Territorial Army की नौकरियां, (ii) Territorial Army में कमीशन, (iii) Army Medical Corps।

(i) प्रादेशिक सेना (Territorial Army)—यह सेना उन व्यक्तियों का संगठन है, जो विभिन्न व्यवसायों में कार्य करते हुए भी अवकाश के समय में देश की सुरक्षा-शक्ति को सुदृढ़ बनाने के लिये फौजी प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे व्यक्तियों को आवश्यकता

(Emergency) में सैनिकों के रूप में कार्य करना पड सकता है। प्रादेशिक सेना के सैनिकों को पेशेवर सैनिकों की भाँति नियमानुसार वेतन तथा भत्ते मिलते हैं।

प्रादेशिक सेना के तीन प्रमुख भाग हैं :—

1. Provincial Units. 2. Urban Units. 3. Railway & P. & T. Units.

Railway & P. & T Units मे केवल सम्बन्धित विभागों के कर्मचारी ही लिये जाते हैं।

प्रादेशिक सेना के सैनिकों को दो प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है : (i) Recruit Training और (ii) Annual Training। Recruit Training सैनिको को दी जाने वाली आरम्भिक ट्रेनिंग को कहते हैं। Annual Training नियमित सेना के साथ अथवा प्रादेशिक सेना के स्कूलों मे प्रदान की जाती है।

प्रादेशिक सेना के विभिन्न भागों की प्रशिक्षण-अवधि अलग-अलग है :

Provincial Units के लिये Recruitment Training—प्रथम वर्ष लगातार तीस दिन।

Annual Training—प्रतिवर्ष लगातार 2 माह तक।

Urban Units के लिये Recruitment Training—प्रथम वर्ष 32 दिन की ट्रेनिंग (इन 32 दिनों में 4 से लेकर 14 दिन का कैम्प भी लगाया जाता)।

Annual Training—प्रतिवर्ष 36 से 60 दिन तक।

Railway & P. & T. Units के लिये प्रत्येक वर्ष लगातार 30 दिन तक ट्रेनिंग दी जाती है।

लाभ तथा सुविधाएँ—प्रादेशिक सेना के सनिकों को वर्दी निःशुल्क मिलती है। उन्हें नियमानुसार भत्ते तथा वेतन भी मिलता है। On Duty यात्रा में उन्हें अन्य सैनिकों के समान

रियायतें दी जाती हैं। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें Military Service के लिये बुलाया जा सकता है, परन्तु उनकी दूसरी नौकरी भी सुरक्षित रहती है।

प्रादेशिक सेना में 3 वर्ष तक सेवा कर चुके व्यक्तियों को सेना में स्थाई रूप से नौकरी करने का अवसर मिल सकता है। आगे भी उन्नति का अवसर रहता है।

Post Commission Training

प्रादेशिक सेना की Infantry या Artillery या Signals Units में Commission Rank प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के लिये 3 वर्ष के अन्दर 75 दिन की लगातार Post Commission Training लेना आवश्यक होता है।

प्रादेशिक सेना में भर्ती होने के विषय में विस्तृत जानकारी निम्नलिखित स्थानों से प्राप्त की जा सकती है :—

(i) Military Recruiting Centre. (ii) Territorial Army Unit. *(iii) Army Headquarters D.H.Q, New* Delhi-11.

प्रादेशिक सेना में कमीशन—(क) कमीशन आफिसर्ज के लिये आवश्यक योग्यता :—

(i) Signal Units में कमीशन प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को Radio और Signal Communication का अच्छा ज्ञान होना आवश्यक है। (ii) Electrical, Mechanical या Engineering Units में कमीशन प्राप्त करने के लिये A.M.I.E. या A.M.I. Mechanical या E.A.M.I. Elec. E. में कोई एक योग्यता होना आवश्यक है। (iii) Medical Units में Commission Rank प्राप्त करने के इच्छुकों का चिकित्सा-विज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। *(iv) Non-technical* Services के लये कम-से-कम योग्यता मैट्रिक पास है।

प्रादेशिक सेना में Medical Units में कमीशन के लिये जिन व्यक्तियों को चुना जाता है, उन्हें सीधा Lieutenant लगाया जाता है। अन्य Units मे कमीशन के लिये चुने गये उम्मीदवारो को Second Lieutenant के पद पर नियुक्त किया जाता है। इस प्रकार कमीशन प्राप्त व्यक्ति आगे उन्नति कर ऊँचे पद प्राप्त कर सकते हैं।

आवश्यक जानकारी के लिये निम्नलिखित पतों से सम्पर्क स्थापित करें :—

(i) Nearest Military Recruiting Centre. (ii) Army Headquarters, D.H.Q., New Delhi-11.

(ख) जूनियर कमीशन ऑफिसर्ज के लिये—प्रादेशिक सेना में J.C.O.'s की भर्ती के लिये भूतपूर्व फौजियो (Ex-Servicemen) को पूर्वाधिकार दिया जाता है। Signal Corps, EME Corps और Engineering Corps के लिये ऐसे Civilians को भी चुना जा सकता है जिनके पास इन Units में काम करने के लिये आवश्यक टैक्निकल योग्यता है। जिन Civilians के पास N.C.C. का Proficiency Certificate 'C' होता है वे प्रादेशिक सेना की Non-technical Units में T.C.O's *Commission के लिये भी चुने जा सकते हैं।*

(ग) स्थाई नियमित कमीशन (Permanent Regular Commission) के लिये—Permanent Regular Commission के लिये रिक्त स्थानों में प्रादेशिक सेना के J.C.O.'s

अफ़सर रह चुके हों, सीधा Emergency Commission Rank भी प्रदान किया जाने लगा है।

इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिये निम्नलिखित पतों पर पत्र-व्यवहार करें :—

(i) Territorial Army Unit. (ii) Army Headquarters, D.H.Q., New Delhi-11. (iii) Recruiting Office, 16 Elgin Road, Delhi-6.

(घ) अस्थायी अल्पावधि कमीशन (Provincial Short Service Commission)—इस योजना द्वारा अधिकृत तकनीकी संस्थाओं के अन्तिम वर्ष में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें अस्थायी कमीशन दिये जाते हैं।

आवश्यक योग्यता—भारतीय प्रतिरक्षा सेवाओं के तकनीकी विभागों के लिये वे उम्मीदवार आवेदनपत्र भेज सकते हैं जो किसी अधिकृत संस्था में Electrical या Mechanical Engineering के अन्तिम वर्ष में हों।

आयु—18 वर्ष से 28 वर्ष।

University Entry Scheme के अन्तर्गत उम्मीदवार संस्था के Principal के द्वारा आवेदनपत्र भेज सकते हैं। विभिन्न उम्मीदवारों का उनकी अपनी संस्थाओं में ही Board of Officers के द्वारा Interview लिया जाता है। अन्तिम चयन Headquarters द्वारा होता है। अन्तिम चयन के पश्चात उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा होती है।

वेतन—कमीशन प्राप्त करने पर जिन उम्मीदवारों की नियुक्ति Pilot Officers के रूप में हो जाती है, उन्हें 400 रु० मासिक आय मिलती है।

University Entry Scheme के अन्तर्गत कमीशन प्राप्त करने वाले छात्रों को, डिग्री प्राप्त करने पर छः माह का विशेष

प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण में सफल होने पर उन्हें सेना के तकनीकी विभागों में स्थाई कमीशन दे दिया जाता है।

अन्य आवश्यक जानकारी निम्नलिखित पतों से प्राप्त करें :—

(i) University Employment and Vocational Guidance Bureau. (ii) Recruiting Officer, Recruiting Office, 16 Elgin Road, Delhi-6. (iii) Army Headquarters, D H Q., New Delhi-11.

अन्य प्रतिरक्षा सेवाएँ और प्रशिक्षण

भारतीय सेना मे कई अन्य कोर्सों में भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इनको दो श्रेणियो मे बाँटा जा सकता है :—

(क) प्रथम श्रेणी—1. Block Inspectors. 2. Way Inspectors. 3. Surveyers. 4. Traffic Operators 5. Draughtsmen 6 Drivers.

(ख) द्वितीय श्रेणी— 1. Wireless Operators 2. Keyboard Operators 3. Radio Mechanics. 4. Telegraph Mechanics.

प्रथम श्रेणी की नौकरियों के लिये निम्नलिखित स्थानो पर प्रशिक्षण दिया जाता है :—

(i) Bombay Engineering Group, Kirkee. (ii) Madras Engineering Group, Bangalore. (iii) Bengal Engineering Group, Roorkee (U.P.).

इन कोर्सों मे प्रवेश के लिये आवश्यक योग्यताएँ, आयु आदि के विषय में पूर्ण जानकारी उपर्युक्त स्थानों के अतिरिक्त आपके निकटवर्ती 'फौजी भर्ती के दफ्तर' व निम्नलिखित पते से भी प्राप्त की जा सकती है :—

Military Recruiting Centre, Near Red Fort, Delhi-6.

द्वितीय श्रेणी की नौकरियों के लिये प्रशिक्षण निम्नलिखित स्थान पर दिया जाता है :—

Signal Training Centre, Jabalpore.

निकटवर्ती 'फ़ौजी भर्ती के दफ़्तर' तथा उपर्युक्त संस्था के Office-in-Charge से सभी प्रकार की आवश्यक जानकारी मिल सकती है।

प्रतिरक्षा मन्त्रालय में नौकरियाँ

प्रतिरक्षा मन्त्रालय में निम्नलिखित नौकरियाँ भी मिल सकती हैं :—

(a) Senior Scientific Officer, Grade I. (b) Senior Scientific Officer, Grade II. (c) Junior Scientific Officer.

आयु-सीमा—(a) 45 वर्ष; (b) 35 वर्ष; (c) 30 वर्ष।

आवश्यक योग्यता—(a) MSc. (II Division) with Organic Chemistry, पाँच वर्ष का अध्यापन अथवा शोध-कार्य (Research) का अनुभव। (b) MSc. या समकक्ष डिग्री। (c) MSc. या समकक्ष डिग्री।

वेतन—(a) 700-50-1250 रु० मासिक। (b) 400-40-800-50-950 रु० मासिक। (c) 350-25-500-30-590 EB. 30-830-35-900 रु० मासिक।

अन्य सभी प्रकार की पूछताछ के लिये निम्नलिखित पते पर पत्र-व्यवहार करें :—

Research and Development Organization, Ministry of Defence, South Block, New Delhi-11.

National Defence Academy Exam.

यह परीक्षा स्थल, वायु तथा नौ सेनाओं के लिये सम्मिलित

रूप से जून तथा दिसम्बर में Union Public Service Commission द्वारा अहमदाबाद, बंगलौर, इलाहाबाद, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, हैदराबाद, पटना, शिलाग, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम, जयपुर, मद्रास, नागपुर तथा पटियाला में ली जाती है।

परीक्षा-शुल्क 37 रु० 50 पैसे है। एक रुपया मनीआर्डर द्वारा भेजकर निम्नलिखित पते से निर्धारित आवेदनपत्र मँगवाया जा सकता है:—

The Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-11.

आवश्यक शैक्षणिक योग्यता—Matric या समकक्ष परीक्षा पास।

आयु—16 से 17½ वर्ष के बीच।

लिखित परीक्षा मे सफल उम्मीदवारो को Services Selection Board के सामने Interview के लिये उपस्थित होना पड़ता है।

प्रशिक्षण—अन्तिम रूप से सफल उम्मीदवारों को 3 वर्ष के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है सफलतापूर्वक प्रशिक्षण की समाप्ति पर उनमें से 'भारतीय प्रतिरक्षा सेवा' के लिये *Commissioned Officer* चुन लिये जाते हैं।

उपर्युक्त परीक्षा के विषय मे समय-समय पर विज्ञापन निकलते रहते हैं। उनमे आवश्यक जानकारी दी रहती है। विस्तृत जानकारी *U.P.S.C.* से प्राप्त की जा सकती है।

शोध-कार्य की सुविधाएँ

Defence Research Laboratories में रिसर्च के लिये प्रतिरक्षा मन्त्रालय द्वारा सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं।

आवश्यक योग्यता—ये सुविधाएँ बम्बई, आगरा या आन्ध्र विश्वविद्यालय के Research Scholars को उपलब्ध हो सकती हैं ।

MSc., Ph.D. आदि के लिये शोध करने के लिये सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं । Senior Fellowship Scheme के अन्तर्गत 400 रुपये मासिक तथा Junior Fellowship Scheme के अन्तर्गत 250 रुपये मासिक वृत्ति (Stipend) दी जाती है ।

इस विषय में पूर्ण जानकारी प्रकाशित विज्ञापनों से तथा निम्नलिखित स्थानों से प्राप्त हो सकती है :

(i) Defence Research Laboratory, Delhi.

(ii) Defence Research Laboratory, Kanpur (U.P.)

अध्याय ४

ट्रेनिंग एवं अप्रेन्टिसशिप
(Training & Apprenticeship)

आगामी पृष्ठों मे कुछ प्रमुख व्यवसायो, कारखानों, उद्योगों तथा सरकार द्वारा दियें जाने वाले प्रशिक्षण का विवरण दिया जा रहा है ताकि आपको भारत के विभिन्न राज्यो में उपलब्ध ट्रेनिंग-स्कीम्ज का पता लग सके। इस अध्याय में कहीं-कहीं ऊँची डिग्री प्राप्त लोगों को दी जाने वाली ट्रेनिंग का ज़िक्र भी आया है किन्तु मुख्यतः उन्ही योजनाओं का ज़िक्र किया गया है जो मैट्रिक अथवा इण्टर पास लोगों के लिए विशेष उपयोगी हैं।

Alembic Chemical Works Ltd., Sarabhai Chemicals Ltd., Jyoti Ltd., आदि कम्पनियाँ बड़ौदा में Chemical Industry में नौकरियों तथा अप्रेन्टिसिज़ के लिये प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करती हैं।

Associated Electrical Industries Mfg. Co. Pvt. Ltd., Calcutta

इस कम्पनी में दो प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं—

(i) School Apprenticeship—यह चार वर्ष का सर्टीफिकेट कोर्स है। यह जून-जुलाई में ,, है।

प्रशिक्षण के चार वर्षों में क्रमशः 55, 65, 80 और 100 रु० मासिक के हिसाब से stipend दिया जाता है।

(ii) Graduate Apprenticeship—यह दो वर्ष का कोर्स अक्तूबर-नवम्बर में आरम्भ किया जाता है। प्रथम वर्ष में 142 रु० मासिक और दूसरे वर्ष में 158 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

The Britannia Engineering Co. Ltd., Calcutta

Inspectors' Training Scheme—यह I.Sc. पास विद्यार्थियों के लिए एक वर्ष का प्रशिक्षण-कोर्स है। 65 रु० मासिक stipend दिया जाता है। B.S.c. की डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों को 75 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

Graduate Engineers Training Scheme—यह दो-वर्षीय कोर्स जुलाई में आरम्भ होता है। प्रथम श्रेणी के स्नातकों को प्रशिक्षण के प्रथम वर्ष में 400 रु० मासिक और दूसरे वर्ष में 450 रु० मासिक मिलते हैं। द्वितीय श्रेणी के स्नातकों को प्रथम वर्ष में 250 रु० मासिक और दूसरे वर्ष में 400 रु० मासिक मिलते हैं।

Braithewaite & Co. (India) Ltd., Calcutta

Engineering Apprenticeship Scheme—यह चार-वर्षीय कोर्स है। आवश्यक शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक अथवा I.Sc. है। प्रशिक्षण के बाद डिप्लोमा या राष्ट्रीय प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है। मैट्रिक पास उम्मीदवारों को 110 रु० मासिक stipend मिलता है। इण्टर पास उम्मीदवारों को 120 रु० से 140 रु० मासिक मिलते हैं।

The Central Small Industries Organisation

लघु उद्योग सेवा संस्थान तथा आगरा के शाखा संस्थान द्वारा 'Business Management' में लघु उद्योगो से सम्बन्धित प्रदेश सरकारों के अधिकारियो के लिए प्रबन्ध-कार्य का प्रशिक्षण दिया जाता है।

Calcutta Tramways Company Ltd. Calcutta

कलकत्ता ट्रामवेज कम्पनी तीन प्रकार के कोर्सों में प्रशिक्षण देती है—

1. 'A' श्रेणी का कोर्स—इंजीनियरिंग कालिजों द्वारा नामजद उम्मीदवारों को 6 माह से एक वर्ष तक नानकपुरा वर्कशाप, 183, लोअर सर्कुलर रोड, कलकत्ता मे प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेनिंग के पश्चात् उन्हें डिग्री या डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण-काल मे वजीफा भी दिया जाता है।

2. 'B' श्रेणी का कोर्स—यह I.Sc. पास उम्मीदवारों के लिए पांच वर्ष का डिप्लोमा कोर्स है। इसके लिये प्रशिक्षण उपर्युक्त वर्कशाप मे हर वर्ष जुलाई में आरम्भ होता है। प्रथम वर्ष मे 25 रुपये मासिक, दूसरे वर्ष में 30 रुपये मासिक, तीसरे वर्ष में 35 रुपये मासिक, चौथे मे 40 रु० और पांचवें मे 45 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

3. 'C' श्रेणी का कोर्स—यह Trade मे पांच वर्ष का सर्टीफिकेट कोर्स है। 25 रुपये से लेकर 30 रुपये मासिक तक stipend दिया जाता है।

Engineering Association of India
Exchange Place, Calcutta

M/s. Akock, Ashdown & Co. Ltd., Bomba द्वारा 15 से 21 वर्ष तक के मैट्रिक पास उम्मीदवारों को पाँच वर्ष के लिए Engineer Apprenticeship में ट्रेनिंग दी जाती है। वर्ष में दो बार प्रथम जनवरी और प्रथम जुलाई से प्रशिक्षण आरम्भ होता है।

M/s. Britannia Engineering Co., Titanagar द्वारा Trades में तीन-वर्षीय Apprentice Certificate Course के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है। 40 रुपये मासिक वृत्ति दी जाती है।

Guest, Keen, Williams Limited, Calcutta

निम्नलिखित चार कोर्स जुलाई में आरम्भ होते हैं :—

(i) Operator Training.
(ii) Engineering Apprenticeship.
(iii) Engineering Trainee Scheme.
(iv) Trade Apprenticeship.

प्रशिक्षण की अवधि 2 से 5 वर्ष तक है। प्रशिक्षण के उपरान्त डिप्लोमा या सर्टीफिकेट प्रदान किया जाता है।

उपरिलिखित कोर्सों के लिए stipends इस हिसाब से दिये जाते हैं :—

(i) 75 रु० मासिक।
(ii) 75—80 रु० मासिक।
(iii) 80—90 रु० मासिक।
(iv) 300—350 रु० मासिक।

M/s Hindustan Motors Ltd., Calcutta

हिन्दुस्तान मोटर्स लि०, उत्तरपड द्वारा इन्जीनियरिंग मे स्नातकों को Apprenticeship के लिये भर्ती किया जाता है। इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को भी अवकाश मे Apprentices नियुक्त किया जाता है। Electrical/Mechanical इन्जीनियरिंग के विद्यार्थियो को राष्ट्रीय प्रमाणपत्र अथवा डिप्लोमा कोर्सों के लिये व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

Operative Apprentices—मशीन-शॉप आपरेटर्स के लिये भी प्रशिक्षण दिया जाता है। Stipend एक रुपया दिन के हिसाब मे मिलता है।

Handmade Paper Industry
(हस्तनिर्मित कागज उद्योग)

होशियारपुर, पूना, नडिया, मदुराई, ईरन्दोल, चिराकाल, गाधीग्राम, हैदराबाद और जलाक मे निम्नलिखित कोर्सों के लिये प्रशिक्षण-केन्द्र हैं :—

कोर्स	अवधि	आरम्भ	भत्ता (stipend)
1. Operative course	12 माह	1 जुलाई	50 रु० मासिक
2. Higher course	12 माह	1 जुलाई	75 रु० मासिक
3. Artisan course	3 माह		35 रु० मासिक
4. Teacher's course	ग्रीष्म अवकाश मे 1 माह		

M/s Hindustan Shipyard Private Ltd., Visakhapatnam

16 से 20 वर्ष की आयु के मैट्रिक पास प्रशिक्षार्थियों
विभिन्न व्यवसायों में 4 वर्ष के प्रशिक्षण के लिये चुना जाता है
जो उम्मीदवार आई० टी० आई० से प्रशिक्षण प्राप्त हैं, उनके लि
इस प्रशिक्षण की अवधि $2\frac{1}{2}$ वर्ष है ।

प्रशिक्षण-काल में 50 रु० से 65 रु० मासिक तक stipen
दिया जाता है।

The Hyderabad Allwyn Metal Works Ltd., Hyderabad

इंजीनियरिंग में डिग्री और डिप्लोमा होल्डर्स को एक से द
वर्ष की अप्रेण्टिसशिप के उपरान्त नौकरियाँ प्रदान की जाती हैं
अप्रेण्टिसशिप के दौरान उन्हें stipend मिलता है ।

मैट्रिक पास तथा कम पढ़े व्यक्तियों को stipend सहि
अथवा stipend के बिना अप्रेण्टिसशिप के लिये चुना जाता है।

Indian Iron and Steel Co. Ltd., Calcutta

1. Supervisor Training Scheme—यह तीन-वर्षीय
कोर्स जूनियर सुपरवाइजरी स्थानों के लिये मार्च-अप्रल में आरम्भ
किया जाता है। उम्मीदवार का विवाहित होना आवश्यक है।
विज्ञान में स्नातकों तथा इंजीनियरिंग और मैटलर्जी में डिप्लोमा-
होल्डर्स को प्रशिक्षण दिया जाता है।

आयु— 20 से 25 वर्ष ।

सुविधाएँ—आवास, वर्दी तथा डाक्टरी सुविधाएँ निःशुल्क
प्रदान की जाती हैं। 100–25–150 रु० मासिक के ग्रड में
stipend भी दिया जाता है।

2. Operators Training Secheme—अप्रैल-मई से चार-वर्षीय प्रशिक्षण आरंभ होता है।

आवश्यक योग्यता—मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास।

सुविधाएँ—आवास, वर्दी तथा डाक्टरी सुविधाओं के अतिरिक्त 40–45–50–60 रु० के हिसाब से प्रशिक्षण-काल में मासिक *stipend* प्रदान किया जाता है।

Information & Broadcasting Ministry

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा Staff Training School AIR, आकाशवाणी भवन, पार्लियामेंन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली के माध्यम से Radio Announcers, Staff Artists आदि के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकांश विद्यार्थियों को कुछ-न कुछ आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

फिल्म इन्स्टीच्यूट ऑफ इण्डिया, पूना

कोर्स	अवधि	आवश्यक शैक्षणिक योग्यता	आरम्भ
1. Film Direction-cum-Script-Writing.	3 वर्ष	स्नातक	20 जुलाई
2. Motion Picture Photography.	3 वर्ष	F.Sc.	"
3. Sound Recording & Sound Engineering.	3 वर्ष	फ़िज़िक्स के साथ इण्टर	"
4. Film Editing.	2 वर्ष	इण्टर	"

Indian Telephone Industries, Bangalore

इंजीनियरिंग में स्नातकों को Factory Apprentice Grade 'A' का एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हें Technical Assistant 'A' नियुक्त किया जाता है। प्रशिक्षार्थियों को 150 रु० मासिक भत्ता और महँगाई भत्ता दिया जाता है। इंजीनियरिंग में डिप्लोमा होल्डर्स को 2 वर्ष के प्रशिक्षण के पश्चात् Supervisor अथवा Technical Assistants(B) के रूप में नियुक्त किया जाता है। Stipend 115 रु० मासिक और महँगाई भत्ता दिया जाता है। मैट्रिक पास व्यक्ति जो छः मास नौकरी कर चुके हैं, 3 वर्ष के प्रशिक्षण के उपरान्त Skilled Operators लगाये जाते हैं। 85 रु० से 110 रु० तक stipend और महँगाई भत्ता दिया जाता है।

शिक्षा मन्त्रालय, दक्षिण क्षेत्र, मद्रास के 'A' पौर 'B' दर्जे के भारत सरकार के अप्रेण्टिसिज को क्रमशः एक और दो वर्ष के प्रशिक्षण के लिये चुना जाता है। उन्हें प्रशिक्षण-काल में क्रमशः 150 रु० और 100 रु० मासिक दिये जाते हैं।

18 से 21 वर्ष तक मिडल पास उम्मीदवारों को 1 वर्ष का Learners का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें 70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता मिलता है।

Trade Apprenticeship Scheme—भारत सरकार के शिमला, नई दिल्ली, कलकत्ता, अलीगढ़ और गंगटोक के छापाखानों में छपाई-कार्यों के लिये प्रशिक्षार्थी चुने जाते हैं। उन्हें 25 से रु० से 40 रु० तक मासिक stipend दिया जाता है।

The Jamshedpur Technical Institute
Tata Iron and Steel Co. Ltd.

टाटा आयरन और स्टील कं० लिमिटेड की जमशेदपुर

टैक्निकल इन्स्टीट्यूट में निम्नलिखित कोर्स उपलब्ध हैं—

Bench Fitter—यह एक-वर्षीय कोर्स परिगणित जातियों के लिए सुरक्षित है। 2 रु० 25 पै० प्रतिदिन के हिसाब से stipend दिया जाता है।

Artisan Trainees—यह दो-वर्षीय सर्टीफिकेट कोर्स है। Stipend 2 रु० 25 पै० प्रतिदिन से लेकर 3 रु० प्रतिदिन तक दिया जाता है।

Mason Training—यह भी दो वर्ष का सर्टीफिकेट कोर्स है। Stipend, Artisan Trainees के समान दिया जाता है।

Technical Probationers—इस सर्टीफिकेट कोर्स की अवधि पांच वर्ष है। Stipend 7 रु० 25 पै० से लेकर 8 रु० 37 पै० प्रतिदिन तक दिया जाता है।

Vacation Training—इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को छुट्टियों मे छः माह तक प्रशिक्षण दिया जाता है।

Graduate Engineering Training—यह Advanced Mechanical Elcetrical/Metallurgical Engg. मे दो वर्ष का डिप्लोमा कोर्स है। उम्मीदवारो को प्रशिक्षण-काल मे 300-50-350 रु० मासिक वृत्ति (stipend) दी जाती है।

सैनिटरी इन्स्पैक्टर का कोर्स—विद्या भवन ग्रामीण संस्थान, उदयपुर और गांधीग्राम ग्रामीण सस्थान, गांधीग्राम, जिला मदुराई में 1 वर्ष का सर्टीफिकेट कोर्स उपलब्ध है। पहले सस्थान में पांच रुपए मासिक और दूसरे में 147 रुपए वार्षिक शुल्क लिया जाता है। फोर्ड फाउण्डेशन द्वारा प्रत्येक शिक्षार्थी को 40 रु० मासिक दिया जाता है।

अध्यापकों के लिए दृश्य-श्रव्य तरीकों में प्रशिक्षण—दृश्य-श्रव्य (Audio-visual) शिक्षा के राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली में 3 मास का सर्टीफिकेट कोर्स उपलब्ध है। प्रशिक्षार्थियों को 100 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

लेडी रीडिंग हैल्थ स्कूल—इसमें 17 वर्ष से ऊपर मैट्रिक पास व्यक्तियों को Mid-wifery और Health Visiting में ढाई वर्ष का संगठित प्रशिक्षण दिया जाता है। शिक्षार्थियों को पचास रुपए मासिक stipend दिया जाता है। उम्मीदवारों का तीन वर्ष के लिए सरकारी नौकरी करना आवश्यक है। स्नातक नर्सों के लिए 10 माह का नागरिक स्वास्थ्य नर्सिंग कोर्स भी उपलब्ध है। प्रशिक्षार्थियों को 150 रु० मासिक stipend के रुपए में मिलते हैं। उनके लिए तीन वर्ष सरकारी नौकरी करना आवश्यक है।

Auxiliary Nurse/Midwife Course—सातवां दर्जा पास, 17 वर्ष से ऊपर उम्मीदवारों को अस्पतालों में दो वर्ष के प्रशिक्षण-कोर्स के लिए चुना जाता है। इनके लिए आवास का निःशुल्क प्रबन्ध होता है। उन्हें पचास रु० मासिक stipend भी दिया जाता है।

M/s Kirlosk Bros. Ltd., Kirloskar-wadi., Distt. Sangh

विभिन्न व्यवसायों में तीन वर्ष की अप्रेण्टिसिज़ ट्रेनिंग दी जाती है। मासिक भत्ता (Stipend) प्रशिक्षण के क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्षों में 55 रुपये, 60 रुपये और 70 रुपये मासिक दिया जाता है।

M/s Kirloskar Oil Engines Ltd, Satara

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा नामजाद उम्मीदवारों को छः माह के लिए स्थिर-मन्त्र प्रशिक्षण (Plant Training) दिया जाता है। दो रुपये मैनीस पैसे प्रतिदिन के हिसाब से stipend दिया जाता है। गृह-उद्योगों द्वारा मनोनीत प्रशिक्षार्थियों के लिये यह ट्रेनिंग 9 माह की है। उन्हें प्रदेश सरकार से stipend मिलता है। मैट्रिक पास उम्मीदवारों को एक वर्ष के प्रशिक्षण के लिये चुना जाता है। उन्हें 7·37 रु० प्रतिदिन stipend मिलता है।

मकैनिकल इंजीनियरिंग में स्नातकों और डिप्लोमा-होल्डर्स को एक वर्ष के प्रशिक्षण-काल में क्रमशः 250 रु० और 150 रु० मासिक दिये जाते हैं। विज्ञान में स्नातकों को 2½ वर्ष के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें 125 रु० से 150 रु० मासिक तक stipend दिया जाता है।

Khadi and Village Industries Commission, Bombay

बलरामपुर (बंगाल), पालघाट (केरल), चित्रगा (मैसूर), टी-कालूगति (बिहार), सेसबेला (मध्य प्रदेश), मधुबनी, पटना, रानीपत्त (बिहार), समालाना और राजपुरा (पंजाब), मेवापुरी (उ० प्र०), शिवदासपुर (राजस्थान), टीरूपुर और बीरापण्डी (मद्रास), अहमदाबाद (गुजरात) और नासिक (महाराष्ट्र) में स्थित खादी ग्रामोद्योग विद्यालय मैट्रिक पास व्यक्तियों को 1½ वर्ष के कोर्स के लिये चुनते हैं। प्रशिक्षण-काल को इस प्रकार बाँटा जाता है—

खादी ग्रामोद्योग प्रवेश	4 माह
के० जी० कार्य का	11 माह
फील्ड ट्रेनिंग	3 माह

प्रशिक्षार्थियों को 45 रुपये मासिक भत्ता (Allowance) दिया जाता है। छः माह का अल्पावधि कोर्स भी उपलब्ध है। इस कोर्स के प्रशिक्षार्थियों को 30 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

अम्बर प्रशिक्षण —20 अम्बर कार्यकर्ता विद्यालयों, सात मिस्त्री विद्यालयों और छः बुनाई विद्यालयों द्वारा 18 और 45 वर्ष के बीच मट्रिक पास व्यक्तियों को निम्नलिखित कोर्सों के लिये प्रवेश दिया जाता है—

कोर्स	अवधि	भत्ता (stipend)
अम्बर कार्यकर्त्ता	9 माह	45 रु० मासिक
अम्बर मिस्त्री कोर्स	6 ,,	75 रु० ,,
अम्बर वंकर कोर्स	3 ,,	75 रु० ,,
अम्बर कारीगर कोर्स	3 ,,	20 रु० ,,
अम्बर शिविर कोर्स	1 ,,	1 रु० 50 पैसे प्रतिदिन

नई दिल्ली, बेंगलौर और हैदराबाद के प्रशिक्षण-केन्द्रों में Salesmanship में छः माह के लिये प्रशिक्षण और Refresher Course में दो माह के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है। 65 रु० मासिक भत्ता दिया जाता है। बोरीवली (बम्बई) और मोंगुर (बिहार) में ग्रामसहायक के लिये 12 मास और ग्राम-कार्यकर्त्ता के लिये 2 माह के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

Regional Planning Institute, Sevagram, Wardha में स्नातक अध्यापकों को ग्राम सहायक प्रशिक्षार्थियों के शिक्षक-पद के लिये छः माह की ट्रेनिंग दी जाती है। तृतीय दर्जे का यात्रा-भत्ता और 45 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

मुजफ्फरनगर, मदुराई, अहमदाबाद, जयपुर, इलाहाबाद आदि के प्रशिक्षण-केन्द्रों में ग्राम तेल उद्योग के लिये एक वर्ष का इन्स्पैक्टर कोर्स, तीन माह का मिस्त्री कोर्स और एक माह का तेली का कोर्स उपलब्ध है। इन्स्पैक्टर, मिस्त्री और तेली के कोर्सों के प्रशिक्षार्थियों को क्रमश 50 रु०, 75 रुपए और 35 रु० मासिक भत्ता (stipend) दिया जाता है।

मंगलौर, पटना, कुनमकुलम, बलरामपुर, टी-कालूपत्ति, शिलाग, कल्यानस्कोवर, कटक, जालन्धर, अमरावती, जयपुर, सूरत, उज्जैन, कानपुर और धहानु में ताड के गुड के प्रशिक्षण-केन्द्र हैं।

महाबलेश्वर के प्रशिक्षण विद्यालय मे इण्टर साईंस पास प्रशिक्षणार्थियों को छः मास के लिये मधुमक्खी पालन उद्योग में Apiarist Course मे प्रवेश दिया जाता है। साठ रु० मासिक भत्ता दिया जाता है। Regional Training Institute, T. Kallupati (Madras) and Udipi (Mysore) में तीन माह का Advanced Course भी उपलब्ध है।

चमड़ा उद्योग—बोरिवली, रामनाड, नडियाद मे साधारण पढ़े-लिखे व्यक्तियों को Flaying आदि में प्रशिक्षण देने के लिये केन्द्र हैं। 45 रु० मासिक stipend दिया जाता है। बोरिवली, देवास, वर्धा, वाराणसी, जयपुर, नलगोन्डा, सागरपुर, गलुर, आदमपुर और मदुराई के प्रशिक्षण-केन्द्र मैट्रिक पास प्रशिक्षार्थियों को ग्राम प्रशिक्षण कोर्स में एक वर्ष का प्रशिक्षण देते हैं। उम्मीदवारों को 45 रु० मासिक वृत्ति (stipend) दी जाती है।

गृह तीली उद्योग—सुरेपुर (प० बंगाल) मे प्रशिक्षण-केन्द्र 4 माह के लिये प्रशिक्षण देता है। स्नातकों को 60 रु० मासिक

और मैट्रिक पास प्रशिक्षार्थियों को 40 रु० मासिक stipend के रूप में दिये जाते हैं।

ग्राम कुम्हारगीरी (Village Pottery)—बेलगाम, मेरट, चन्दा, कोजीकोड, सोरठ और सन्थाल परगना के प्रशिक्षण-केन्द्रों में यह कोर्स उपलब्ध है। प्रशिक्षणार्थियों को 45 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

Fibre Industry–जे० ऐम० ऐस० ग्रामोद्योग केन्द्र, धारवार में 6 माह का उच्च तथा 3 माह का प्रारम्भिक कोर्स उपलब्ध है। Stipend 40 रु० मासिक दिया जाता है। प्रशिक्षणार्थियों के घरों और ग्रामों में 15 दिन से लेकर 2 माह के लिये Peripateric Course भी उपलब्ध है। स्त्री प्रशिक्षार्थियों को 15 से 20 रु० मासिक तथा पुरुष प्रशिक्षार्थियों को 30 से 40 रु० मासिक stipend मिलता है।

बुनाई कोर्स—बम्बई, मद्रास, वाराणसी, कलकत्ता में 4 माह का बुनाई कोर्स मिल सकता है। 60 से 75 रु० मासिक तक stipend दिया जाता है। तृतीय दर्जे रेल का आने-जाने का किराया भी दिया जाता है।

कागज की मिलें—टीटागढ़ पेपर मिल्ज में व्यावसायिक Apprentices, Supervisors और Graduate Engineers के लिये पाँच वर्ष की Apprenticeship उपलब्ध है। कागज बनाने के लिये भी अप्रेण्टिसिज लगाये जाते हैं।

जूट उद्योग—जूट मिलों में निरीक्षकों के पद के लिये प्रशिक्षण देने के वास्ते इन्स्टीट्यूट ऑफ जूट टैक्नॉलॉजी में 4 वर्ष का Appren ticeship का कोर्स उपलब्ध है। मासिक stipend भी दिया जाता है।

M/s Larsen and Toubro Ltd. Bombay

Mechanical और Electrical Engineering में स्नातकों को तीन वर्ष के लिए अप्रेण्टिसशिप के लिए चुना जाता है। अप्रेण्टिसशिप के दौरान उन्हे 500–50–650 रु० मासिक के ग्रेड मे stipend दिया जाता है। तीन वर्ष के पश्चात् उन्हे कम्पनी के आफिसर्ज केडर मे नियुक्त किया जाता है।

लोकोमोटिव इन्जीनियरिंग
(Locomotive Engineering)

ब्रश ए० बी० आ० ई० टैक्निकल ट्रेनिंग—ब्रश, ए० बी० ओ० ई० लोंगबरो, लकस्टरशायर, इगलैंड राष्ट्रमण्डल (Common-wealth) के इन्जीनियरिंग स्नातकों को उत्पादन के ढंगों तथा उत्पादित वस्तुओं के अध्ययन में दो वर्ष के प्रशिक्षण के लिये आमन्त्रित करता है। आने-जाने का मार्ग-व्यय, अन्य यात्रा-व्यय तथा प्रशिक्षण के दौरान पारिश्रमिक प्रदान किया किया जाता है।

सैण्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, ट्रफनगड़ बिल्डिंग, मेयरिंग क्रॉस, लन्दन, ऐस० डब्ल्यू० ए० इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए

6 मास 2 वर्ष का प्रशिक्षण देता है। प्रार्थनापत्र मैनेजर के नाम इस पते पर भेजे जाने चाहियें—

चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, बंगाल।

इंगलैण्ड ब्रिटिश लोकोमोटिव मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ ग्रेट ब्रिटेन द्वारा उन मकैनिकल इंजीनियरों के लिये, जिन्हें रेलवे में दो से तीन वर्ष का अनुभव प्राप्त है, एक से डेढ़ वर्ष के लिए इंगलैंड में प्रशिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

दामोदर वैली कॉरपोरेशन, एन्डरसन हाउस, अलीपुर, कलकत्ता—27 में इंजीनियर स्नातकों के लिए प्रशिक्षण की योजना है। रिजनल आफिस, मिनिस्ट्री ऑफ ऐजुकेशन, जी० ओ० आई० 5, एस्प्लेनेड स्ट्रीट, कलकत्ता को प्रार्थनापत्र भेजे जाने चाहिएँ।

फिल्म डिवीजन, भारत सरकार में उन फ़िजिक्स स्नातकों, जिनके पास सिनेमैटोग्राफी का डिप्लोमा हो, के लिये प्रशिक्षण की योजना है। प्रार्थनापत्र इस पते पर भेजे जाने चाहियें।

चीफ प्रोड्यूसर, फिल्म्स डिवीजन। जी० ओ० आई०, 24 पेडार रोड, बम्बई—6।

इंडियन केबल कम्पनी, टाटानगर में इंजीनियरिंग और कैमिस्ट्री में स्नातकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्क्स मैनेजर को प्रार्थनापत्र भेजे जाने चाहियें।

इण्टरनैशनल लेबर आफिस में फैक्टरी में काय करने वालों के लिए टैक्निकल असिस्टेन्स प्रोजेक्ट है। मुख्य सलाहकार, श्रम मन्त्रालय, भारत सरकार के पास नाम पंजीकृत कराये जाने चाहियें।

मेट्रोपोलिटन विकर्स इलेक्ट्रिक कम्पनी, इंगलैंड, इंजीनियरिंग में आनर्स डिग्री प्राप्त स्नातकों को दो वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान करती है।

नेवेली लिगनाइट कारपोरेशन' पालिटैक्नीक डिप्लोमा व इण्डस्ट्रियल स्कूल सर्टीफिकेटप्राप्त प्रार्थियों को माध्यमिक स्तर पर निरीक्षकों और शिल्पकारों की जगह के लिये एक वर्ष का प्रशिक्षण देता है। प्रतिवर्ष जुलाई/अगस्त में प्रशिक्षण नेवेली, साउथ आरकाट, मद्रास मे आरम्भ होता है। प्रशिक्षण-काल मे शिल्पकारों को 2·62 रु० प्रतिदिन तथा निरीक्षकों को 75 रु० मासिक वृत्ति दी जाती है।

स्पेशल ग्रेड अप्रेन्टिसिज़—इन्जीनियरिंग डिग्री कोर्स के अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों को छ माह के प्रशिक्षण के लिए चुना जाता है। प्रशिक्षण प्रतिवर्ष मई मे आरम्भ होता है। प्रशिक्षण-काल में उन्हें 200 रु० मासिक व महँगाई भत्ता दिया जाता है। प्रशिक्षण के पश्चात् उन्हे सैक्शन आफिसर नियुक्त किया जाता है।

मकैनिकल और आटो इन्जीनियरिंग में डिप्लोमा होल्डर्स को ड्रिलर के एक वर्ष के प्रशिक्षण-काल मे 124 रु० मासिक दिया जाता है।

आयल एण्ड नैचुरलगैस कमीशन, ड्रिलिंग असिस्टेन्ट्स के लिये एक वर्ष का प्रशिक्षण देता है। 150 रु० मासिक वृत्ति प्रदान की जाती है। टैक्निकल ट्रेनिंग इस्टीट्यूट, कैम्बे में एक वर्ष के लिए टैक्निशियन्स ट्रेनिंग (आरम्भिक पाठ्यक्रम) दी जाती है।

Non-edible Oils and Soap Industry
(अभक्ष्य तेल और साबुन उद्योग)

अहमदनगर, थाना, अमरावती, भीलवाड़ा, मिदनापुर, बोलरम और मदुराई में जिन कोर्सों में प्रशिक्षण दिया जाता है, उनके केन्द्र हैं :—

कोर्स	अवधि	भत्ता (stipend)
1. Chemist course (बी०एस-सी० केमिस्ट्री) डिग्री प्राप्त प्रशिक्षार्थियों के लिए)	6 माह	65 रु० मासिक
2. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास के लिए अप्रेन्टिस कोर्स	3 माह	45 रु० मासिक
3. स्कूलों के नामजद अध्यापकों के लिए कोर्स	1 माह	45 रु०

National Coal Development Corporation, Ltd.

(1) करयाली, गिरीदीह, कुरसिया, तालचर और भुकुण्डा के Mining Training School में विज्ञान और हिसाब के साथ मैट्रिक पास प्रशिक्षार्थियों को 2½ वर्ष के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षार्थियों की आयु 17 से 22 वर्ष तक हो सकती है। शिल्पकार (Craftsman) का सर्टीफिकेट प्राप्त प्रशिक्षार्थियों को एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के पहले 1½ वर्ष 45 रु० मासिक और अन्तिम वर्ष 60 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

(ii) हिसाब और विज्ञान के साथ मैट्रिक पास उम्मीदवारों को 3½ वर्ष के लिए Mine Overman और Mine Surveyor के प्रशिक्षण के लिए चुना जाता है। प्रशिक्षार्थियों की आयु 18 से 22 वर्ष तक होनी चाहिए। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्ष में 45 रुपये मासिक और शेष अवधि में 63 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

Assistant Surveyor के दो वर्ष प्रशिक्षण के लिए हिसाब और विज्ञान सहित मैट्रिक पास व्यक्तियों को चुना जाता है। उम्मीदवारो की आयु 16 से 18 वर्ष हो सकती है। प्रशिक्षार्थियों को 45 रुपये मासिक stipend दिया जाता है।

(iv) Electrical/Mechanical Engg. मे डिप्लोमा-होल्डर्स को $1\frac{1}{2}$ वर्ष के लिए Supervisory Personnel के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रथम छः महीनो मे 75 रु० मासिक और शेष समय मे 100 मासिक stipend दिया जाता है।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण योजना
(National Training Scheme)

प्रशिक्षण सचालकालय, प्रशिक्षण एव सेवायोजन सचालकालय, श्रम मन्त्रालय के अन्तर्गत शिल्प-शिक्षकों के लिए केन्द्रीय प्रशिक्षण सस्थानों के नाम से कलकत्ता, कानपुर, मद्रास, लुधियाना, हैदराबाद, बम्बई में प्रशिक्षण-केन्द्र स्थापित किये गये हैं। नई दिल्ली में शिल्प शिक्षिकाओं के लिए एक केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्था स्थापित की गई है।

प्रशिक्षण की अवधि 9 मास है।

व्यापारिक धन्धों में प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय परिषद् राष्ट्रीय धन्धा प्रमाणपत्र प्रदान करती है ताकि सारे देश मे समान-स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध हो सके।

प्रवेश के लिये योग्यता—मिडिल पास। ड्राफ्ट्समैन (सिविल और मकैनिकल), सर्वेयर मकैनिक (इन्स्ट्रूमेण्ट, रेडियो, रेफिजरेटर), इलेक्ट्रीशियन, टूलमेकर, वायरलेस ऑपरेटर और डाईफिटर के कोर्सों के लिए 16 से 25 वर्ष की आयु वाले मैट्रिक पास विद्यार्थियों को पूर्वाधिकार दिया जावेगा।

फीस—औद्योगिक प्रशिक्षण-संस्था में प्रशिक्षण के लिए फीस नहीं ली जाती। वर्दी, औजार, लेखन-सामग्री तथा डाक्टरी सहायता भी मुफ्त प्रदान की जाती है। प्रशिक्षणार्थियों के एक-तिहाई भाग को 25 रु० मासिक वृत्ति दी जाती है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 40 रु० मासिक वृत्ति दी जाती है और उद्योगों तथा कारखानों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

तीन वर्ष का अनुभव प्राप्त नौकरीशुदा श्रमिक 2 रु० मासिक फीस पर संध्याकालीन कक्षाओं में प्रवेश के योग्य हैं।

प्रशिक्षण इंजीनियरिंग और इंजीनियरिंगेतर व्यवसायों में दिया जाता है। इंजीनियरिंग व्यवसायों के लिए प्रत्येक 9 माह पश्चात् और इंजीनियरिंगेतर व्यवसायों के लिये प्रतिवर्ष भर्ती की जाती है।

Silk Board, Bombay

Sericulture Training Institute Titasar (Assam) में 2-वर्षीय डिप्लोमा कोर्स और एक-वर्षीय सर्टीफिकेट कोर्स उपलब्ध है। प्रशिक्षार्थियों को 40 रु० मासिक वृत्ति दी जाती है।

Sericulture Training Institute Srinagar में एक वर्ष का सर्टीफिकेट कोर्स उपलब्ध है। प्रशिक्षण पहली दिसम्बर को आरम्भ होता है। प्रशिक्षार्थियों को 50 रु० मासिक वृत्ति दी जाती है।

Sericulture Training Institute Channapatna में भी उपर्युक्त कोर्स उपलब्ध है। स्नातकों को चालीस रुपये मासिक और अन्य प्रशिक्षणार्थियों को पच्चीस रुपये मासिक stipend दिया जाता है।

Sericulture Training Institute, Berhampore द्वारा एक वर्ष के सीनियर कोर्स, एक वर्ष के जूनियर कोर्स तथा छः मास के ग्रेनवर्स (Grainvars) कोर्स के लिए नवम्बर में सिसन आरम्भ होता है। Stipend देने की व्यवस्था नहीं है।

All India Sericultury Training Institute, Mysore द्वारा स्नातकों को एक वर्ष के उच्च कोर्स के लिए तथा अन्य व्यक्तियों को एक वर्ष के निम्न कोर्स के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण अक्तूबर में आरम्भ होता है। Stipend की व्यवस्था नहीं है। जो उम्मीदवार मनोनीत नहीं होते, उनसे दो सौ रुपये वार्षिक शुल्क लिया जाता है।

टाटा लोकोमोटिव एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी, टाटा नगर, बिहार

टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी 24 वर्ष से कम इन्जीनियरिंग और मैटलर्जी में स्नातकों को जमशेदपुर टैक्निकल इन्स्टीट्यूट, जमशेदपुर में प्रशिक्षण देती है।

ट्रैक्टर ट्रेनिंग कोर्स – हैरी फरगुसन आफ इण्डिया लिमिटेड में 8 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फारेस्ट रिसर्च इन्स्टीट्यूट, देहरादून में 3 से 6 माह तक विज्ञान, कैमिस्ट्री तथा इंजीनियरिंग में स्नातकों को टैक्निकल अप्रेन्टिस का प्रशिक्षण दिया जाता है।

इंगलैंड में आटोमैटिक टेलीफोन का प्रशिक्षण—इंगलैंड में पाँच बड़े टेलीफोन-निर्माता इंजीनियरिंग में स्नातकों को एक वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। प्रार्थनापत्र इस पते पर भेजें :—

ऐजमपोर्ट मैनेजर, आटोमैटिक टेलीफोन एण्ड इलेक्ट्रिक कम्पनी लिमिटेड, नोरफोक हाउस, लन्दन, डब्ल्यू०सी० 2.

M/s Voltas Ltd.. Bombay

इंजीनियरिंग में डिग्री और डिप्लोमा होल्डर्स को एक वर्ष के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। इन्हें क्रमशः 150 रु० और 100 रु० मासिक stipend दिया जाता है। हिन्दुस्तान स्टील लि० द्वारा नामजद उम्मीदवारों को 70 रु० मासिक दिया जाता है।

इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा होल्डर्स को एयर-कण्डीशनिंग, रेफ्रिजरेशन, कृषि, निर्माण-साज-सामान आदि में 3 वर्ष के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। Stipend 200-25-250 रु० मासिक ग्रेड में दिया जाता है।

मकैनिक्स (Mechanics) और सर्विसमैन (Serviceman) के लिए 3 वर्ष की Apprenticeship Training उपलब्ध है। प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में क्रमशः 1.50, 2.00 और 2.50 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से stipend दिया जाता है।

गव० पालिटेकनिक कालेज पूना और आई०आई०टी० पूना के विद्यार्थियों को 1-50 रुपए प्रतिदिन stipend के हिसाब से 6 मास शिल्पकार (Craftsman का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

कम्पनी में राष्ट्रीय डिप्लोमा होल्डर्स को 75 रु० मासिक stipend के साथ एक वर्ष का अप्रेण्टिसशिप में प्रशिक्षण उपलब्ध है।

रुड़की विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर (Post-graduate) विद्यार्थियों के लिये 1 वर्ष का अप्रेण्टिसशिप में प्रशिक्षण उपलब्ध है। Stipend कुछ नहीं।

अन्य प्रशिक्षण (Other Trainings)

कृषि विभाग, मैसूर—विश्वेश्वरैया कनाल फार्म, माण्ड्या, मैसूर में कृषि-प्रसार कार्य के अन्तर्गत प्रशिक्षण एवं विकास-योजना के लिए कृषि-शिक्षा में छः मास का प्रशिक्षण दिया जाता है।

आर्डनेन्स फैक्टरीज में 25 वर्ष से कम प्रशिक्षार्थियों को लोक सेवा आयोग संघ के द्वारा सहायक कार्य-प्रबन्धक का प्रशिक्षण दिया जाता है। सम्भाण्ड निर्माण, फैक्टरी प्रबन्ध, प्रशासन तथा श्रम-नियन्त्रण में तीन वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है।

इण्डियन आक्सीजन और एसीटिलीन कम्पनी लि० में 25 वर्ष से कम आयु के विज्ञान-स्नातकों तथा इन्जीनियरिंग में डिग्री अथवा डिप्लोमा होल्डर्स के लिये बिक्री प्रशिक्षण में भर्ती-योजना है।

Tractors (India) Limited, Calcutta

ट्रैक्टर एप्रेन्टिसिज—इस कोर्स की अवधि 3 से 5 वर्ष तक है। यह जुलाई से आरम्भ होता है। Stipend 70-15-100 रु० मासिक के ग्रेड में दिया जाता है।

Technical Training Activities in Defence Research Laboratories

इंजीनियरिंग में M.Sc., Ph.D., D.Sc. आदि डिग्री के लिए कानपुर और दिल्ली की प्रयोगशालाओं में शोधकार्य (Research) के लिए सुविधाएँ उपलब्ध हैं। Senior Fellows, Junior Fellows और Parttime Research Students को क्रमशः 400 रु०, 250 रु० और 100 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

अस्त्र-शस्त्र कारखानों में प्रशिक्षण—(i) इंजीनियरिंग में डिप्लोमा होल्डर्स को $2\frac{1}{2}$ से 4 वर्ष तक प्रशिक्षण दिया जाता है। 60 रु० से 90 रु० मासिक तक stipend दिया जाता है। प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हें Chargeman/Supervisors के पद पर 150-380 रु० के ग्रेड में नियुक्त कर दिया जाता है।

(ii) 15 से 17 वर्ष तक मैट्रिक पास प्रशिक्षणार्थियों को Skilled Craftsman और Boy Artisan के कोर्सों में दो वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(iii) 25 वर्ष से कम पढ़े-लिखे व्यक्तियों को Semi-Skilled Workmen के कोर्स के लिए 12 से 18 माह तक का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें 30 रु० मासिक stipend दिया जाता है।

(iv) हिसाब के साथ मैट्रिक और ड्राइंग के साथ इण्टर पास उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए Draughtsmen का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त Senior Draughtsmen के लिए दो वर्ष का और प्रशिक्षण दिया जाता है। 60 रु० से 80 रु० मासिक तक stipend दिया जाता है।

(v) मकैनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा होल्डर मैट्रिक पास उम्मीदवार जिन्हें दो से तीन वर्ष का वर्कशाप का प्रशिक्षण प्राप्त है, Rate Fixer/Planner के प्रशिक्षण के लिये चुने जाते हैं। 70 रु० से 85 रु० मासिक तक stipend दिया जाता है।

Hindustan Aircraft Ltd.—16 से 18 वर्ष तक के हिसाब सहित मैट्रिक पास उम्मीदवारों को Trade Apprentice... रूप में 3 वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। निःशुल्क ... के अतिरिक्त 23 रु० मासिक stipend ... तीन माह का व्यवसाय प्रशिक्षण कोर्स भी

Training for Tractor Operators—Tractor Training and Testing Station, Bundi (M.P) द्वारा दस और छ. माह की अवधि के दो कोर्सों के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

भारत और विदेशों में टैक्निकल प्रशिक्षण की सुविधाएँ

(Technical Trainees Scheme)

सेण्ट्रल रेलवे सर्विस कमीशन फिजिक्स, कैमिस्ट्री और हिसाब के साथ मैट्रिक पास शिक्षार्थियो, जिनकी आयु 16 और 19 वर्ष के बीच है, को पाँच वर्ष के लिए शिक्षार्थी मकैनिको के लिए; 16 और 20 वर्ष के बीच शिक्षार्थियो को दो वर्ष के लिए शिक्षार्थी फायरमैन के लिए और 17 से 19 वर्ष की आयु वाले शिक्षार्थियों को शिक्षार्थी सहायक गाड़ी जाँच अधिकारियो के लिए प्रशिक्षण देता है।

ई० ऐम० ई० वर्कशाप, काकीनाड, देहली कैंण्ट, जबलपुर, इलाहाबाद, किरकी और बेंगलोर मे 15 से 17 वर्ष की आयु वाले मैट्रिक पास विद्यार्थियो को एक प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा चार वर्ष के लिए इलैक्ट्रिकल और मकैनिकल इंजीनियरिंग के लिए सिविलियन शिक्षार्थी चुनती है।

इंडियन पोस्ट्स एंड टेलीग्राफ्स, जिला टेलीफोन अधिकारियों के द्वारा 18 से 23 वर्ष की आयु वाले शिक्षार्थी भर्ती करता है।

मैसूर आयरन एण्ड स्टील वर्क्स, भद्रावती, मकैनिकल इंजीनियरिंग में दो वर्ष के सर्टीफिकेट कोर्स के लिए शिक्षार्थी चुनता है। प्रशिक्षण सिल्वर जुबली टैक्निकल स्कूल, भद्रावती मे दिया जाता है।

सदर्न रेलवे तथा अन्य रेलवे, रेलवे सेवा के लिए तीन वर्ष का लेबोरेटरी असिस्टेण्ट का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

स्टेट ट्रेनिंग वर्कशाप, डापोडी, वर्कशाप अप्रेण्टिसशिप में दो वर्ष का सर्टीफिकेट कोर्स प्रदान करती है।

टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड 15 से 18 वर्ष के शिक्षार्थियों को दो वर्ष के लिए टैक्निकल इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर में व्यापारिक शिक्षार्थियों के रूप में प्रशिक्षण देती है। परिरक्षण भत्ता (Maintenance Allowance) दिया जाता है।

वी० जे० टैक्निकल इंस्टीट्यूट, बम्बई, दो वर्ष के लिए इंजीनियरिंग अप्रेण्टिसशिप का प्रशिक्षण प्रदान करता है।

शिक्षार्थी प्रशिक्षण योजना

इंडियन ब्यूरो आफ माइन्स निम्नलिखित प्रशिक्षण प्रदान करता है—

1. **इन-प्लांट ट्रेनिंग स्कीम इन ड्रिलिंग**– यह एक वर्ष का प्रशिक्षण है। प्रशिक्षार्थियों को तीन से चार रुपये रोजाना तक दिये जाते हैं।

2. **इन-प्लांट ट्रेनिंग स्कीम फार वोकेशनल ट्रेड्स इन वर्कशाप**—इण्डियन ब्यूरो आफ माइन्स, सेमिनरी हिल्स, नागपुर की वर्कशाप में दो से तीन माह तक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षार्थियों को प्रत्येक कार्यशील दिन के लिए डेढ़ से दो रुपये प्रदान किये जाते हैं।

3. **आफिसर्ज अप्रेण्टिस ट्रेनिंग स्कीम**—यह दो वर्ष की प्रशिक्षण की योजना है।

4. **पोस्ट-ग्रेजुएट स्टाईपेण्डरी ट्रेनिंग स्कीम**—प्रशिक्षण की अवधि तीन माह है। 80 रुपये प्रतिमास भत्ता दिया जाता है।

5. **सीनियर-स्टाईपेण्डरी ट्रेनिंग स्कीम**—प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष है। भत्ता 150 रुपये मासिक है।

अप्रेण्टिसशिप (विज्ञान में इण्टर पास विद्यार्थियों के लिए)

अप्रेन्टिस कोर्स	संस्था का नाम	अवधि	वृत्ति
असिस्टेण्ट सिगनल इन्सपैक्टरशिप (रेलवे)	आफिस आफ चीफ सिगनल और टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर, एन० आई० रेलवे, गोरखपुर	4 वर्ष	100-110 रु० मासिक और 50 रु० मासिक भत्ता।
ब्लास्ट फरनेस आपरेशन	इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कं० लि० (बर्नपुर वर्क्स व कुलटी वर्क्स)	4 वर्ष	40- 50 -60 -70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।
फायसर इंजीनियरिंग	इडियन आयरन एण्ड स्टील क० लि० (बर्नपुर वर्क्स कुल्टी वर्क्स)	4 वर्ष	40 -50 -60 -70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।
बायलर हाउस आपरेशन (कोक ओवन आपरेशन में प्रशिक्षण)	"	4 वर्ष	40- 50- 60 -70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।

ल इंजीनियरिंग	इंडियन आयरन एण्ड स्टील कं० लि० (बर्नपुर वर्क्स व कुलटी वर्क्स)	4 वर्ष	40-50-60-70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।
झाई निंग	"	4 वर्ष	"
इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	"	4 वर्ष	"
	इंडियन स्टैण्डर्ड वैगन कं० लि० बर्नपुर, बर्दवान	5 वर्ष	आरम्भ में 1·25 रु० प्रतिदिन और महँगाई भत्ता मासिक।
	सोन वैली पोर्टलैंड सीमेंट फैक्टरी, जापला	3 वर्ष	80-100 रु० मासिक।
इलैक्ट्रिकल और मकैनिकल इंजीनियरिंग	जनरल इलैक्ट्रिकल कं० आफ इंडिया (मैनु० क०) लि०, पहाड़पुर वर्क्स, कलकत्ता-24	4 वर्ष	40-50 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।

इलैक्ट्रिकल और मकेनिकल इंजीनियरिंग	इंडियन आयरन एण्ड स्टील कं० लि० (बर्नपुर वर्क्स और कुलटी वर्क्स) [लेबोरेटरी टेस्टिंग और अनेलिसिज]	4 वर्ष	40-50-60-70 रु० मासिक और महंगाई भत्ता।
फ्यूल टैक्नालोजी	इण्डियन आयरन एण्ड स्टील वर्क्स (बर्नपुर वर्क्स और कुलटी वर्क्स)	4 वर्ष	40-50-60-70 रु० मासिक और महंगाई भत्ता।
जूट टैक्नालोजी	बिरला जूट मैनुफैक्चरिंग क० लि० बिरलापुर, 24 परगना	3 वर्ष	,,
	सोन वैली पोर्टलैंड सीमेंट फैक्टरी, जापला	3 वर्ष	80-100 रु० मासिक।
मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग	इंडियन आयरन एण्ड स्टील कं० लि० (बर्नपुर वर्क्स व कुलटी वर्क्स)	4 वर्ष	40-50-60-70 रु० मासिक और महंगाई भत्त।

प्रेन्टिस कोर्स	संस्था का नाम	अवधि	वृत्ति
मकैनिकल ड्राइंग	डया आयरन एण्ड स्टील कं० लि० (कुलटी वर्क्स व बर्नपुर वर्क्स)	4 वर्ष	40-50-60-70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।
मकैनिकल इन्जीनियरिंग	गन कैरेज फैक्टरी, जबलपुर; राइफल फैक्टरी, ईशापुर; गनशैल फैक्टरी, कोसीपुर; कौरडाइट फैक्टरी, अरुवंकडु; हाई ऐक्सप्लोसिव्स और अम्युनीशन फैक्टरीज, किर्की (डायरेक्टोरेट जनरल आफ आर्डनेन्स फैक्टरीज के अन्तर्गत)	4 वर्ष (स्नातकों व डिप्लोमा होल्डर्स के लिए 2 वर्ष)	60-80 रु० मासिक और महँगाई भत्ता (स्नातकों और डिप्लोमा होल्डर्स के लिए 80-85-90 की तालिका में आरम्भ में 80 रु० मासिक और भत्ता।
	सोन वैली पोर्टलैंड सीमेंट फैक्टरी, लि० जापला	3 वर्ष	80-100 रु० मासिक।
	इंडियन आयरन एण्ड स्टील कं० लि० (बर्नपुर वर्क्स और कुलटी वर्क्स)	4 वर्ष	40-50-60-70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।

मर्केनिकल इंजीनियरिंग	रेमिंग्टन रैन्ड आफ इण्डिया लि०, कलकत्ता	6 माह से 4 वर्ष	45 रु० मासिक।
माइन सर्वेयिंग	न्यू मैनभूम कोल क० लि०, गैसलिटन कोलियरी, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद	5 वर्ष	निश्चित नहीं।
माइनिंग (ओवरमैन, माइनिंग सरदार और प्रथम व द्वितीय श्रेणी के माइन मैनेजर)	मनोरा कोलियरी (मैकमिल एण्ड बैरी म०, चरनपुर, बर्दवान)	4 वर्ष	70 रु० मासिक।
	धेमो मेन कोलियरी, सीतारामपुर, बर्दवान	4 वर्ष	70 रु० मासिक।
	मिठानी कोलियरी, मिठानी, बर्दवान	4 वर्ष	,,
	भटगुरिया कोलियरी, डाकघर भागा, जिला धनबाद	4 वर्ष	,,

कोर्स	संस्था का नाम	अवधि	वृत्ति
	भावरा कोकरी कोलियरी लि०, डाकघर भावरा, भाया, मैनभुम	5 वर्ष	35 से 70 रु० मासिक।
माइनिंग इंजीनियरिंग	न्यू मैनभुम कोल कं० लि०, गैसलिटन कोलियरी, डाकघर सिजुवा, जिला धनवाद	3 से 5 वर्ष	निश्चित नहीं।
पैटर्न मेकिंग	इंडियन आयरन एण्ड स्टील कं० लि०, (वर्नपुर वर्क्स और कुलटी वर्क्स)	4 वर्ष	40-50-60-70 रु० मासिक और महँगाई भत्ता।
प्लमिंग इंजीनियरिंग	गन कैरेज फैक्टरी, जबलपुर ; राइफल फैक्टरी, ईशापुर; गनशैल फक्टरी, कोसीपुर; कारडाइट फैक्टरी अरुवंकड्ड; हाई एक्सप्लोसिन्स एण्ड अम्यूनीशन	4 वर्ष	वेतन तालिका 80-85-90 रु० में 80 रु० मासिक।

	फैक्टरीज, त्रिर्वी (डाइरेक्टोरेट जनरल आफ आर्डनेन्स फैक्टरीज कलकत्ता के अन्तर्गत)		
[illegible]	मैकिनटोश बर्न लि०, 8 नेताजी सुभाष रोड (वर्कशाप 6/1 देही सिरामपुर लेन, बालीगंज) कलकत्ता	4 वर्ष	एक वर्ष पश्चात् 30 रु० मासिक।

अध्याय ५

कुछ प्रमुख व्यवसाय

हमने पिछले अध्यायों में विभिन्न नौकरियों और सूचना-केन्द्रों का उल्लेख किया है। किन्तु इस सबका यह तात्पर्य नहीं कि व्यक्ति केवल कोई एक विशेष परीक्षा पास कर लेने के वाद भी नौकरी की तलाश करनी शुरू करे। सच तो यह है कि व्यक्ति को यथासम्भव प्रारम्भ से ही कोई-न-कोई व्यवसाय चुन लेना चाहिये, ताकि आगे चलकर कोई कठिनाई न हो। शुरू में व्यवसाय चुन लेने से व्यक्ति का लक्ष्य निश्चित हो जाता है और वह अपनी क्षमताओं का समुचित विकास कर पाता है। किन्तु यदि हम अपना व्यवसाय निश्चित न कर सम्पूर्ण शिक्षा-काल में अँधेरे में भटकते रहे तो हमें फिर शिक्षा समाप्त करने के वाद भी नौकरी के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ेंगी। अनिश्चित व्यक्ति को कभी सफलता प्राप्त नहीं होती। सफलता प्राप्त करने के लिये अपना लक्ष्य एवं उद्देश्य निश्चित कर लेना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आगामी पृष्ठों में कुछ ऐसे व्यवसायों का परिचय दिया जायेगा जिनका आज तेजी से विकास हो रहा है।

अधिकारी—भारत की 70 प्रतिशत जनता खेती

पर निर्भर है। देश की वर्तमान खाद्य समस्या को देखते हुए यह आवश्यक है कि खेती-बाड़ी के तरीकों में क्रान्तिकारी सुधार किया जाय ताकि हम अपनी उपज को बढ़ाकर भुखमरी को दूर करने में सफल हो सकें। भारत-भर में केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा कृषि-विभाग खोले गए हैं ताकि किसानों को खेती-बाड़ी के नये-नये तरीकों का आसानी से पता चलता रहे। इन विभागों का काम देखने के लिए जिला कृषि-अधिकारी, कृषि-सहायक एवं कृषि-निरीक्षक होते हैं। गांवों में विकास का कार्य भली-भाँति चलाने के लिए राष्ट्रीय विस्तार सेवा की स्थापना भी की गई है। कृषि विकास अधिकारी का काम भूमि का प्रबन्ध करना, वैज्ञानिक ढंग के जुताई करने के आसान तरीके किसानों को समझाना, फसलों और पैदावार की विभिन्न समस्याओं का अध्ययन करना तथा खेतों में फैलने वाले विभिन्न रोगों की रोक-थाम का प्रबन्ध करते हुए भारतीय कृषि व्यवस्था का विकास करना है। चूँकि कृषि-अधिकारियों को रात-दिन गाँव वालों से काम पड़ता है, अतः आवश्यक है कि कृषि-अधिकारी का काम वही व्यक्ति चुने जिसमें सफेदपोश बाबुओं वाली फूँ-फाँ न हो।

कृषि-अधिकारी बनने के लिए मैट्रिक पास करने के बाद किसी भी कालेज में डिग्री पाठ्यक्रम का अध्ययन करना आवश्यक है। बी०एस०सी० (कृषि) कर लेने के बाद कृषि-स्नातकों को राज्यों के कृषि-विभागों, राष्ट्रीय विस्तार सेवा, विकास-खण्डों, निरीक्षण निदेशालयों, बीज सवृद्धि फार्मों, फल और सब्जी के फार्मों, कृषि अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि कालिजों में आसानी से नौकरियाँ मिल सकती हैं। किसानों को कृषि के नवीनतम तरीकों से परिचित कराने के लिए देश-भर में अब तक छः लाख फार्म खोले गए हैं। इन फार्मों के साथ कृषि-स्नातकों की माँग भी बढ़ती जा रही है।

हार्टीकल्चरिस्ट—फूल-पौधों का विज्ञान बड़ा पुराना है। हार्टीकल्चरिस्ट इसी शाखा का वैज्ञानिक है। वह बगीचों, पार्कों, बागों, नर्सरी पौधों, सब्जियों, फलों तथा चाय के बागानों की देख-भाल करता है। लैबरेटरीज़ के नए-नए बीजों की परीक्षा तथा फसलों को लगने वाले रोगों की खोज-बीन और रोक-थाम भी हार्टीकल्चरिस्ट का काम है। वह सब्जियों, फलों, फूलों तथा अन्य प्रकार के पौधों से सम्बन्धित समस्याओं की खोज-बीन करता है तथा उत्पादन में सुधार करने का प्रयत्न करता है। हार्टीकल्चरिस्ट बनने के लिए मैट्रिक पास करने के बाद चार साल का कृषि-विज्ञान कोर्स करना चाहिए। आज भारत के अधिकांश विश्वविद्यालय कृषि-विज्ञान में बी०एस०सी० की डिग्री देते हैं। इस डिग्री को प्राप्त कर लेने के बाद व्यक्ति कृषि-विभाग में उद्यान निरीक्षक, सामुदायिक विकास योजनाओं के अन्तर्गत विस्तार अफसर, सरकारी निर्माण-विभाग, वन विभाग, सिंचाई विभाग, नगर आयोजना विभाग में कंसल्टेंट आफिसर, मार्केटिंग इन्स्पेक्टर, नर्सरियों का ओवरसियर, बागों का अधीक्षक, सार्वजनिक एवं निजी खेतों, उद्यानों, भूखण्डों का प्रबन्धक, अध्यापक, अनुसंधानकर्त्ता, खाद्य प्रक्रिया वैज्ञानिक, अथवा फल-फूल-व्यवसायी बन सकता है। एक बार कोर्स कर लेने के बाद किसानों के लड़के अपनी जमीन में ही नर्सरियाँ, फुलवाड़ियाँ एवं खेत लगा सकते

इस विषय में अधिक सूचना निम्नलिखित केन्द्रों से मिल सकती है—

(1) प्रशिक्षण की सुविधाओं के सम्बन्ध में विस्तृत सूचना के लिए किसी कृषि कालेज के प्रिंसिपल अथवा अपने राज्य के विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार से। (2) रोजगार तथा कार-बार से सम्बन्धित संभावनाओं के विषय में सूचना के लिए राज्य कृषि-

निदेशक से। (3) छोटे पैमाने पर फल एवं शाक परिरक्षण उद्योग की स्थापना के सम्बन्ध मे सूचना तथा सहायता के लिए रीजनल स्माल स्केल इंडस्ट्रीज इस्टीच्यूट अथवा अपने राज्य के विस्तार केन्द्रों से। (4) फल परिरक्षण तकनीको के विषय मे सूचना तथा साहित्य के लिए केन्द्रीय खाद्य औद्योगिक संस्थान (सेन्ट्रल फूड टेक्नोलाजिकल इन्स्टीच्यूट)। (5) अनुसधान अधिवृत्ति (फैलोशिप) के विषय मे अधिक सूचना प्राप्त करने के लिए भारतीय कृषि अनुसधान परिषद्, क्वीन विक्टोरिया रोड, नई दिल्ली से।

रेडियोग्राफर—मानव-शरीर की बीमारियों को भली-भाँति जानने के लिए ऐक्स-रे किरणों का प्रयोग किया जाता है। जब ये किरणें शरीर के किसी भाग से गुजरती हैं तो हड्डियों और शरीर के भीतरी अगों का चित्र एक फोटो-प्लेट पर पडता है। इस चित्र को रेडियोग्राफ कहते हैं। जो व्यक्ति यह चित्र लेता है वह रेडियोग्राफर कहलाता है। रेडियोग्राफर बनने के लिए ऐक्स-रे फोटोग्राफी का कोर्स पूरा करना पड़ता है।

इस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए मैट्रिक इन्टर (विज्ञान) और फोटोग्राफी मे रुचि होना आवश्यक है। यह प्रशिक्षण एक वर्ष तक चलता है। इस प्रशिक्षण को भली-भाँति प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा हो, उसकी
बाँहें ठीक हो और वह अपना ध्यान एक जगह केन्द्रित क
हो। वास्तव में रेडियो-चिकित्सा बड़ा कठिन का
जरा-सी भी असावधानी हो जाए तो रोगी की जा
जाती है। यह सर्टीफिकेट कोर्स कई बड़े-बड़े अ
जाता है। अक्सर उम्मीदवारों का चुनाव क
विज्ञापन दिया जाता है तथा इन्टरव्यू द्
संस्था मे प्रशिक्षण का खर्च अल

महत्व का अनुमान केवल इसी बात पर लगाया जाता है कि सर्टीफिकेट कोर्स करने के बाद प्रत्येक रेडियोग्राफर को एकदम किसी अस्पताल में नौकरी मिल जाती है। उसे किसी अप्रेंटिसशिप के झंझट में नहीं पड़ना पडता। नए-नए अस्पताल खुलने से रेडियोग्राफरों की माँग और भी बढ़ रही है।

सलोतरी—भारत कृपिप्रधान देश है, अतः हमारे देश में पशुओं और पशुपालन का विशेप महत्त्व है। सलोतरी का काम पशुओं की देखभाल और उनकी चिकित्सा करना होता है। वह बीमार पशुओ की चिकित्सा करता है तथा ग्रामीणों को पशुओं की नस्ल सुधारने के बारे में आवश्यक सलाह देता है। सलोतरी बनने के लिए चार वर्प का एक कोर्स करना पड़ता है जिसके अन्त में बी०एस०सी० (बैचलर आफ वैटरिनेरी साइंस) की डिग्री मिलती है। इस डिग्री में दाखिला लेने के लिए कम-से-कम योग्यता मैट्रिक (साइंस) है, किन्तु आजकल कम्पीटीशन ज्यादा होने के कारण उन्हीं लोगों को इस कोर्स में भर्ती किया जाता है जिन्होंने फ़िज़िक्स, कैमिस्ट्री और बायालोजी लेकर इन्टरमीडियट पास किया हो। पटना, नैनीताल, नागपुर, तिरुपति, हैदराबाद, महु, बम्बई, गोहाटी, त्रिचूर, जबलपुर, हिसार, कलकत्ता, मथुरा, कटक, बैंगलौर, लखनऊ, फरीदकोट, ग्वालियर, हैदराबाद और विशाखापत्तनम में पशुपालन तथा पशु-चिकित्सा के कालेज हैं। पशुचिकित्सकों की नियुक्ति केवल अस्पतालों में ही नहीं होती वे जिला पशुधन अफसर, पशु फार्म अधीक्षक, भेड़ तथा बकरी विकास अफसर, रोग जांच अफसर, बाजार तथा बूचड़खाना अधीक्षक, कुक्कुटादि अनुसंधान अफसर, सीरम प्रयोगशालाओं के संरक्षक, सीरियालाजिस्ट, प्रजनन फार्मों के अधीक्षक या पशु-विज्ञान अधिकारी के रूप में भी नियुक्त हो सकते हैं। सम्भवतः इन सभी पदवियों पर कम-से-कम ४५० रु० मासिक वेतन

लता है। फौज में तो सलोतरी को भर्ती होते ही सैकिंड लेफ्टीनेन्ट का पद दे देते हैं। देश में सलोतरियों की बड़ी भारी कमी होने के कारण अर्थशास्त्रियों का विश्वास है कि कृषि और पशुधन की वृद्धि के साथ-साथ सलोतरियों की माँग बढ़ती जाएगी। जहाँ कहीं कृषि-संस्थान बनेंगे, डेरियाँ खुलेंगी, पशुओं के विकास की योजना होगी, वहीं सलोतरियों की आवश्यकता पड़ेगी।

मौसम-वैज्ञानिक –मौसम का हमारे जीवन से गहरा सम्बंध है। हवाई जहाजों की उड़ानें, नौ-चालन, खेती-बाड़ी, निर्माण-कार्य, सिंचाई आदि सभी कार्यों में मौसम महत्त्वपूर्ण रोल अदा करता है। इसीलिए प्रत्येक देश में मौसम के सम्बन्ध में अधिक-से-अधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयत्न किया जाता है ताकि बाढ़, अतिवृष्टि अथवा सूखे इत्यादि के कारण हानि न उठानी पड़े।

मौसम-विभाग मौसम के बारे में जानकारी प्राप्त करने का काम करता है। इस विभाग में गजेटेड अफसर बनने के लिए बी०एस-सी० आनर्स अथवा प्रथम श्रेणी में एम०एस-सी० गणित अथवा फिजिक्स होना आवश्यक है। दूसरी नौकरियों के लिए कैमिस्ट्री, फिजिक्स अथवा गणित में एम०ए० या बी० एस-सी० आनर्स की डिग्री आवश्यक है। खड़गपुर की 'दी इंडियन इन्स्टीच्यूट आफ टैक्नालोजी' में मौसम-विज्ञान का एक कोर्स खोला गया है। इस कोर्स को करने वाले विद्यार्थी 150 रु० महीने की छात्रवृत्ति पाते हैं। एम०एस-सी० फिजिक्स या गणित में पास हो जाने के बाद खगोल वेधशाला कोडईकनाल में रिसर्च करने वाले व्यक्तियों को भारत सरकार द्वारा 300 रु० महीने की छात्रवृत्ति दी जाती है। इस विभाग में कैमिस्ट्री आनर्स कर लेने वाले विद्यार्थियों को सीनियर आब्ज़र्वर के पद पर तथा

फ़िज़िक्स और कैमिस्ट्री आनर्स कर लेने वाले व्यक्तियों की सहायक वैज्ञानिकों के स्थान पर नियुक्ति की जा सकती है। सीनियर आब्ज़रवर का वेतन कम-से-कम 250 रु० तथा सहायक वैज्ञानिक का कम-से-कम वेतन 350 रु० है

व्यायाम-शिक्षक—व्यायाम की शिक्षा स्कूली शिक्षा का आवश्यक अंग है। स्कूलों के अतिरिक्त डिफेंस सर्विस, पुलिस होमगार्ड, फायर ब्रिगेड इत्यादि विभागों में भी शारीरिक शिक्षण दिया जाता है। व्यायाम-शिक्षक को फ़िज़िकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर, फिज़िकल ट्रेनर, फ़िज़िकल ट्रेनिंग सुपरवाइज़र अथवा ड्रिल-मास्टर कहते हैं।

व्यायाम-शिक्षक बनने के लिए एक पूरा डिग्री कोर्स प्राप्त करना पड़ता है। इस कोर्स में मैट्रिक पास करने के बाद चार वर्ष लगते हैं। व्यायाम-शिक्षकों को ट्रेनिंग देने के लिए देशभर में विशेष संस्थाओं की स्थापना की गई है। इन संस्थाओं में भी तीन किस्म के कोर्स हैं—(1) डिग्री कोर्स, (2) डिप्लोमा कोर्स, (3) सर्टिफिकेट कोर्स। जो व्यक्ति लम्बा कोर्स नहीं करना चाहते वे मैट्रिक पास करने के बाद एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। कुछ ऐसी संस्थाएँ भी हैं जहाँ सर्टिफिकेट का कोर्स करने के लिए मैट्रिक पास तक होना आवश्यक नहीं है। व्यायाम-शिक्षक को अपने काम में प्रवीण होने के अतिरिक्त विनोदी और मिलनसार भी होना चाहिए ताकि वह अपने विद्यार्थियों को भली-भाँति नियन्त्रण में रख सके। अनुशासनबद्धता व्यायाम-शिक्षक का अनिवार्य गुण है। एक बार कोर्स पूरा कर लेने के बाद व्यायाम-शिक्षकों को विश्वविद्यालयों, कालेजों, स्कूलों, सामुदायिक विकास खण्डों, मजदूर और औद्योगिक कल्याण मंडलों, समाज-कल्याण केन्द्रों, खेल-कूद सिखाने की योजनाओं, अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं, युवक कल्याण संगठनों, प्राथमिक और बुनियादी स्कूलों,

डिफेंस सर्विसिज के प्रशिक्षण स्कूलो, रक्षा-दल, होमगार्ड और पुलिस ट्रेनिंग इन्स्टीच्यूट्स में नौकरी मिल सकती है। नेशनल कैडेट कोर, जिमखाना, मनोरंजन क्लब, रेड क्रास तथा खेल-कूद के क्लब भी व्यायाम-शिक्षकों की नियुक्ति करते हैं।

बीमा एजेंट—लोग जीवन में केवल दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही नहीं कमाते, उन्हें समय-समय पर आ पड़ने वाली विपत्तियों तथा विशेष मौकों के लिए भी पहले से ही कोई प्रबन्ध करना होता है। भारतीय जीवन बीमा निगम (लाइफ इंश्योरेन्स कार्पोरेशन आफ इंडिया) बीमे द्वारा लोगो को सुविधाएँ प्रदान करता है। बीमा करा लेने के बाद एक व्यक्ति बीमा निगम को हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम देता रहता है। इस रकम के बदले बीमा निगम, जब उस कभी व्यक्ति पर कोई आपत्ति आ पड़े, उसे सहायता देता है। जीवन बीमा एजेंट का काम लोगों के पास जाकर बीमा-योजनाएँ समझाना तथा उन्हें इस योजना में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। बुढ़ापे में आराम की व्यवस्था करने के लिए या किसी दुर्घटना में अचानक मृत्यु हो जाने पर अपने परिवार वालों की भलाई के लिए बीमा करवा लेना आवश्यक है।

बीमा एजेंट दो प्रकार के होते हैं। एक तो वे जो अपना पूरा समय इस काम में लगाते हैं और दूसरे वे जो अन्य कामों के साथ-साथ पार्ट टाइम में बीमे का काम भी करते हैं। बीमा-एजेंट होने के लिए मिलनसारी और दूसरों से अपनी बात मनवा लेने की क्षमता होना आवश्यक है। वैसे बीमा एजेंट को बहुत ऊँची शिक्षा पाने की आवश्यकता नहीं। जब कोई व्यक्ति बीमा एजेंट नियुक्त किया जाता है तो उसे बम्बई, कलकत्ता, कानपुर और मद्रास में स्थायी रूप से डेढ़ महीने की ट्रेनिंग देने का इन्तजाम किया जाता है। इस ट्रेनिंग के दौरान जीवन बीमा

के सिद्धान्तों के साथ-साथ व्यक्ति को जीवन बीमा क्षेत्र के अ
अनुभवी व्यक्तियों से मिलने का मौका भी मिलता है। जीव
बीमा एजेंटों की नियुक्ति और खोज जीवन बीमा निगम के क्षे
अफसरों द्वारा की जाती है। हमारे देश में अभी तक बी
करवाने का इतना रिवाज नहीं, लेकिन सभ्यता के प्रसार के सा
साथ बीमा करवाने वालों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है।

शिल्प-प्रशिक्षक—शिल्प-प्रशिक्षक का काम साधारण औ
वैज्ञानिक स्कूलों में विद्यार्थियों को विभिन्न शिल्पों में अभ्यस
बनाना है। भारत के स्कूलों में विभिन्न शिल्पी कोर्सों के अन्तर्ग
औज़ारों और अन्य छोटे-छोटे माडलों की सहायता से विभिन्
व्यवसायों की शिक्षा दी जाती है। विद्यार्थियों को एक माडल
दिखाकर आवश्यक वस्तु बनाने का आदेश दे दिया जाता है।
शिल्प-शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर डिज़ाइनों, ड्राइंग तथा नक्शों द्वारा
विद्यार्थियों को रास्ता दिखाता है। शिल्प-शिक्षक विद्यार्थियों के
काम में गुण-दोष निकालता है तथा उन्हें ठीक ढंग से चीजें
बनाना सिखाता है। चूंकि विद्यार्थियों को कच्चा माल सरकार
की ओर से ही दिया जाता है इसलिए शिल्प-शिक्षक को स्टोर-
कीपिंग तथा तैयार माल की देखभाल करनी भी आनी चाहिये।
कई बार तो वह माल की बिक्री का प्रबन्ध भी करता है। इस
प्रकार शिल्प-शिक्षक स्कूलों और कालिजों में विद्यार्थियों को
नए-नए व्यवसाय सिखलाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद
करता है।

शिल्प-शिक्षक बनने के लिए पहले किसी इंडस्ट्रियल स्कूल या
टैक्निकल इंस्टीच्यूट से कोई डिप्लोमा अथवा डिग्री प्राप्त करने
के बाद व्यक्ति को प्रेक्टिकल ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। जो लोग
लकड़ी का काम, धातु का काम, सिलाई-बुनाई इत्यादि महत्त्वपूर्ण
शिल्पों में दक्ष हो जाते हैं उन्हें शिल्प-प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त

किया जाता है। यद्यपि शिल्प-प्रशिक्षकों का मुख्य गुण अपनी कला का ज्ञान है किन्तु आजकल साधारणतः यह अपेक्षा की जाती है कि सरकारी स्कूलों या इस्टीच्यूटों में पढ़ाने वाला शिल्प-शिक्षक कम-से-कम मैट्रिक पास होगा। कई राज्यों में सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा एक से लेकर तीन वर्ष तक के शिल्पी कोर्स चलाए जाते हैं। इन कोर्सों में नाम मात्र की फीस होती है और लगभग 10-15 रु० मासिक कच्चे माल का खर्चा आता है। किन्तु शीघ्र ही जो लोग थोड़ी-सी भी कुशलता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें छात्र वृत्ति मिलने लगती है। शिल्प-शिक्षक का कोर्स कर लेने के बाद व्यक्ति को सभी प्रकार के स्कूलों, सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं, अनाथाश्रमों, विधवाश्रमों तथा व्यावसायिक स्कूलों में आसानी से नौकरी मिल सकती है। देश में जितनी तेजी से दस्तकारी उद्योग का विकास हो रहा है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि शिल्पकारों की माँग बढ़ती ही रहेगी, घटेगी नहीं।

पंचायत सचिव—पंचायत प्रजातन्त्र की इकाई है। पंचायतों का काम ग्रामों की व्यवस्था करना, सरकार को सार्वजनिक काम में सहायता देना और गाँव वालों की सुविधा के लिए छोटे-मोटे झगड़ों का गाँवों में ही निर्णय करना है। पंचायतों के पास अपनी निधि भी होती है। यह निधि इकट्ठी करने के लिए पंचायतों को कर लगाने का अधिकार दिया जाता है। पंचायत-सचिव पंचायत के काम की देख-भाल करता है। उसके जिम्मे पंचायत के कामों को पूरा करना, पंचायत के आदेशों का पालन करवाना, पंचायत के कर्मचारियों पर नियन्त्रण रखना तथा पंचायत [illegible] की गई योजनाओं की देख-भाल [illegible]

[illegible]

पंचायत-सचिवों की नियुक्ति करने के लिये सभी राज्यों के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। आन्ध्र, मध्यप्रदेश और मद्रास में पंचायत सचिवों की नियुक्ति सीधी सरकार द्वारा, असम और उड़ीसा में डिप्टी कमिश्नर द्वारा, मैसूर में स्थानीय स्वायत्त कमिश्नर द्वारा एवं पंजाब, राजस्थान और बम्बई में जिलाधीश के अनुमोदन से पंचायतों द्वारा की जाती है। इसी प्रकार प्रत्येक राज्य में पंचायत-सचिव बनने के लिए योग्यताएं भी भिन्न-भिन्न हैं।

पंचायत-सचिवों को ट्रेनिंग देने के लिए असम और हिमाचल प्रदेश में पूर्णकालिक स्कूल खोले गए हैं। बम्बई, पंजाब, उत्तर-प्रदेश एवं अन्य राज्यों में काम के साथ-साथ ट्रेनिंग देने का प्रबन्ध है। एक पंचायत-सचिव को प्रारम्भ में लगभग सवा सौ रुपये वेतन मिलता है।

सांख्यिकीविद् (स्टेटिस्टीशियन)—किसी भी काम को शुरू करने से पहले योजना बनानी पड़ती है। योजना बनाने के लिए आंकड़ों की आवश्यकता पड़ती है। उदाहरणतः किसी क्षेत्र में आर्थिक सुधार की योजना बनानी हो तो आय, व्यय, कीमत, उत्पादन आदि के आंकड़ों का होना आवश्यक है। जो व्यक्ति ये आंकड़े इकट्ठे करने तथा आंकड़ों की व्याख्या करने में निपुण होते हैं उन्हें सांख्यिकीविद् कहा जाना है।

सांख्यिकी के क्षेत्र में कई नौकरियाँ हैं। सबसे पहली नौकरी अभिगणक की है। साधारणतः मैट्रिक पास व्यक्ति जिन्हें आंकड़ों के काम का प्रारम्भिक प्रशिक्षण मिला हो एवं जो विवरण के रूप में प्राप्त आंकड़ों के जोड़, प्रतिशत आदि निकालने के लिए हिसाब लगाने वाली मशीनों पर काम कर सकते हों, उन्हें अभि-गणक नियुक्त किया जाता है। दफ्तर से बाहर क्षेत्रों में आंकड़े और सूचनायें इकट्ठी करने के लिए क्षेत्रीय कार्यकर्ता नियुक्त किये जाते हैं। गणित अथवा सांख्यिकी में ग्रेजुएट सांख्यिकी सहायक

इस दौरान विद्यार्थियों को सरकार द्वारा वज़ीफ़ा मिलता है। सहकारी पर्यवेक्षक बनने के बाद आगे के प्रशिक्षण की अनेक सुविधायें हैं। रिज़र्व बैंक द्वारा दिये जाने वाले उच्च प्रशिक्षण के अतिरिक्त पूना, मद्रास, पूसा, मेरठ और इन्दौर में पाँच प्रशिक्षण-केन्द्र हैं। इन प्रशिक्षण केन्द्रों में ऐसे ग्रेजुएट लिये जाते हैं जो किन्हीं अन्य सहकारी संस्थाओं में काम कर रहे हों। सहकारी पर्यवेक्षक बनने के बाद लगभग 150 रुपये मासिक वेतन मिलता है।

विमान इञ्जीनियर—हवाई जहाज़ों को उड़ाने के अतिरिक्त उनकी देखभाल के लिए विमान इंजीनियरों की भी नियुक्ति की जाती है। विमान इंजीनियरों का काम हवाई जहाज़ के इंजिन की देखभाल और मरम्मत करना है। विमान इंजीनियर हवाई जहाज़ में ले जाए जाने वाले सामान, मुसाफिरों और ईंधन की सुरक्षा का प्रबन्ध भी करता है। विमान इंजीनियर बनने के लिए गणित और फ़िज़िक्स लेकर इंटरमीडिएट पास करने के बाद अठारह से तेईस वर्ष तक की आयु के व्यक्ति ए, सी और ऐक्स लाइसैंसों का पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं। यह पाठ्यक्रम तीन वर्ष तक चलता है। जिन लोगों ने गणित और फ़िज़िक्स लेकर विमान इंजीनियर की डिग्री प्राप्त की हो उनके लिए उच्च शिक्षा का प्रबन्ध है। गणित, फ़िज़िक्स और कैमिस्ट्री लेकर इन्टर पास करने वाले व्यक्ति कलकत्ते के हवाई अड्डे पर तीन वर्ष दी जाने वाली हवाई जहाज़ अनुरक्षण इंजीनियरिंग का सर्टीफिकेट कोर्स कर सकते हैं। मैट्रिक पास व्यक्तियों के लिए दो वर्ष हवाई-इंजीनियर का कोर्स करने के बाद एक साल की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का प्रबन्ध है। यह ट्रेनिंग पूरी हो जाने पर वे 'सी' लाइसैंस की परीक्षा दे सकते हैं। दिल्ली, जालन्धर, कलकत्ता, पटना, बम्बई, मद्रास, जयपुर, नागपुर, कानपुर और बंगलौर के फ्लाइंग क्लबों

में हवाई जहाज के अनुरक्षण सम्बन्धी ट्रेनिंग का प्रबन्ध है। इंटरमीडिएट (साइंस) पास व्यक्ति इस तीन साल के कोर्स में प्रवेश पा सकते हैं।

इस सम्बन्ध मे अधिक सूचना प्राप्त करने के लिए (1) प्रधान निदेशक, सिविल विमान, नई दिल्ली, (2) प्रधानाध्यापक, सिविल वैमानिकीय प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद, (3) किसी फ्लाइंग क्लब के अवैतनिक सचिव, (4) हवाई मुख्यालय, नई दिल्ली, (5) किसी ऐसी इंजीनियरी संस्था के प्रधानाध्यापक जहाँ विमान-शास्त्र का प्रशिक्षण दिया जाता हो और (6) निकटतम नियोजन कार्यालय से पत्र-व्यवहार करें।

ग्रामसेवक—स्वतन्त्रता मिल जाने के बाद भी हमारे गाँवो का स्तर अभी तक उठा नही है। किसान खेती और माल बेचने के पुराने ढंग अपनाये हुये हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र मे शहरो से बहुत पिछड़े हुए हैं। ग्रामीण जीवन का स्तर ऊँचा उठाने के लिए देश-भर में सामुदायिक विकास योजनाएँ प्रारम्भ की गई हैं। इन योजनाओं के अन्तर्गत बहुत-से कार्यकर्त्ता आते हैं, किन्तु इन कार्यकर्त्ताओं मे ग्रामसेवक सबसे महत्त्वपूर्ण है। वह ग्राम को खण्ड से तथा सरकार को जनता से जोड़ने वाली महत्त्वपूर्ण कड़ी है। उसका काम गाँव वालो की समस्याओ को हल करना एवं विकास की योजनाओ को लागू करना है। इसके लिए उसे गाँव वालों के साथ घुल-मिलकर रहना पड़ता है। एक ग्रामसेवक के कार्यक्षेत्र में लगभग दस गाँव आते हैं। इन गाँवो के साथ नियमित रूप से सम्पर्क रखने के लिए वह दूर-दूर तक साइकल पर या पैदल सफर करता है। जाहिर है कि यह काम करने के लिये उसे कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। ग्रामसेवक का काम करने वालो के लिए ग्रामीण जीवन से परिचय, कृषि-सम्बन्धी विषयों का व्यावहारिक ज्ञान और समाज-सेवा की लगन होना बहुत

आवश्यक है।

ग्रामसेवक की नौकरी प्राप्त करने के लिए सम्बन्धित राज्य के विकास-कमिश्नर को अर्ज़ी दी जानी चाहिए । मैट्रिक पास व्यक्तियों को ग्रामसेवक के रूप में चुन लिये जाने के बाद लगभग दो साल की ट्रेनिंग दी जाती है। इस ट्रेनिंग में एक साल कृषि की बुनियादी ट्रेनिंग, छः महीने विस्तार-कार्य की ट्रेनिंग और कुछ समय तक अन्य आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाता है। इन सभी प्रशिक्षणों में रहने का इन्तज़ाम मुफ्त और वज़ीफा साथ होता है। एक बार नियुक्त कर दिये जाने पर ग्रामसेवक को साधारणतः सवा सौ रुपया वेतन मिलता है।

ग्रामसेविका—अनपढ़ तथा संकोची होने के कारण भारत के ग्रामों में रहने वाली अधिकांश नारियां शहरी औरतों की भांति नागरिक जीवन में खुलकर भाग नहीं लेतीं। इन्हीं महिलाओं की सहायता करने के लिये गांवों में ग्रामसेविकाओं की नियुक्ति की जाती है ताकि इन्हें अपने दैनिक और कृषि जीवन से सम्बन्धित नई-नई बातों का पता चलता रहे। ग्रामसेविका का काम गांव में रहने वाली औरतों को गृहस्थी, पोषण, खेती, पाक-कला और प्रसूति की समस्याओं के बारे में आवश्यक सलाह देना है। अपने काम के दौरान ग्रामसेविका को नियमित रूप से घरों में जाना और मिलजुल-कर रहना पड़ता है। कई बार उन्हें विरोध का सामना भी करना पड़ता है, इसलिए आवश्यक है कि ग्रामसेविका में सहानुभूति, व्यवहार-कुशलता तथा ग्रामीणों की समस्याएँ समझने की सच्ची कामना हो।

ग्रामसेविका चुने जाने के लिए मैट्रिक पास और ग्रामीण जीवन से परिचित होना आवश्यक है। आयु के बारे में कोई विशेष रोक-टोक नहीं है, किन्तु साधारणतः 18 और 25 वर्ष के बीच की महिलाओं को चुना जाता है। प्रशिक्षण के लिए चुनी

धीरे-धीरे मोटर-मिस्त्री, बुलडोजर चलाने वाला, ट्रैक्टर-चालक इत्यादि अन्य काम भी सीख सकता है। कलकत्ता की मैसर्स डेवीसन एंड कम्पनी लिमिटेड, मैसर्स ब्रिटेनिया इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, मैसर्स जॉन्स फौंडर्स लिमिटेड जैसी फर्मों में भी इस काम का प्रशिक्षण मिल सकता है। देश में जिस गति से प्रति-दिन नई-नई सड़कों का निर्माण हो रहा है, उसे देखते हुए रोलर चलाने वालों की आवश्यकता कम नहीं होगी। इस सम्बन्ध में नौकरियों की सूचना सी०पी०डब्ल्यू०डी० डिपार्टमेंट म्युनिसिपल कमेटी, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, कैन्टोनमेंट बोर्डों, रेलवे और निजी उद्योगों, सिमेंट के कारखानों, चाय के बागों और बड़ी-बड़ी फैक्टरियों से मिल सकती है।

ड्रिलर्स—धरती को रत्नगर्भा कहा जाता है। मनुष्य प्रारम्भ से ही धरती में गड़े हुए लोहा, सोना, कोयला और मिट्टी के तेल जैसे बहुमूल्य पदार्थों की खोज करता रहा है। वैज्ञानिक खनिज पदार्थों की खोज करने के लिए उपयुक्त स्थान ढूंढ लेने के बाद वहां ड्रिलिंग करते हैं। ड्रिलिंग द्वारा जमीन में छेद करके इस बात की परीक्षा की जाती है कि वहां वास्तव में खनिज पदार्थ है भी या नहीं।

ड्रिलिंग का काम सीखने के लिए किसी भी ड्रिलिंग यूनिट के साथ रिजमैन अथवा खलासी के रूप में काम करना पड़ता है। 5-6 वर्ष खलासी या रिजमैन के रूप में काम करने के बाद ही व्यक्ति ड्रिलर बन पाता है। चूंकि भारत में खनिज पदार्थों को निकालने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है तथा वैज्ञानिक स्थान-स्थान पर कोयला, मैंगनीज, कच्ची धातु, तांबा, सीसा, जस्ता इत्यादि का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, अतः सरकारी विभागों में ड्रिलिंग का डिपार्टमैंट बढ़ता जा रहा है। गैर-सरकारी उद्योगों में भी ड्रिलरों की मांग बनी ही रहती है।

इस सम्बन्ध में विशेष जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित स्थानों से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए—(1) भारतीय खनिज विभाग, नई दिल्ली, नागपुर (दि इंडियन ब्यूरो आफ माइन्स, नई दिल्ली, नागपुर)। (2) भारतीय भू-गर्भ सर्वेक्षण संस्था, कलकत्ता (दि ज्योलोजिकल सर्वे आफ इंडिया, कलकत्ता)। (3) तेल और प्राकृतिक गैस कमीशन, नई दिल्ली, (दि आयल एंड नेचुरल गैस कमीशन, नई दिल्ली)।

खरादिया—धातु के टुकड़ों को काटने और तराशने के लिए खराद पर चढ़ाया जाता है। खराद एक मशीन है जो धातु के टुकड़ों को काटने समय सहारा देती है और घुमाती रहती है। खराद में साधारण रूप से ढलवाँ लोहे की एक लम्बी समतल चौकी पर घूमने वाला धुरा होता है और दूसरे पुर्ज़ों की गति को कंट्रोल करने के लिए एक लीवर लगा होता है। खरादिये का काम धातु को खराद पर चढ़ाकर आवश्यकतानुसार छेद करना, चूड़ियाँ काटना या कोई विशिष्ट आकार देना है। अपने काम में दक्ष होने के लिए खरादिये को नक्शे पढ़ना, खाके बनाना और रेखाचित्र समझना आना चाहिये। उसे काम के दौरान किसी भी धातु पर काम करना पड़ सकता है। यही नहीं, उसे कई बार बारीक औज़ारों की सहायता से अत्यन्त नफ़ीस काम भी करना पड़ता है। खरादिया कारखाने में काम करता है और तेल-चिकनाई तथा मशीनों के निरन्तर सम्पर्क में रहने से उसके कपड़े मैले हो जाते हैं। खरादिये का काम बड़ी मेहनत और सूझ-बूझ का काम है। अतः इस काम को सीखने के लिए हाथ की सफाई और मेहनत करने की लगन होना जरूरी है।

मामूली पढ़े-लिखे आदमी से लेकर मैट्रिक पास पढ़े-लिखे व्यक्ति तक कोई भी आदमी 3-4 साल में अनुभवी खरादिया बन सकता है। सरकार द्वारा चलाए जाने वाले औद्योगिक

मोटे-मोटे [illegible], [illegible], [illegible]

इत्यादि [illegible] की [illegible] जाता है। [illegible] की [illegible]

[illegible] इंजीनियरिंग वर्क्स

लिमिटेड, [illegible] जैसी फर्मों में भी इन

[illegible] किया जा सकता है। देश में जिस गति से प्रति-

दिन नई-नई मशीनों का निर्माण हो रहा है, उसे देखते हुए [illegible]

[illegible] की आवश्यकता कम नहीं होगी। इस सम्बन्ध में

नौकरियों की [illegible] सी०पी०डब्ल्यू०डी० डिपार्टमेंट म्यु-

निसिपल कमेटी, [illegible] बोर्ड, [illegible] बोर्डों, रेलवे और

निजी उद्योगों, सिमेंट के कारखानों, चाय के बागों और बड़ी-बड़ी

फैक्ट्रियों में मिल सकती है।

ड्रिलर—धरती को रत्नगर्भा कहा जाता है। मनुष्य प्रारम्भ से ही धरती में गड़े हुए लोहा, सोना, कोयला और मिट्टी के तेल जैसे बहुमूल्य पदार्थों की खोज करता रहा है। वैज्ञानिक खनिज पदार्थों की खोज करने के लिए उपयुक्त स्थान ढूंढ लेने के बाद वहां ड्रिलिंग करते हैं। ड्रिलिंग द्वारा जमीन में छेद करके इस बात की परीक्षा की जाती है कि वहां वास्तव में खनिज पदार्थ है भी या नहीं।

ड्रिलिंग का काम सीखने के लिए किसी भी ड्रिलिंग यूनिट के साथ रिजमैन अथवा खलासी के रूप में काम करना पड़ता है। 5-6 वर्ष खलासी या रिजमैन के रूप में काम करने के बाद ही व्यक्ति ड्रिलर बन पाता है। चूंकि भारत में खनिज पदार्थों को निकालने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है तथा वैज्ञानिक स्थान-स्थान पर कोयला, मैंगनीज, कच्ची धातु, तांबा, सीसा, जस्ता इत्यादि का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, अतः सरकारी विभागों में ड्रिलिंग का डिपार्टमेंट बढ़ता जा रहा है। गैर-सरकारी उद्योगों में भी ड्रिलरों की मांग बनी ही रहती है।

इस सम्बन्ध में विशेष जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित स्थानों से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए—(1) भारतीय खनिज विभाग, नई दिल्ली, नागपुर (दि इंडियन ब्यूरो आफ माइन्स, नई दिल्ली, नागपुर)। (2) भारतीय भू-गर्भ सर्वेक्षण संस्था, कलकत्ता (दि ज्योलोजिकल सर्वे आफ इंडिया, कलकत्ता)। (3) तेल और प्राकृतिक गैस कमीशन, नई दिल्ली, (दि आयल एंड नेचुरल गैस कमीशन, नई दिल्ली)।

खरादिया—धातु के टुकड़ों को काटने और तराशने के लिए खराद पर चढ़ाया जाता है। खराद एक मशीन है जो धातु के टुकड़ों को काटते समय सहारा देती है और घुमाती रहती है। खराद में साधारण रूप से ढलवां लोहे की एक लम्बी समतल चौकी पर घूमने वाला धुरा होता है और दूसरे पुर्जों की गति को कंट्रोल करने के लिए एक लीवर लगा होता है। खरादिये का काम धातु को खराद पर चढ़ाकर आवश्यकतानुसार छेद करना, चूड़ियाँ काटना या कोई विशिष्ट आकार देना है। अपने काम में दक्ष होने के लिए खरादिये को नक्शे पढ़ना, खाके बनाना और रेखाचित्र समझना आना चाहिये। उसे काम के दौरान किसी भी धातु पर काम करना पड़ सकता है। यही नहीं, उसे कई बार बारीक औज़ारों की सहायता से अत्यन्त नफीस काम भी करना पड़ता है। खरादिया कारखाने में काम करता है और तेल-चिकनाई तथा मशीनों के निरन्तर सम्पर्क में रहने से उसके कपड़े मैले हो जाते हैं। खरादिये का काम बड़ी मेहनत और सूझ-बूझ का काम है। अतः इस काम को सीखने के लिए हाथ की सफाई और मेहनत करने की लगन होना जरूरी है।

मामूली पढ़े-लिखे आदमी से लेकर मैट्रिक पास पढ़े-लिखे व्यक्ति तक कोई भी आदमी 3-4 साल में अनुभवी खरादिया बन सकता है। सरकार द्वारा चलाए जाने वाले औद्योगिक

प्रशिक्षण-केन्द्रों में खरादिये का काम सिखाने की कोई फीस नहीं ली जाती, बल्कि ऊपर से योग्य विद्यार्थियों को वज़ीफा दिया जाता है। रोज़गार की दृष्टि से जहाँ कहीं मशीनरी का काम होगा, खरादिये की जरूरत पड़ेगी। छोटे और बड़े टैक्निकल उद्योगों, रेलवे, डिफैंस सर्विसिज़, जहाज़ के कारखानों, आर्डनेंस फैक्ट्रीज़, ढलाई के कारखानों, मोटर के कारखानों, मशीनी औज़ार बनाने के कारखानों में खरादिये की माँग सदैव बनी रहती है। यदि कोई खरादिया मेहनती हो तो थोड़ी-सी पूँजी लगाकर नौकरी करने की बजाय स्वयं मरम्मत और छोटे-मोटे काम की वर्कशाप खोल सकता है।

टाइप-सेटिंग मशीन का परिचालक—भारत में शिक्षा का प्रचार तेज़ी से हो रहा है। पुस्तकें शिक्षा का आधार-स्तम्भ हैं तथा प्रेस पुस्तकों के निर्माता। अखबारों, पत्रिकाओं, पुस्तकों की खपत बढ़ने से देश में नए-नए प्रेस खुल रहे हैं। छोटे-छोटे प्रेसों में हाथ से कम्पोजिंग की जाती है। किन्तु जिन कारखानों में एक समय में दस-दस बीस-बीस हजार किताबें छपती हैं वहाँ लिनो-टाइप, इन्टर टाइप, मोनो टाइप तथा फोटो सैटिंग कम्पोज़िंग मशीनों द्वारा किया जाता है। अखबारों में जितनी तेज़ी से समाचार आते हैं और छपते हैं, उतनी तेजी से यदि हाथ से कम्पोजिंग शुरू कर दिया जाए तो अखबार समय पर निकलना असम्भव हो जाए। अत: तेज़ी से ठीक-ठीक कम्पोजिंग करने के लिए आजकल के अधिकांश छापेखानों में भिन्न-भिन्न प्रकार की आटोमैटिक कम्पोज़िंग मशीनें लगाई जा रही हैं। इन मशीनों द्वारा कम्पोज़िंग करने वाले को टाइप-सेटिंग मशीन का परि-चालक कहा जाता है।

टाइप-सेटिंग मशीन का परिचालक होने के लिए कम-से-कम मैट्रिक होना आवश्यक है। किन्तु कुछ लोग मैट्रिक न होने

ार भी, अनुभव से ही सारा काम सीख लेते हैं। अलीगढ़, कलकत्ता, नई दिल्ली और शिमला के सरकारी छापेखानों में टाइप-सेटिंग मशीन का परिचालक बनने के कोर्स प्रारम्भ किये गए हैं। इन कोर्सों मे 15 से 18 वर्ष तक की अवस्था के मैट्रिक पास लड़कों को 4 साल तक काम सिखाया जाता है। इस अवधि में सरकार उन्हें वजीफा देती है। शिक्षार्थी ट्रेनिंग के दौरान चाहे तो बी० ए०, एम०ए० जैसा कोई अपर कोर्स भी साथ-साथ कालेज मे अध्ययन कर सकते हैं। जो लोग मैट्रिक न होते हुए भी भली-भांति अंग्रेजी समझ लेते हैं, उनके लिए दो वर्ष का एक अलग कोर्स है। कोर्स कर लेने के बाद कम-से-कम 250 रुपये महीना की नौकरी निश्चित रूप से मिल जाती है। इस सम्बन्ध में अधिक सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित पतों पर सम्पर्क स्थापित करना चाहिए :—

(1) भारत सरकार का कोई छापाखाना। (2) राज्य सरकार के छापेखाने। (3) दि आल इंडिया फेडरेशन आफ मास्टर प्रिंटर्स, 42, ब्राडवे, मद्रास। (4) दि कलकत्ता एसोसिएशन आफ मास्टर प्रिंटर्स। (5) दि दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन, 9/4, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। (6) इलाहाबाद, बम्बई, कलकत्ता और मद्रास स्थित मुद्रण के क्षेत्रीय स्कूल। (7) रोजगार दफ्तर।

वाष्पित्र परिचर (बायलर अटैंडैंट)—उद्योगों को चलाने के लिए भाप की बहुत बड़ी मात्रा में आवश्यकता पड़ती है। जो लोग विभिन्न उद्योगों मे भाप पैदा करने के काम की देख-भाल करते हैं उन्हें वाष्पित्र परिचर (बायलर अटैंडैंट) कहा जाता है। वाष्पित्र परिचर ठीक-ठीक [illegible] में सही किस्म की भाप पैदा [illegible] गर्मी और शोरोगुल [illegible] इत्यादि आग जलाने, [illegible] करते हैं।

गरम काम होने के कारण इसमें बड़ी मेहनत करने की क्षमता होना अत्यावश्यक है।

वाष्पित्र परिचर बनने के लिए दूसरी श्रेणी की योग्यता का प्रमाणपत्र पाना आवश्यक है। इस प्रमाणपत्र के लिए उद्योग विभाग के अधीन राज्य वाष्पित्र निरीक्षणालय की ओर से एक परीक्षा ली जाती है। परीक्षा में बैठने के लिए शिक्षा-सम्बन्धी कोई विशेष शर्त नहीं है, किन्तु इक्कीस वर्ष से कम आयु के जो लोग कम-से-कम तीन वर्षों तक स्वीकृत ढंग के वाष्पित्रों पर काम कर चुके हों इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। इस प्रकार वाष्पित्र परिचर बनने से पहले दो-तीन वर्ष तक फायरमैन, खलासी या स्टोकर की हैसियत से काम करना जरूरी है। आमतौर से वाष्पित्र परिचर के लिए कारखानों से बाहर ट्रेनिंग का कोई इन्तजाम नहीं लेकिन सरकारी पालीटेकनीक, जबलपुर; यादवपुर पालीटेकनीक, यादवपुर, कलकत्ता; के०वी० इंजीनियरिंग इंस्टीच्यूट, विष्णुपुर, पश्चिमी बंगाल, नेशनल टैकनो-कामर्शियल इंस्टीच्यूट, आसनसोल और इंस्टीच्यूट आफवोकेशनल ट्रेनिंग, चन्द्रनगर जिला हुगली में दो साल की इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के दौरान वाष्पित्रपरिचर का काम भी सिखाया जाता है। वाष्पित्र परिचर को ऐसे सभी संस्थानों में नौकरी मिल सकती है, जहाँ बिजली पैदाकरने और किसी अन्य काम के लिए हाथ का प्रयोग किया जाताहै। इन संस्थानों में भाप से चलने वाले सैनिक और व्यापारी जहाज, दवाइयों के कारखाने, रुई, सूती कपड़ा, चीनी, सीमेंट इत्यादि की फैक्ट्रियाँ, भाप से रबड़ और चमड़े का परिष्कार करने वाली संस्थाएँ तथा खाद्य और डेरी पदार्थों का परिष्कार करने वाले संस्थान उल्लेखनीय हैं।

टीका लगाने वाला—आपने टीका तो जरूर लगवाया होगा। टीका लगाने वाले का काम चेचक, तपेदिक आदि से

एक मशीनी औजार बनाने वाले की कुशलता इस बात पर निर्भर है कि वह कितनी सफाई से अपना काम करता है। काम अच्छी तरह करने के लिए व्यक्ति में शारीरिक बल, मजबूत हाथ-पाँव, तेज नजर और हाथ की सफाई होना आवश्यक है। औजार-निर्माता बनने के लिए साधारण रूप से दो साल तक ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। वे लोग जो मशीनिस्ट, फिटर या खरादिये रह चुके हैं, इन दो सालों में ही पूरा काम सीख लेते हैं, किन्तु जो लोग बिल्कुल नौसिखिये हैं उन्हें यह काम सीखने में चार-पाँच साल लग जाते हैं।

औजार-निर्माता का काम सिखाने के लिए केन्द्रीय सरकार की ओर से आर्डनेंस फैक्ट्रियों, रेलवे कारखानों और हिन्दुस्तान मशीन टूल्ज लिमिटेड (बंगलौर), इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज (बंगलौर), नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स फैक्ट्री (कलकत्ता), मशीन टूल प्रोटोटाइप फैक्ट्री (अम्बरनाथ) में ट्रेनिंग का इन्तजाम है। इस ट्रेनिंग में प्रवेश पाने के लिए कम-से-कम मैट्रिक पास होना जरूरी है। ट्रेनिंग मुफ्त दी जाती है, लेकिन खाने-पीने का इन्तजाम व्यक्तियों को खुद करना पड़ता है। रहने का प्रबन्ध सरकार की ओर से होता है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मेरठ में औजार बनाने के लिए दो साल की ट्रेनिंग की व्यवस्था है। इस ट्रेनिंग के दौरान भी वही व्यक्ति प्रशिक्षण पा सकते हैं जिनकी आयु 16 और 25 वर्ष के बीच हो। ट्रेनिंग के लिए कोई फीस नहीं ली जाती और चुने हुए व्यक्तियों को छात्र-वृत्तियाँ दी जाती हैं। राज्य सरकारों अथवा गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा चलाए जाने वाले उद्योगों में कोई बेसिक टैक्निकल ट्रेनिंग कर लेने के बाद औजार बनाने का काम सीख लेने में दो या तीन वर्ष से अधिक नहीं लगते। देश में दस्ती औजारों की बढ़ती हुई माँग को देखकर औजार बनाने वाले कारीगरों

के महत्त्व का अनुमान सहज ही लगाया जाता है।

दन्तशिल्पी—भोजन शरीर का ईंधन है और इसे चवाने का काम दाँत करते हैं। दाँत खराब हो जायें तो स्वास्थ्य नष्ट हो जाता है। दन्तशिल्पी इन्हीं दांतों की देखभाल करता है। डैंटल सर्जन का असिस्टेंट होने के नाते उसका काम नकली दांत वनाना, सर्जरी के औजारों की देखभाल करना, रोगियों के दाँतों पर जमी हुई गन्दगी को दूर करना तथा उन्हें स्वास्थ्य-सम्बन्धी हिदायतें देना है। वह नक़ली दाँत लगाता है। दाँतों में सोना अथवा सिमेंट भरता है तथा साँचे तैयार करता है। दन्त-कार भी हाथ का ही कारीगर है, अतः आवश्यक है कि उसे यन्त्रों का उपयोग, प्लास्टर और चीनी मिट्टी के साँचे वनाना तथा नाज़ुक औज़ारों का उपयोग करना आता हो। दन्त-सर्जन को घण्टों खड़ा रहना पड़ता है, अतः उसके शरीर में मेहनत करने की क्षमता भी होनी चाहिये।

मैट्रिक (साइंस) पास व्यक्ति दो वर्ष का कोर्स करने के वाद दन्त-सर्जन वन सकते हैं। इस कोस के दौरान लगभग 150 रु० महीने का खर्च होता है। देश में स्वास्थ्य-योजनाओं का विकास होने के साथ-साथ लोग दाँतों की सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान देने लगे हैं। यही नहीं, हमारे यहाँ डैंटल सर्जनों की भी भारी कमी है, अतः उन्हें असिस्टेंटों की आवश्यकता रहती है ताकि वे छोटे-मोटे काम दन्तशिल्पियों को सौंपकर स्वयं बड़े-बड़े रोगों का निदान कर सकें। प्रयोगशाला के यन्त्रों की देखभाल के लिए भी अनुभवी दन्तशिल्पियों की माँग वनी ही रहती है। इस विषय में प्रशिक्षण सम्बन्धी सुविधाओं, व्यावसायिक सम्भावनाओं आदि के सम्वन्ध में अधिक जानकारी के लिए इनसे सम्पर्क स्थापित करना चाहिए—(1) प्रिंसिपल, सर सी०ई०एम० डैन्टल [illegible]। (2) सचिव, भारतीय दन्त परिषद् (डैन्टल

काउंसिल आफ इंडिया), नई दिल्ली। (३) अपने राज्य की दन्त-परिषद् (डेंटल काउंसिल) के सचिव। 4—स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रधान निदेशक, भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय अथवा (5) अपने राज्य के स्वास्थ्य व्यवस्था केनिदेशक।

सामान्य बेंच फिटर—बड़ी-बड़ी मशीनें छोटे-छोटे पुर्जों से बनती हैं। जो व्यक्ति इन पुर्जों को जोड़कर मशीनें बनाता है, उसे सामान्य बेंच फिटर कहते हैं। सामान्य बेंच फिटर का काम पुर्जों की मरम्मत करना है। वह सभी तरह की हल्की-भारी मशीनों, औजारों, इंजिनों तथा बन्दूक इत्यादि अस्त्र-शस्त्रों को तोड़ना-जोड़ना जानता है। एक बार सामान्य बेंच फिटर बन जाने के बाद व्यक्ति किसी भी विशेष लाइन में विशेष ज्ञान प्राप्त कर सकता है। जो फिटर जिस मशीन का काम करता है, उसे उसी नाम से पुकारा जाता है, जैसे—मशीनी औजार फिटर, छपाई मशीन फिटर, टैक्सटाइल मशीन फिटर, टर्बाइन फिटर, रेल इंजिन फिटर, हथियार फिटर इत्यादि। एक फिटर को प्रारम्भिक ट्रेनिंग में सभी प्रकार की धातुओं का ज्ञान, धातुओं को तपाने की प्रक्रिया, औजारों का उपयोग, छेद करने, छीलने, आरा चलाने, रेती से घिसने, चूड़ी डालने और ठप्पों की ढलाई करने की कला, टांका लगाना, झलाई करना, ठप्पों की फिटिंग और मशीन के पुर्जों की पूरी जानकारी आनी है।

मशीन फिटर का काम किसी बड़े कारखाने में या सरकार द्वारा खोली गई इंडस्ट्रियल टैक्निकल इंस्टीच्यूटों में सीखा जा सकता है। ट्रेनिंग पूरी होने में 2 से 5 साल लगते हैं। इस दौरान सरकार अथवा कारखाने द्वारा छोटा-मोटा वजीफा भी मिलता रहता है। फिटर का काम सीखने के लिए यदि व्यक्ति मिडल अथवा मैट्रिक पास हो तो अच्छा है, किन्तु मेहनती व्यक्ति अनपढ़ होते हुए भी फिटर के काम में दक्ष हो सकता है। एक बार

कुशल हो जाने के बाद एक फिटर के लिए 10 से 20 रुपये रोज़ कमा लेना कोई कठिन बात नहीं है ।

अन्तर्दहन इंजिन का कारीगर—अधिकतर मशीनें बिजली अथवा डायनेमो से चलती हैं। डायनेमों में यान्त्रिक ऊर्जा पैदा करने के लिए दो तरह के इंजिन इस्तेमाल किये जा सकते हैं। एक वेजो भाप से चलते हैं तथा दूसरे वे जो पेट्रोल या डीजल से चलते हैं। पेट्रोल या डीज़ल से चलने वाले इंजिनों को अन्तर्दहन इंजिन कहा जाता है क्योंकि इन इंजिनों का ईधन भीतर-ही-भीतर जलता है। अन्तर्दहन इंजिन के कारीगर का काम पेट्रोल और डीज़ल इंजिनों को चलाना और उनकी मरम्मत करता है। वह इन इंजिनों की हर हालत में देखभाल करता है। उसे कारखानों, बिजलीघरों और औद्योगिक संस्थानों में नौकरी करनी पड़ती है। पुर्ज़ों की सफाई करने, तेल और चिकनाई डालने तथा मशीनों से घिरे रहने के कारण उसके हाथ और कपड़ं तेल से गन्दे हो जाते हैं। वह मरम्मत का काम गन्दे फर्श पर, सड़कों के किनारे अथवा ज़मीन पर लेटे हुए कमर और घुटनों के बल झुक-कर करता है, इसलिये आवश्यक है कि जो व्यक्ति सख्त मेहनत और कारखानों के कोलाहल में भी एकाग्रता से काम करने की सामर्थ्य रखते हों वही उस काम को करें।

इस काम को सीखने के लिए किसी कारखाने में अप्रेंटिसशिप या किसी इंडस्ट्रियल इस्टीच्यूट में डिप्लोमा किया जा सकता है। डिप्लोमा की अवधि तीन वर्ष एवं योग्यता मैट्रिक (विज्ञान) तथा ट्रेंड सर्टिफिकेट की अवधि दो वर्ष और योग्यता मामूली शिक्षा है। अधिकांशतः पढ़ाई की फीस नहीं ली जाती और योग्य उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति दी जाती है। मैट्रिक पास विद्यार्थी इसी क्षेत्र में मोटर मकैनिक या इंजिन मकैनिक का डिप्लोमा कर सकते हैं। एक बार यह डिप्लोमा कर लेने के बाद व्यक्ति को किसी

भी स्थान पर कम-से-कम 250 रु० की नौकरी मिल सकती है।

वातानुकूलन तथा प्रशीतन यांत्रिक (रेफ्रीजरेशन एवं एयर-कंडीशनिंग)—विज्ञान का उद्देश्य प्रारम्भ से ही हवा, पानी और मौसम पर काबू पाना है। बिजली का आविष्कार हो जाने के बाद यह काम और भी आसान हो गया है। मौसम के टैम्परेचर पर नियन्त्रण पा लेने की इस क्षमता को वातानुकूलन (रेफ्रीजरेशन) कहा जाता है। आजकल रेफ्रीजरेटरों का उपयोग केवल घरों और दफ्तरों में ही नहीं, बल्कि बड़े बड़े औद्योगिक संस्थानों और कोल्ड स्टोरेज में भी होता है। रेफ्रीजरेशन का कोर्स करने के लिए व्यक्ति का कम-से-कम मैट्रिकुलेट होना आवश्यक है। मैट्रिकुलेट होने के बाद वह (1) इण्डियन ट्रेनिंग सेंटर, एस०-एन० कलकत्ता, (2) इन्स्टीट्यूट आफ आटो-इंजीनियरिंग, लोअर सर्कुलर रोड, कलकत्ता, (3) इण्डियन ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट, पूना, दिल्ली, (4) इण्डियन ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट, आलमबाग, लखनऊ, (5) इण्डियन ट्रेनिंग सेन्टर, पूना में से किसी भी संस्था में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। कलकत्ते की इण्डियन सोसायटी आफ रेफ्रीजरेटिंग इंजीनियरिंग भी रेफ्रीजरेशन का एक कोर्स चलाती है। इस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए व्यक्ति का कम-से-कम इंटर साइंस होना आवश्यक है। यह कोर्स एक साल में पूरा किया सकता है।

भारत जैसे देश में जहाँ इतनी तेज गर्मी पड़ती है, ज्यों-ज्यों बड़े दफ्तर, बैंक, स्टूडियो, सिनेमाघर, डिपार्टमेंट स्टोर, अस्पताल, दवा-गोदाम और कोल्ड स्टोरेज खुलेंगे, एयर कंडीशन का महत्व बढ़ेगा। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित पतों पर पत्रव्यवहार करना चाहिए—

(i) दि एसोसिएशन आफ डिप्लोमा आफ टेक्निकल इन्स्टीट्यूट, पालीटेक्नीक, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(ii) दि इण्डियन सोसायटी आफ रेफ्रीजरेटिंग इंजीनियर्स, 7, हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता।

नलकार—पानी मनुष्य की महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है। किसी भी नगर, गाँव अथवा बस्ती को रहने योग्य बनाने के लिए यह आवश्यक है कि घरों में शुद्ध पानी मिलने और गन्दा पानी बाहर निकालने की व्यवस्था हो। नलकार यही व्यवस्था करता है। वह नगरों और शहरों में पानी पहुँचाने की व्यवस्था तथा गन्दे पानी को बाहर निकालने का इन्तज़ाम करता है। नलकार का काम नलों को मिलाकर जोड़ना, फिट करना, लगाना, इन नलों की अनुरक्षा और मरम्मत करना तथा स्थान-स्थान पर स्वच्छ पानी देने के लिए टूटियाँ लगाना है। इसके अतिरिक्त वह छत की नालियों, मैदान की नालियों, तैरने के तालाबों, पानी के बम्बों, डायनेमो और नालियों की सफाई एवं फिटिंग की व्यवस्था करता है। नलकारी का काम सीखने के लिए किसी भी सरकारी अथवा गैर-सरकारी संस्था में दो-तीन वर्ष तक ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। वैसे तो नलकार का काम सीखने के लिए कोई विशेष योग्यता आवश्यक नहीं है, किन्तु यदि कोई मैट्रिक या मिडल पास हो तो वह शीघ्र ही उन्नति कर सकता है। नलकार अपनी ट्रेनिंग के दौरान नील-नक्शे पढ़ना, नलों को लगाना और जोड़ना, नलों एवं जुड़नारों की मरम्मत एवं देख-भाल, औज़ारों की निगरानी तथा औजारों का उपयोग सीखता है। यह प्रशिक्षण कोर्स एक से दो वर्ष तक चलते हैं। विद्यार्थियों की आयु कम-से-कम 14-15 वर्ष तथा अधिक-से-अधिक 25 वर्ष होनी चाहिये।

नलकार का काम सीख लेने के बाद ठेकेदारों, सफाई इंजीनियरी की फर्मों, सरकारी सफाई एवं जल विभागों, स्वास्थ्य विभागों, प्रतिरक्षा विभागों, गाड़ियों, रेलवे जल और मल निकास मण्डलों

आदि विभागों में नौकरी मिल सकती है। बड़े-बड़े शहरों में तो नलकारों की माँग सदैव ही बनी रहती है। निजी फर्मों में अंडर-मैट्रिक नलकारों को 125 से 200 रुपये मासिक तक की तनख्वाह मिल जाती है।

नक्शानवीस—इमारतें, सड़कें और अन्य भवन बनाने के लिए पहले नक्शा बनाना आवश्यक होता है। मूल नक्शे बन जाने के बाद इन नक्शों की जाँच की जाती है तथा यह देखा जाता है कि नक्शे पूरी तरह इमारतों के अनुकूल और कानून के अनुसार हैं या नहीं। जहाँ आवश्यकता पड़े, इन नक्शों को बदलकर ठीक कर दिया जाता है। एक बार फाइनल नक्शा तैयार हो जाने पर फिर इस नक्शे की कई प्रतियाँ तैयार की जाती हैं। किन्तु नक्शानवीस का काम केवल नक्शा तैयार करना है, अतः उसमें कलात्मक काम करने की प्रतिभा, अच्छी लिखावट और ज्योमेट्री की सूझ-बूझ होनी जरूरी है।

नक्शानवीस बनने के लिए किसी इन्डस्ट्रियल स्कूल में ट्रेनिंग लेना या इंजीनियरिंग की ट्रेनिंग लेने के बाद एकाध साल की प्रैक्टिस करना आवश्यक है। जो लोग इंजीनियरिंग किये बिना नक्शानवीस का काम सीखना चाहते हैं, उन्हें किसी मान्यता-प्राप्त संस्था में तीन या चार वर्ष तक ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। अनेक इंडस्ट्रियल और टैक्निकल इंस्टीट्यूटों में मैट्रिक पास व्यक्ति के लिए तीन वर्ष के डिप्लोमा का प्रबन्ध है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थी को आकृतियों का निर्माण, नक्शों को बनाने, तहखानों, महराबों, छतों, और सीढ़ियों की ड्राइंग, सिचाई-सम्बन्धी नाप-जोख और सर्वेक्षण सिखाया जाता है। कुछ संस्थाएँ ऐसी भी हैं जहाँ मैट्रिक पास व्यक्ति दो साल में ही सर्टीफिकेट कोर्स कर सकता है। नक्शानवीस बन जाने के बाद इंजीनियरी संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, नगरपालिकाओं,

जिला बोर्डों एवं पी०पी०डब्ल्यू० विभागों में आसानी से काम मिल जाता है। चूँकि यह काम दफ्तर के अन्दर ही बैठकर करना होता है, अतः स्त्रियाँ भी इसे भली-भांति सीख सकती हैं। देश में विकास योजनाओं और उद्योगों की बढ़ोतरी के साथ नक्शानवीसों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

मोटर इंजीनियर—मोटर इंजीनियर का काम कार, ट्रक, मोटर, बस स्कूटर, मोटर साइकल, ट्रैक्टर आदि गाड़ियों की मशीनरी को समझना, देख-भाल करना और मरम्मत करना है। मोटर इंजीनियर, काम सीखने के बाद स्वयं ही काम नहीं करता, बल्कि मजदूरों और कारीगरों में काम बांटता भी है; दूसरे कर्मचारियों के काम की देख-भाल करता है और जरूरत पड़े तो स्टोर-कीपिंग भी करता है। मोटर इंजीनियरों को आमतौर पर वर्कशापों और कारखानों में काम करना पड़ता है। उनका काम इतना महत्त्वपूर्ण होता है कि यदि गाड़ी के इंजिन में जरा-सी भी त्रुटि रह जाय तो सदैव दुर्घटना हो जाने का खतरा बना रहता है अतः मोटर इंजीनियर बनने के लिए हाथ के काम में रुचि, सूक्ष्म निरीक्षण-शक्ति और परिश्रमी होना बहुत आवश्यक है।

मोटर इंजीनियर बनने के लिए लोग साधारणतः मकैनिकल इंजीनियरिंग का कोर्स करते हैं किन्तु निम्नलिखित संस्थाओं में मैट्रिक पास व्यक्तियों के लिए तीन वर्ष से चार वर्ष तक के डिप्लोमा पाठ्य-क्रमों की व्यवस्था है: एच० आर० एच० प्रिंस आफ वेल्स टैक्निकल स्कूल, जोरहाट; एस०एन० पारिख पालीटैक्नीक इंस्टीच्यूट, सूरत; गवर्नमेंट इंजीनियरिंग स्कूल, नागपुर; गवर्नमेंट पालीटैक्नीक इंस्टीच्यूट, कालामस्सेरी; आर्थरहोप पालीटैक्नीक, कोयम्बतूर; कर्नाटक पालीटैक्नीक, मँगलौर; तमिलनाड पालीटैक्नीक, मदुराई; रामकृष्ण मिशन पालीटैक्नीक

इंस्टीच्यूट, मद्रास ; सरजयचाम राजेन्द्र आकुपेशनल इंस्टीच्यूट, बंगलौर और सर भावसिंहजी पालीटेक्नीक इंस्टीच्यूट, भावनगर।

एयर टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट, दमदम, कलकत्ता; टेक्निकल कालेज दयालबाग, आगरा और सर भावसिंहजी पाली-टकनीक इंस्टीच्यूट, भावनगर में मैट्रिक पास व्यक्तियों के लिए दो वर्ष से तीन वर्ष तक के सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम की व्यवस्था है।

सर्टीफिकेट या डिप्लोमा प्राप्त कर लेने के बाद योग्य व्यक्ति इंस्टीच्यूशन आफ इंजीनियर्स (इण्डिया) द्वारा ली जाने वाली परीक्षाओं में बैठ सकते हैं। जो लोग ऐसोसिएट परीक्षा के 'क' और 'ख' खण्डों में उत्तीर्ण होते हैं उन्हें सरकार इंजीनियरी की डिग्री वालों के समान ही मानती है। दोनों परीक्षाएँ पास करने में 1-2 वर्ष लग जाते हैं। इंस्टीच्यूशन आफ इंजीनियर्स की परीक्षा की तैयारी घर पर की जा सकती है। कुछ प्राइवेट संस्थाएँ इस परीक्षा के लिए पत्र-व्यवहार द्वारा भी शिक्षा देती हैं।

ड्राफ्ट्समैन (अनुरेखक)—इंजीनियरी निर्माण या विकास की कोई भी योजना प्रारम्भ करने से पहले नक्शे तैयार किये जाते हैं। इन नक्शों की रूप-रेखा इंजीनियर तैयार करवाता है तथा नक्शानवीस इन्हें अन्तिम रूप दे देता है। नक्शों को अन्तिम रूप देने के बाद इनकी कई प्रतियाँ तैयार की जाती हैं। ये प्रतियाँ तैयार करने का काम ट्रेसर को सौंपा जाता है। ट्रेसर का काम स्वीकृत डिजायनों एवं नक्शों की यथार्थ कापियाँ तैयार करना है। योग्य ट्रेसर बनने के लिए ड्राइंग और चित्र खींचने की योग्यता बहुत आवश्यक है। चूँकि ट्रेसर को तरह-तरह की बारीक रेखाएँ और कोण खींचने पड़ते हैं, अतः उसके हाथों में बारीकी होनी चाहिये।

ट्रेसर बनने के लिए अक्सर ठेकेदारों, इंजीनियरों अथवा

आर्कीटैक्टों के निरीक्षण में ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। जिन लोगों ने ड्राइंग लेकर मैट्रिक या मैट्रिक के बराबर कोई और परीक्षा पास की है, वे इंडस्ट्रियल और टेक्निकल स्कूलों में एक वर्ष का टेक्निकल कोर्स कर सकते हैं। ट्रेसर लिए ड्राइंग का अध्यापक बनना भी कोई कठिन काम नहीं है। कलकत्ता, लखनऊ, मद्रास, शिमला, जामिया मिलिया इत्यादि के आर्ट स्कूलों में एवं बिड़ला स्कूल आफ आर्ट्स, पिलानी; दिल्ली पालीटैक्नीक, दिल्ली; जे०जे० स्कूल आफ आर्ट्स, बम्बई, जैसी संस्थाओं में ड्राइंग अध्यापक के लिए एक वर्ष और दो वर्ष की ट्रेनिंग का प्रबन्ध है। अपने हाथ में थोड़ी-सी रवानगी कर लेने के बाद ट्रेसर ओवरसियरी, आर्कीटैक्ट अथवा नक्शा नवीसी का डिप्लोमा कर सकता है।

केवल-संयोजक (बिजली की तार डालने वाला)— रेल से यात्रा करते समय खिड़की में बैठ कर भागते हुए खम्भों को देखना बड़ा आकर्षक लगता है। इन खम्भों पर बिजली, टेलीफोन और टेलीग्राफ की तारें टँगी रहती हैं। किन्तु ये ऊपर की लाइनें यदि कई मंज़िल ऊँची इमारतों, कारखानों और भीड़-भड़क्के से भरी हुई सड़कों वाले शहरों में टेलीफोन, टेलीग्राफ, बिजली इत्यादि के खम्भों पर लगाई जाने लगें तो अनेक समस्याएँ खड़ी हो जायें। इसीलिए इंजीनियर घनी आबादी वाले इलाकों में इन तारों को ज़मीन के नीचे डालते हैं। शहरों की सड़कों पर -न-कहीं अ-स- -हो-हैया करते हुए मजदूर गढ़े खोदकर डा हुए दिखाई पड़ते हैं।

भूमि के भीतर टेलीफोन, टेलीग्राफ ा एवं उनकी देख-भाल और मरम्मत काम में लगे हुए मजदूरों का निरीक्षण ि काम में आने वाली

सामग्री का हिसाब-किताब रखता है। केबल डालने की ट्रेनिंग देने वाली एकमात्र संस्था डाक और तार-विभाग है। साधारणतः केबल-संयोजकों को पहले मजदूर के रूप में काम करना पड़ता है, फिर वे तरक्की करते हुए मुख्य मजदूर लाइनमैन, टेलीफोन-चालक, केबल-संयोजक तथा ओवरसियर तक बन सकते हैं। केबल-संयोजक की ट्रेनिंग के लिए चुने गए लाइनमैनों को जबलपुर और कलकत्ता में डाक-विभाग की ओर से चार महीने की ट्रेनिंग दी जाती है। मिडल पास व्यक्ति का केबल-संयोजक बनना अपेक्षाकृत अधिक आसान होता है। डाकतार-विभाग के अतिरिक्त केबल-संयोजकों को डिफेंस सर्विस, बन्दरगाहों, कारखानों, फैक्ट्रियों, बिजली सप्लाई मण्डलों एवं रेलवे में भी नौकरी मिल सकती है।

सर्वेक्षक—सर्वेक्षक का काम ज्योमेट्री और ट्रिगनोमैट्री के अनुसार माप लेकर किसी प्रदेश, तट, बन्दरगाह इत्यादि स्थान का रेखाचित्र बनाना है। यह रेखाचित्र बनाने से पहले सर्वेक्षक स्थान का विस्तार और स्थिति निश्चित करता है। अपने काम के दौरान सर्वेक्षक को क्षेत्र की देख-भाल और मुआयना करने के साथ-साथ कार्यालय में बैठकर नक्शे भी बनाने पड़ते हैं। वास्तव में सर्वेक्षक का असली काम तो दफ्तर के बाहर ही होता है। यह जंजीरों, फीतों, बल्लों और अन्य मापक यन्त्रों की सहायता से अपना सर्वेक्षण पूरा करता है।

सर्वेक्षक बनने के लिए १८ और २५ साल के बीच की आयु के मैट्रिक पास व्यक्तियों को एक डिप्लोमा करना पड़ता है। कुछ संस्थानों में मिडल पास व्यक्तियों को छः महीने का कोर्स करवाने के बाद सर्टीफिकेट भी दिया जाता है। इस ट्रेनिंग के दौरान छात्र औजारों का प्रयोग, सूचना इकट्ठी करना और आवश्यकता-नुसार डिजाइन बनाना सीखते हैं। ट्रेनिंग पूरी कर लेने के बाद सर्वेक्षकों को केन्द्रीय और राज्य सरकारों के लोक निर्माण विभागों,

(C.P.W.D.), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भारतीय भू-गर्भ सर्वेक्षण विभाग, कैंटोनमेंट बोर्डों, रेलवे रिसर्च इंस्टीच्यूट, औद्योगिक संस्थानों और ठेकेदारों के यहां नौकरी मिल सकती है। सिंचाई, सड़कों, रेलवे निर्माण, प्रशासन, सर्वेक्षण, नदी-घाटी, इमारतों इत्यादि सभी योजनाओं के लिए सर्वेक्षकों की आवश्यकता पड़ती है, अतः भारत जैसे विशाल देश के सही-सही नक्शे बनाने के लिए आगामी कई वर्षों तक राजनैतिक, औद्योगिक, भौगोलिक तथा अन्य नक्शे तैयार करने वाले सर्वेक्षकों की मांग बनी रहेगी।

सहायक नर्स दाई—नर्स अथवा दाई बनने के लिए मैट्रिक पास करने के बाद चार साल का कोर्स करना आवश्यक है। किन्तु नर्सों की असिस्टेंट सहायक नर्स दाई बनने के लिए दो साल की ट्रेनिंग से काम चल जाता है। इस दो साल की ट्रेनिंग में प्रवेश पाने के लिए आयु कम-से-कम सत्रह वर्ष होना तथा कम-से-कम मिडल या मैट्रिक पास होना आवश्यक है। साधारण रूप से विवाहित स्त्रियां इस ट्रेनिंग में प्रवेश नहीं पा सकतीं। किन्तु यदि वे विधवा हो चुकी हों अथवा पति से अलग रहती हों तो उन्हें छूट दे दी जाती है। ट्रेनिंग के दौरान छात्राओं को शादी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

ट्रेनिंग पूरी कर लेने के बाद सहायक नर्स को अपना नाम राज्य-नर्सिंग रजिस्टर में दर्ज करवाना पड़ता है। एक बार नाम दर्ज हो जाने पर वह सरकारी अस्पतालों, जापा तथा बाल स्वास्थ्य केन्द्रों, कमेटी और कारपोरेशन के अस्पतालों अथवा गैर-सरकारी नर्सिंग होम्स में नौकरी पा सकती है। रजिस्टर्ड दाइयाँ प्राइवेट काम भी कर सकती हैं। कोर्स पूरा कर लेने के बाद मैट्रिक पास नर्सों को आगे की ट्रेनिंग मुफ्त मिलने का इन्तजाम भी हो सकता है। इस सम्बन्ध में अन्य सूचना पाने से लिए—(१) नर्सिंग स्कूलों

के नर्सिंग अधीक्षक, (२) आपके राज्य का स्वास्थ्य सेवा निदेशक, (३) आपके राज्य का विकास कमिश्नर, (४) राज्य-नर्सिंग परिषद्, (५) भारतीय नर्सिंग परिषद्, चर्च रोड, नई दिल्ली इत्यादि से सम्पर्क स्थापित करें।

धातु-चद्दर कारीगर—पुराने जमाने में धातु-चद्दर कारीगर को ठठेरा कहा जाता था, किन्तु आजकल मशीनों, हवाई जहाजों, समुद्री जहाजों, मोटरों, मालगाडी के डिब्बों इत्यादि इतने क्षेत्रों में धातु की चद्दर का प्रयोग किया जाने लगा कि ठठेरे का काम-भर आने से व्यक्ति धातु-चद्दरों का सही प्रयोग करना नहीं सीख सकता, अतः धातु-चद्दर की वस्तुएँ तैयार करने और उनकी मरम्मत करने के लिए धातु-चद्दर कारीगरों की आवश्यकता पड़ती है। धातु-चद्दर कारीगर को हाथों के काम में दक्ष तथा शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यह काम सीखने के लिए किसी इंडस्ट्रियल स्कूल या कारखाने में ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। तीन-चार वर्ष की इस ट्रेनिंग के बाद तरह-तरह के नमूने और डिजाइन बनाना, धातु-चद्दरें काटना एवं उन्हें भिन्न-भिन्न रूप देना सिखाया जाता है। इंडस्ट्रियल स्कूल में काम सीखने वाले व्यक्ति का मिडल या मैट्रिक पास होना आवश्यक है।

व्यावसायिक स्कूल—अजमेर, अलमोड़ा, बैंगलौर, दिल्ली, फिरोजपुर, लखनऊ, पटना, पूना, कोनी (मध्य प्रदेश), गरीहट्टा, कृष्णनगर और टालीगंज (पश्चिमी बंगाल) के राज्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सास्थानिक प्रशिक्षण की व्यवस्था है जिसकी अवधि दो वर्ष है। जो लोग मैट्रिक से दो श्रेणी नीचे तक पढ़ चुके हैं और जिनकी आयु 16 वर्ष से 21 वर्ष तक है, वे इनमें भर्ती हो सकते हैं। प्रशिक्षणार्थियों से शिक्षा-शुल्क नहीं लिया जाता और कुछ चुने हुए छात्रों को 25 रु० की मासिक वृत्तियां

भी दी जाती है। विस्थापित व्यक्तियों को धातु-चद्दर का काम सिखाने के लिए पुनर्वास मन्त्रालय ने जालन्धर, रोहतक, दिल्ली, पटियाला, समाना (पंजाब) और भोपाल में प्रशिक्षण-केन्द्रों की स्थापना की है।

गैर-सरकारी व्यावसायिक स्कूलों, कुछ सरकारी पॉली-टेक्नीकों, प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केन्द्रों, सरकारी औद्योगिक स्कूलों और कला तथा शिल्प के स्कूलों में भी धातु-चद्दर के काम का प्रशिक्षण दिया जाता है। विभिन्न संस्थाओं में भर्ती होने के [illegible] भिन्न-भिन्न होते हैं किन्तु आमतौर से साधारण साक्षरता से मिडल स्कूल तक की शिक्षा आवश्यक समझी जाती है। प्रशिक्षण की अवधि कम-से-कम छः माह और अधिक-से-अधिक दो वर्ष होती है।

ट्रेनिंग पूरी कर लेने के बाद काम करने के साथ-साथ व्यक्ति की आमदनी भी बढ़ती रहती है। अधिकतर कारीगर तो अपना ही छोटा-मोटा कारखाना खोल लेते हैं, किन्तु जिनके पास कारखाना या वर्कशाप खोलने के लिए पूंजी न हो, वे धातु-चद्दरों से चीजें तैयार करने वाले उद्योगों, हवाई जहाज, और समुद्री जहाज की फैक्ट्रियों, रेलवे के कारखानों, आर्डनेंस फैक्ट्रियों और इंजीनियरिंग संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं।

मिलराइट—जो व्यक्ति कारखानों और वर्कशापों में मशीनरी की देखभाल तथा मरम्मत करता है उसे मिलराइट कहा जाता है। मिलराइट को मशीनरी की जोड़-तोड़ के अतिरिक्त खराद, मशीनिंग, लुहारगीरी, फिटिंग आदि सब प्रकार का काम आना चाहिये। मिलराइट का काम बड़े-बड़े कारखानों में मशीनें खड़ी करना, लगी हुई मशीनों की देखभाल और मरम्मत करना है। मिलराइट बनने के लिए मशीनरी के काम में रुचि, छोटी-से-छोटी बात पर ध्यान देने की क्षमता और स्वस्थ शरीर

होना आवश्यक है। मिलराइट को मशीनों के भारी पुर्जे उठाने और चलाने पड़ते हैं, अतः कमजोर शरीर वाला आदमी मिलराइट नहीं बन सकता।

मिलराइट बनने के लिए कारखानों और फैक्ट्रियों में मिडल पास व्यक्तियों को चार-पांच साल की ट्रेनिंग लेनी पड़ती है। साधारणतः उन्हें इस अवधि के दौरान कोई वेतन नहीं मिलता। मिलराइट की ट्रेनिंग के लिए सरकारी संस्थाएँ कम हैं। ट्रेनिंग पूरी कर लेने के बाद मिलराइटों को सभी ऐसे कारखानों में नौकरी मिल सकती है, जहाँ भारी और हल्की मशीनें, मोटरें, लोहे और इस्पात का काम, रेल के डिब्बे, बिजली की मोटरें और औजार बनते हों। कागज, लकड़ी, आटा पीसने, कैमिकल्स, चीनी तथा सूती कपड़ों के कारखानों में भी मिलराइटों की माँग बनी रहती है। जहाँ कहीं बड़ी-बड़ी मशीनों का काम होगा, वहाँ मिलराइटों की किसी-न-किसी काम की आवश्यकता बनी रहेगी। अधिकतर मिलराइट उन्नति करके सुपरवाइजर, चार्जमैन, फायरमैन अथवा लिफ्ट-दरवाजे बन जाते हैं।

ट्रैक्टर-चालक—आधुनिक युग में खेती-बाड़ी के लिए मशीनों का प्रयोग किया जाता है। ट्रैक्टर-चालक ट्रैक्टर चलाने के अतिरिक्त खड़ी फसल काटने, भूसा और अनाज अलग करने, साधारण कटाई और बाँधने, बीज बोने के यन्त्रों तथा पम्पों आदि का प्रयोग भी जानता है। वह समय-समय पर तेल तथा चिकनाई लगाकर ट्रैक्टर की आयलिंग तथा मरम्मत करता है। ट्रैक्टर-चालक बनने के लिए कोई भी साधारण और मामूली पढ़ा-लिखा आदमी ट्रेनिंग ले सकता है किन्तु जिन लोगों के पास बड़ी मोटर चलाने का लायसेंस हो उन्हें तरजीह दी जाती है। ट्रेनिंग की अवधि सात दिन से लेकर तीन महीने तक हो सकती है।

ट्रेनिंग का आयोजन, ट्रैक्टरों का व्यापार करने वाली फर्मों अथवा एजेन्सियों द्वारा किया जाता है। ट्रैक्टर-चालकों को केन्द्रीय ट्रैक्टर संघ, राज्य ट्रैक्टर संघ, ट्रैक्टर बनाने, बेचने तथा देखभाल करने वाली फर्मों, सरकारी विभागों, नदी घाटी योजनाओं, गैर-सरकारी फर्मों इत्यादि में नौकरी मिल सकती है। भारत की लगभग एक करोड़ एकड़ बेकार पड़ी हुई भूमि देखते हुए यह अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि देश में ट्रैक्टर-चालकों की यथेष्ट आवश्यकता रहेगी।

अध्याय ६

विभिन्न राज्यों में दी जाने वाली टैक्निकल ट्रेनिंग की सुविधाएँ, कोर्स तथा अन्य आवश्यक विवरण

असम, उड़ीसा, बिहार, पंजाब, गुजरात, केरल, हिमाचल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली

असम

टैक्निकल ट्रेनिंग की सुविधाएँ : विभिन्न कोर्स

1. Blacksmith	लुहार	1 व
2. Welder (Gas & Electl)	वैल्डर (गैस और इलेक्ट्रिकल)	1
3. Sheet Metal Worker	धातु-चद्दर कारीगर	1
4. Moulder	ढलाईकार	1
5. Wireman	वायरमैन	1
6. Carpenter	बढ़ई	2
7. Mechanic (Motor-Vehicle)	मकैनिक (मोटर)	1
8. Mechanic (Tractor)	मकैनिक (ट्रैक्टर)	1
9. Mehanic (Diesel)	मकैनिक (डीज़ल)	1

10 Upholstery	गृह-सामग्री	1 वर्ष
11. Plumber	नलसाज़	1 „
12. Painter	चित्रकार	1 „
13. Building Construction	भवन-निर्माण	2 „

कुछ अन्य विषय जिनके लिए आसम राज्य में प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध हैं

Group I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि
Bee-Keeping	धुमक्खी-पालन
Co-operative Farming	सहकारी खेती
Fisheries Training	माहीगीरी प्रशिक्षण
Gram Sevak Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Sericulture	रेशम के कीड़े पालना
Veterinary Assistant's Training	पशु-चिकित्सा-सहायक प्रशिक्षण
Village Artisan Trg.	ग्रामशिल्पकार प्रशिक्षण।

Group II

Architecture, Building and Construction, Carpentry & Wood Work

Cabinet Making	सन्दूक बनाना
Carpentry	बढ़ईगीरी
Furniture Making	साज-असबाब बनाना
Plumbing	नलसाजी

Group—III

Commerce

Accountancy	मुनीमी
Book-Keeping	बहीखाता
Book-Keeping & Accountancy	बहीखाता और मुनीमी
Shorthand	आशुलिपि
Stenography	स्टेनाग्राफी
Typewriting	टंकण कला
Typewriting and Telegraphy	टंकण कला और तार-समाचार भेजने की कला

Group IV

Telegraphy	तार द्वारा समाचार भेजने की कला

Group V

Cottage Crafts

Ambar Charkha Instructors Training	अम्बरचर्खा शिक्षक प्रशिक्षण
Bamboo and Cane Work	बाँस और बेंत शिल्प
Bamboo Work	बाँस का कार्य
Bleaching, Dyeing and Printing	सफेद करना, रंगना और छापना
Cane Work	बेंत-शिल्प
Craft Work	दस्तकारी
Cutting and Tailoring	कटाई और दर्जीगीरी
Doll & Toy Making	गुड़िया और खिलौने बनाना

Dyeing	रंगाई
Embroidery	कढ़ाई
Embroidery & Knitting Needle Work	कढ़ाई, बुनाई और सिलाई
Handloom Weaving	हथबुनाई
Knitting	सलाई-बुनाई
Needle Work	सीना-पिरोना
Oil Pressing	तेल-पिराई
Paper Making	कागज बनाना
Pottery Work	कुम्हारसाज़ी
Sewing and Embroidery	सिलाई-कढ़ाई
Spinning	कताई
Spinning & Weaving	कताई-बुनाई
Umbrella Manufacture	छाता बनाना
Umbrella Handle Manufacture	छाते का हत्थे बनाना
Weaving	कताई-बुनाई

Group VI

Education

Commercial Art	व्यावसायिक कला
Drawing Teacher's Course	रेखांकन अध्यापकों के लिये पाठ्यक्रम
Fine Arts Course	ललितकला पाठ्यक्रम
Painting	चित्रकला
Sculpture	मूर्ति बनाने की कला
Teacher's Training	अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

Group VII
Engineering and Technology

Blacksmithy	लुहारगीरी
Draughtsmanship (Civil)	चित्ररचना (सिविल)
Draughtsmanship (Mechanical)	,, मकॅनिकल
Electrician	इलैक्ट्रीशियन (बिजली विज्ञानी)
Electroplating	इलैक्ट्रोप्लैटिंग
Engineering (Chemical)	इंजीनियरिंग (कैमिकल)
Engineering (Civil)	इजीनियरिंग (सिविल)
Engineering (Electrical)	इजीनियरिंग (इलैक्ट्रिकल)
Engineering (Mechanical)	इजीनियरिंग (मकॅनिकल)
Fitting	फिटिंग
Machinist	यंत्र-शिल्पी
Mechanic (General)	मकॅनिक (जनरल)
Mechanic (Internal Combustion Engine)	मकॅनिक (आन्तरिक ज्वलन इंजिन)
Mechanic (Motor)	मकॅनिक (मोटर)
Mechanic (Radio)	मकॅनिक (रेडियो)
Mechanic (Tractor)	मकॅनिक (ट्रैक्टर)
Mechanic (Typewriter)	मकॅनिक (टाइपराइटर)
Nail Making	कील बनाना
Sheet Metal Work	धातु-चद्दर-शिल्प
Surveying	भू-मापन
Technology Printing	शिल्पकला छपाई
Technoiogy Textile	बुनाई की शिल्पकला
Turning	खराद-शिल्प

Welding	धात-शिल्प
Wireman	वायरमैन

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Ayurvedic Course	आयुर्वेदिक पाठ्यक्रम
Dai's Training	दाई का प्रशिक्षण
Nursing	परिचर्या (नर्सिंग)
Nursing and Midwifery	परिचर्या और प्रसव-विद्या
Radiography	रेडियोग्राफी
Sanitary Inspector's Course	स्वास्थ्य निरीक्षक पाठ्यक्रम

Group IX

Tannery & Leather Work

Leather Work	चमड़े का काम

Group XI

Driving (Motor)	मोटर चलाना
Railway Service Course	रेलवे सेवा पाठ्यक्रम

Group—XII

Miscellaneous

Composing & Printing	टाइप-संयोजन और छपाई
Co-operation	सहकारिता
House Keeping	गृह-शिक्षा
Labour Welfare and Social Work	श्रम-कल्याण और सामाजिक कार्य
rinting Block	छापने का सांचा

नोट—विशेष विवरण के लिए A Handbook on Training Facilities in Rajasthan देखें। इस पुस्तक मे आपको पूर्वोक्त सभी कोर्सों से सम्बन्धित स्कूलो, कालेजो तथा अन्य बातो का विस्तृत ब्यौरा मिल जायेगा यह पुस्तक समस्त काम-दिलाऊ दफ्तरो (Employment Exchanges) में उपलब्ध है।

I. आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सेकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से तीन दर्जे कम।

14. Fitter	फिटर	2 वर्ष
15. Turner	खरादिया	2 ,,
16. Mach nist (Miller)	मशीनिस्ट (मिलर)	2 ,,
17. Machinist (Grind)	मशीनिस्ट (ग्राइन्डर)	2 ,,
18. Machinist (Shaper, Slotter & or Planer	मशीनिस्ट शेपर, स्लाटर अथवा प्लानर	2 ,,
19. Machinist (Composite)	मशीनिस्ट (कम्पोजिट)	2 ,,

II. आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक पास से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सेकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

1. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा पास अथवा दसवीं कक्षा पास हो।
2. पढ़ाई के विषयो मे विज्ञान हो।

20. Watch and Clock Maker	घड़ियाँ बनाने वाला	2 वर्ष

III. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

21. Electroplator — इलेक्ट्रोप्लेटर — 2 वर्ष

IV आवश्यक योग्यता :

मट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकेण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

22. Electrician — इलैक्ट्रीशियन — 2 वर्ष

23. Instruments Mechanic — इन्स्ट्रूमेंट्स मकैनिक — 2 ,,

24. Refrigeration & Air-Couditioning Meehanic — रेफ्रिजरेशन व एयरकण्डीशनिग मकैनिक

V. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई विषयों में विज्ञान हो।

25. Draughtsman (Mechanic) — ड्राफ्ट्समैन (मकैनिक)

26. Draughtsman (Civil) — ड्राफ्ट्समैन (सिविल)

27. Surveyor — भू-मापक

28. Mechanic (Radio & Television) — मकैनिक (रेडियो व टेलीविजन)

29. Pattern Maker — साँचा बनाने वाला

30. Wireless Operator — वायरलैस आपरेटर — 1 वर्ष

VI. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे

तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकेण्डरी व सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. *पढ़ाई के विषयों में हिसाब और विज्ञान हो।*

उड़ीसा

टैक्निकल ट्रेनिंग की सुविधायें : विभिन्न कोर्स

1.	Blacksmith	लुहार	1 वर्ष
2.	Welder (Gas & Elect.)	धातुशिल्पी (गैस और इलेक्ट्रिकल)	1 ,,
3.	Sheet Metal Worker	धातु-चद्दर कारीगरी	1 ,,
4.	Moulder	ढलाईकार	1 ,,
5.	Wireman	वायरमैन	2 ,,
6.	Carpenter	बढ़ई	1 ,,
7.	Mechanic (Motor Vehicle)	मकैनिक (मोटर)	1 ,,
8.	Mechanic (Tractor)	मकैनिक (ट्रैक्टर)	1 ,,
9.	Mechanic (Diesel)	मकैनिक (डीजल)	1 ,,
10.	Upholstery	गृह-सामग्री	1 ,,
11.	Plumber	नलसाज़	1 ,,
12.	Painter	चित्रकार	1 ,,
13.	Building Construction	भवन-निर्माण	2 ,,

I. आवश्यक योग्यतायें :

मैट्रिक परीक्षा में दो दर्जे कम अथवा समरश अथवा हायर

सेकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से तीन दर्जे कम ।

14.	Fitter	फिटर	2 वर्ष
15.	Turner	खरादिया	2 ,,
16.	Machinist (Miller)	मशीनिस्ट (मिलर)	2 ,,
17.	Machinist (Grinder)	मशीनिस्ट (ग्राइन्डर)	2 ,,
18.	Machinist (Shaper, Slotter & or Planer)	मशीनिस्ट (शेपर,स्लाटर और अथवा प्लानर)	2 ,,
19.	Machinist (Composite)	मशीनिस्ट (कम्पोजिट)	2 ,,

II. आवश्यक योग्यता :

म ट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डर या सीनियर कैम्ब्रिज से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

1. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा पास अथवा दसवीं कक्षा पास हृ ।

2. पढाई के विषयों में विज्ञान हो ।

20.	Watch and Clock Maker	घड़ियाँ वनाने वाला	2 वर्ष

III. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नव दर्जे तक शिक्ष । प्राप्त हो ।

2 . पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो ।

21.	Electroplator	इलैक्ट्रोप्लेटर	2 वर्ष

IV. आवश्यक योग्यता :

मैंट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक

शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

22.	Electrician	इलैक्ट्रीशियन	2 वर्ष
23.	Instruments Mechanic	इन्स्ट्रूमेन्ट्स (मकैनिक)	2 "
24.	Refrigeration Air-Conditio n Mechanic	रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर-कण्डीशनिंग मकैनिक	1 "

V. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

25.	Draughtsman (Mechanic)	ड्राफ्ट्समैन (मकैनिक)	2 वर्ष
26.	Draughtsman (Civil)	ड्राफ्ट्समैन (सिविल)	2 "
27.	Surveyor	भूमापक	2 "
28.	Mechanic (Radio & Television)	मकैनिक (रेडियो और टेलीविजन)	2 "
29.	Pattern Maker	साँचा बनाने वाला	2 "
30.	Wireless Operator	वायरलैस ऑपरेटर	1 "

VI. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई के विषयों में हिसाब और विज्ञान हो।

कुछ अन्य विषय जिनके लिए उड़ीसा राज्य में प्रशिक्षण की सुविधायें उपलब्ध हैं

Group—I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि
Agriculture Sub-overseer	कृषि उप-निरीक्षक
Fieldman	फील्डमैन
Forestry	जंगल लगाने की कला
Gram Sevak Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Malis Training	माली का प्रशिक्षण
Soil Conservation	भूमि-संरक्षण
Stockman's Training	स्टॉकमैन का प्रशिक्षण
Veterinary Science & Animal Husbandry	पशुचिकित्सा विज्ञान और पशुप्रजनन
Village Level Worker's Training	ग्रामस्तर कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण
Village Mechanic	ग्राम मकैनिक

Group II

Architecture, Building and Construction, Carpentry & Wood Work

Carpentry	बढ़ईगीरी
Carpentry, Cane Work	बढ़ईगीरी, बेंत का कार्य
Plumbing	नलसाज़ी
Wood Work	लकड़ी का काम

Group III
Commerce

Book-Keeping	बहीखाता
Drafting	ड्राफ्टिंग प्रारूपण
Shorthand	आशुलिपि
tenography	स्टेनोग्राफी
ypewriting	टंकण कला

Group IV
Cottage Crafts

ine and Bamboo Work	बेंत और बाँस-शिल्प
ne Work	बेंत-शिल्प
rpet and Durı Making	गलीचा-दरी बनाना
ibroidery	कढ़ाई
ndicrafts	दस्तकारी
itting	सलाई-बुनाई
lering	दर्जीगीरी
ving	बनाई-बुनाई

Group V
Education

and Crafts	कला और शिल्प
ving and Painting	चित्र-रचना और रंगसाजी
Arts Course	ललितकला पाठ्यक्रम
c and Dance	संगीत और नृत्य
cal Education	शारीरिक शिक्षा
hers' Training	अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

Group VI

Engineering & Technology

Blacksmithy	लुहारगीरी
Chargeman	चार्जमैन
Draughtsmanship (Civil)	चित्र-रचना (सिविल)
Draughtsmanship (Mechanical)	चित्र-रचना (मकैनिकल)
Electrician	इलेक्ट्रीशियन
Engineering (Civil)	इंजीनियरिंग (सिविल)
Engineering (Chem.)	इंजीनियरिंग (कैमिकल)
Engineering (Electrical)	इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल)
Engineering (Mechanical)	इजीनियरिंग (मकैनिकल)
Engineering (Mining)	इंजीनियरिंग (माइनिंग)
Engineering (Mett.)	इंजीनियरिंग (मेटलर्जी)
Fitting	फिटिंग
Light Engg.	लाइट इंजीनियरिंग
Machinist	यन्त्रशिल्पी
Mechanical (Internal Combustion Engine)	मकैनिकल (आंतरिक ज्वलन इंजिन)
Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Moulding	ढलाई
Pattern Maker	सांचा बनाने वाला
Sheet Metal Work	धातु-चद्दर कारीगर
Surveying	भू-मापन
Technology	टेक्नॉलोजी
Turning	खराद-शिल्प

Welding	धातुशिल्प
Wireman	वायरमैन

Group VII

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि
Agriculture Sub-overseer	कृषि-उपनिरीक्षक
Fieldsman	फील्ड्समैन
Forestry	जंगल लगाने की कला
Gram Sevak Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Malis Training	मालों का प्रशिक्षण
Soil Conservation	भूसंरक्षण
Stockman's Training	स्टॉकमैन प्रशिक्षण
Veternary Science Animal Husbandry	पशुचिकित्सा-विज्ञान तथा पशु-प्रजनन
Village Level Workers Training	ग्रामस्तर कार्यकर्ता प्रशिक्षण
Village Mechanic	ग्राम मकैनिक

Group VIII

Architecture, Building and Construction, Carpentry & Wood Work

Carpentary	बढ़ईगीरी
Carpentry, Cane Work	बढ़ईगीरी, केनशिल्प
Plumbing	नलसाजी
Wood Work	लकड़ी का काम

नोट—विशेष विवरण के लिये A Handbook on Training Facilities in Orissa देखें। इस पुस्तक में आपको उड़ीसा सभी भागों से सम्बन्धित स्कूलों, कालिजों तथा अन्य धन्धों का विस्तृत ब्योरा मिल जायेगा। यह पुस्तक सभी काम दिलाऊ दफ्तरों (Employment Exchanges) में उपलब्ध है।

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Ayurvedic Course	आयुर्वेदिक पाठ्यक्रम
Compounding and Dressing	औषधि बनाना और मरहम-पट्टी करना
Dai's Training	दाई का प्रशिक्षण
Nursing	परिचर्या
Nursing and Midwifery	परिचर्या और प्रसव-विद्या
Pharmacy	औषधि बनाने की विद्या
Sanitary Inspectors' Course	स्वास्थ्य निरीक्षक का पाठ्यक्रम
Medicine & Surgery	दवा और शल्य-चिकित्सा
Radiographers	रेडियोग्राफर्स
Laboratory Assistant	रसायनशाला (प्रयोगशाला) सहायक

Group X

Transport

Pilot	विमानचालक

Group XII

Miscellaneous

23.	Instruments Mechanic	इन्स्ट्रूमेन्ट्स मकैनिक	2 वर्ष
24.	Refrigeration & Air-Conditioning Mechanic	रेफ्रिजरेशन व एयर-कण्डीशनिंग मकैनिक	1 "

V. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

25	Draughtsman (Mechanic)	ड्राफ्ट्समैन (मकैनिक)	2 वर्ष
26	Draughtsman (Civil)	ड्राफ्ट्समैन (सिविल)	2 वर्ष
27.	Surveyor	भू मापक	1 "
8.	Mechanic (Radio & Television)	मकैनिक (रेडियो और टेलीविजन)	2 "
9.	Pattern Maker	साँचा बनाने वाला	2 "
0.	Wireless Operator	वायरलैस आपरेटर	1 "

VI. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई के विषयों में हिसाब और विज्ञान हो।

विभिन्न विषय जिनमें ट्रेनिंग की सुविधायें उपलब्ध हैं

Group

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture — कृषि

15. Turner — खरादिया — 2 वर्ष

16. Machinist (Miller) — मशीनिस्ट (मिलर) — 2 ”

17. Machinist (Grinder) — मशीनिस्ट (ग्राइन्डर) — 2 ”

18. Machinist (Shaper Slotter or Planer) — मशीनिस्ट (शेपर, स्लाटर अथवा प्लानर) — 2 ”

19. Machinist (Composite) — मशीनिस्ट (कम्पोजिट) — 2 ”

II. आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज परीक्षा से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

1. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा अथवा दसवीं कक्षा पास हो।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

20. Watch and Clock Maker — घड़ियां बनाने वाला — 2 वर्ष

III. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

21. Electroplater — इलैक्ट्रोप्लेटर — 2 वर्ष

IV. आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

22. Electrician — इलैक्ट्रीशियन — 2 वर्ष

23.	Instruments Mechanic	इन्स्ट्रुमेन्ट्स मकैनिक	2 वर्ष
24.	Refrigeration & Air-Conditioning Mechanic	रेफ्रिजरेशन व एयर-कण्डीशनिंग मकैनिक	1 "

V. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

25	Draughtsman (Mechanic)	ड्राफ्ट्समैन (मकैनिक)	2 वर्ष
26	Draughtsman (Civil)	ड्राफ्ट्समैन (सिविल)	2 वर्ष
27.	Surveyor	भू मापक	1 "
28.	Mechanic (Radio & Television)	मकैनिक (रेडियो और टेलीविजन)	2 "
29.	Pattern Maker	साँचा बनाने वाला	2 "
30.	Wireless Operator	वायरलैस आपरेटर	1 "

VI आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2 पढ़ाई के विषयों में हिसाब और विज्ञान हो।

विभिन्न विषय जिनमें ट्रेनिंग की सुविधायें उपलब्ध हैं

Group

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture कृषि

Agricultural Chemistry	कृषि-रसायन
Agricultural Economics	कृषि-अर्थशास्त्र
Agricultural Enginneer-ing & Soil Conservation	कृषि-इंजीनियरिंग और भू-संरक्षण
Agronomy	वैज्ञानिक कृषि-कला
Bee-Keeping	मधुमक्खी-पालन
Gram Sevak Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Industrial Uses of Lac	लाख का औद्योगिक उपयोग
Lac Cultivation	लाख की खेती
Malis Training	माली का प्रशिक्षण
Rural Services	ग्रामसेवायें
Sericulture	रेशम के कीड़े पालना
Stockman's Training	स्टाकमैन का प्रशिक्षण
Animal Husbandry	पशुप्रजनन
Village Artisan	ग्राम शिल्पकार
Village Level Worker's Training	ग्रामस्तरीय कार्यकर्त्ता प्रशिक्ष ण

Group II

Architecture, Building and Construction, Carpantry & Wood Work

Carpentry	बढ़ईगीरी
Carpentry & Pattern Making	बढ़ईगीरी और साँचे बनाना
Patteren Maker	साँचे बनाने वाला
Overseer	ओवरसियर
Plumbing	नलसाज़ी

Group III

Commerce

Accountancy	मुनीमी
Book-Keeping	बहीखाता
Commerce	वाणिज्य
Shorthand	आशुलिपि
Typewriting	टंकण-कला
Correspondence	पत्र-व्यवहार

Group IV

Communications

Telegraphy	तार-समाचार भेजने की कला

Group V

Cottage Crafts

Ambar Charkha Intructors Training	अम्बरचर्खा शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण
Bamboo and Cane Work	बाँस और बेंत-शिल्प
Carpet Making	दरी बनाना
Ceramics	कुम्हारसाजी
Cutting & Tailoring	कटाई और दर्ज़ीगीरी
Embroidery	कढ़ाई
Embroidery & Tailoring	कढ़ाई और दर्ज़ीगीरी
Handloom Weaving	हाथकरघा बुनाई
Khadi & Village Indutries	खादी और ग्रामोद्योग
Knitting	सलाई-बुनाई
Locksmithy	तालासाज़ी
Needle Work	सीना-पिरोना

Engineering (Electrical)	इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रिकल)
Engineering (Civil)	इंजीनियरिंग (सिविल)
Engineering (Chemical)	इंजीनियरिंग (कैमिकल)
Engineering (Mechanical)	इंजीनियरिंग (मकैनिकल)
Engineering (Metellurgical)	जीनियरिंग (मैटलर्जिकल)
Engineering (Mining)	इंजीनियरिंग (माइनिंग)
Engineering (Production)	इंजीनियरिंग (प्रॉडक्शन)
Engineering (Textile)	इंजीनियरिंग (टैक्स्टाइल)
Engineering (Tele-Communication)	इंजीनियरिंग (टेली कम्यूनिकेशन
Fitting	फिटिंग
Foundry	ढलाई करने का कारखाना
Geology (Applied)	जियॉलोजी (अपलाइड)
Geophysics (Applied)	जियोफिजिक्स अपलाइड)
Machinist	मशीनिस्ट
Mechanic (Instrument)	मकैनिक (इन्स्ट्रूमेन्ट)
Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Machadical Training	मकैनिक (ट्रेनिंग)
Machanic (Radio)	मकैनिक (रेडियो)
Machanic (Tractor)	मकैनिक (ट्रैक्टर)
Moulding	ढलाई
Mining Survey	खान की जाँच
Overman (Mining)	ओवरमैन (माइनिंग)
Sheet Metal Work	धातु-चद्दर शिल्प
Smithy	धातु कार्य
Surveying	भू मापन

Paper and Pulp Making	क़ागज और लुग्दी बनाना
Pottery Work	कुम्हारसाज़ी
Silk Weaving & Dyeing	रेशमी बुनाई-रंगाई
Toy and Doll Making	गुड्डे-गुड़िया बनाना

Group VI

Education

Arts and Craft	कला और शिल्प
Crafts	शिल्प (दस्तकारी)
Dance	नृत्य
Librarianship	वाचनालय-विज्ञान
Music (Vocal)	संगीत (मौखिक)
Music (Instrumental)	संगीत (साज़)
Painting	चित्रकला
Physical Education	शारीरिक शिक्षा
Social Education	सामाजिक शिक्षा
Teachers' Training	अध्यापकों का प्रशिक्षण

Group VII

Engineering & Technology

Blacksmithy	लुहारगीरी
Chargeman	चार्जमैन
Draughtmanship (Civil)	ड्राफ्ट्समैनशिप (सिविल)
Draughtmanship (Mechanical)	ड्राफ्ट्समैनशिप (मकैनिकल)
Electrician	इलैक्ट्रीशियन
Electrical Surervisor	इलैक्ट्रीकल सुपरवाइज़र
Electroplating	इलैक्ट्रोप्लेटिंग

Engineering (Electrical)	इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रिकल)
Engineering (Civil)	इंजीनियरिंग (सिविल)
Engineering (Chemical)	इंजीनियरिंग (कैमिकल)
Engizering (Mechanical)	इंजीनियरिंग (मकैनिकल)
Engineering (Metellurgical)	जीनियरिंग (मैटलर्जिकल)
Engineering (Mining)	इजीनियरिंग (माइनिंग)
Engineering (Production)	इंजीनियरिंग (प्रॉडक्शन)
Engineering (Textile)	इजीनियरिंग (टैक्सटाइल)
Engineer.ng (Te e-Communication)	इ जीरियरिंग (टेली कम्यूनिकेशन
Fiting	फिटिंग
Foundry	ढलाई करने का कारखाना
Geology (Applied)	जियॉलोजी (अपलाइड)
Geophysics (Applied)	जियोफिज़िक्स अपलाइड)
Machinist	मशीनिस्ट
Mechanic (Instrument)	मकैनिक (इन्स्ट्रूमेन्ट)
Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Machadical Training	मकैनिक (ट्रेनिंग)
Machanic (Radio)	मकैनिक (रेडियो)
Machanic (Tractor)	मकैनिक (ट्रैक्टर)
Moulding	ढलाई
Mining Survey	खान की जाँच
Overman (Mining)	ओवरमैन (माइनिंग)
Sheet Metal Work	धातु-चद्दर शिल्प
Smithy	धातु कार्य
Surveying	भू मापन

Technical Traces	टेक्निकल कार्य
Technology (Ceramics)	टेक्नालोजी (सिरेमिक्स)
Technology (Petroleum)	टेक्नालोजी (पेट्रोलियम)
Turning	खराद का कार्य
Welding	धातु-शिल्प
Wireman	वायरमैन

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmac and Sanitationy.

Ayurved ic Course	आयुर्वेदिक कोर्स
Chamin Training	चामिन ट्रेनिंग
Dai's Training	दाई का प्रशिक्षण
Dent Surgery	दांतों की शल्य-चिकित्सा
D ressing	मरहम-पट्टी करना
Health Visitor's Trainnig	स्वास्थ्य निरीक्षक प्रशिक्षण
Homoeopathik Course	होम्योपैथिक कोर्स
Laboratory Technician	लेबोरेटरी टेक्नीशियन
Med icine and Surgery	औषधि और शल्य-चिकित्सा
Midwifery	प्रसव-विद्या
Nursing	परिचर्या
Nursing and Midwifery	परिचर्या और प्रसव-विद्या
Pharmacy	औषधि तैयार करने की विद्या
Sanitary Inspector's Course	सैनिटरी इन्स्पैक्ट र का कोर्स
Unani Course	यूनानी कोर्स

Group IX

T annery and Leather Work

Footwear Manufacture	जूतों आदि का निर्माण

18. Machinist (Shaper, Slotter or Planer) — मशीनिस्ट (शेपर, स्लाटर अथवा प्लानर — 2 वर्ष

19. Machinist (Composite) — मशीनिस्ट (कम्पाजिट) — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज परीक्षा से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

१. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा अथवा दसवीं कक्षा पास हो।

२. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

Group III

20. Watch and Clock Maker — घड़िया बनाने वाला — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

१. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो।

२. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

Group IV

21. Electroplator — इलैक्ट्रोप्लेटर — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

पंजाब

टेक्निकल ट्रेनिंग की सुविधायें विभिन्न कोर्स

Group I

1.	Blacksmith	लुहार	1 वर्ष
2.	Welder (Gas & Elect.)	धातुशिल्पी	1 वर्ष
3.	Sheet Metal Worker	धातु चद्दर कारीगरी	1 वर्ष
4.	Moulder	ढलाईकार	1 वर्ष
5	Wireman	वायरमैन	2 वर्ष
6.	Carpenter	बढ़ई	1 वर्ष
7.	Mechanic (Motor Vehicle)	मकैनिक (मोटर)	1 वर्ष
8.	Machanic (Tractor)	मकैनिक (ट्रैक्टर)	1 वर्ष
9.	Mechanic (Diesel)	मकैनिक (डीज़ल)	1 वर्ष
10.	Upholstery	गृह-शिल्प	1 वर्ष
11.	Plumber	नलसाज़	1 वर्ष
12.	Painter	चित्रकार	1 वर्ष
13.	Building Construction	भवन-निर्माण	2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से तीन दर्जे कम ।

Group II

14.	Fitter	फिटर	2 वर्ष
15.	Turner	खरादिया	2 वर्ष
16.	Machinist (Millor)	मशीनिस्ट (मिलर)	2 वर्ष
17.	Machinist (Grinder)	मशीनिस्ट (ग्राइंडर)	2 वर्ष

18. Machinist (Shaper, Slotter or Planer) — मशीनिस्ट (शेपर, स्लाटर अथवा प्लानर) — 2 वर्ष
19. Machinist (Composite) — मशीनिस्ट (कम्पाजिट) — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज परीक्षा से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

१. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा अथवा दसवीं कक्षा पास हो।
२. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

Group III

20. Watch and Clock Maker — घड़िया बनाने वाला — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

१. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो।
२. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

Group IV

21. Electroplator — इलैक्ट्रोप्लेटर — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

18. Machinist (Shaper, Slotter or Planer) — मशीनिस्ट (शेपर, स्लाटर अथवा प्लानर — 2 वर्ष
19. Machinist (Composite) — मशीनिस्ट (कम्पाजिट) — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर उ म्ब्रिज परीक्षा से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

१. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा अथवा दसवीं कक्षा पास हो।

२. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

Group III

20. Watch and Clock Maker — घड़ियां बनाने वाला — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

१. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो।

२. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

Group IV

21. Electroplator — इलैक्ट्रोप्लेटर — 2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सकण्डरी या सीनियर एक दर्जा कम है।

Group V

22	Electrician	इलैक्ट्रीशियन	2 वर्ष
23.	Instruments Mechanic	इन्स्ट्रूमेन्ट्स मकैनिक	2 वर्ष
24.	Refrigeration & Air Conditioning Mechanic	रैफ्रिजरेशन व एयर-कन्डीशनिंग मकैनिक	1 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

१. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

२. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

Group VI

25.	Draughtsman (Mechanic)	ड्राफ्ट्समैन (मकैनिक)	2 वर्ष
26.	Draughtsman (Civil)	ड्राफ्ट्समैन (सिविल)	
27.	Surveyor	सर्वेयर (भूमापक)	2 वर्ष
28.	Mechanic (Radio & Television)	मकैनिक (रेडियो व टेलीवीजन)	2 वर्ष
29.	Pattern Maker	सांचा बनाने वाला	2 वर्ष
30.	Wireless Operator	वायरलैस आपरेटर	2 वर्ष

आवश्यक योग्यता :

१. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

२. पढ़ाई के विषयों में हिसाब और विज्ञान हो।

पंजाब

विभिन्न विषयों की सूची जिनमें टैक्निकल प्रशिक्षण की सुविधायें उपलब्ध हैं

Group I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि
Agricultural Machinery Operation	कृषि-यन्त्र चालन
Botany	वनस्पति विज्ञान
Dairy Farming	डेरी फार्मिंग
Gram Savek Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Horticulture	बागबानी
Poultry Farming	मुर्गीपालन
Rural Leadership	ग्रामीण नेतृत्व
Stock Assistant	स्टाक असिस्टैंट
Veterinary Science and Animal Husbandry	पशुचिकित्सा-विज्ञान एव पशुप्रजनन

Group II

Architecture, Building and Construction, Carpentry and Wood Work

Architecture	भवन-निर्माण शिल्पकार
Architectural Assistant	भवन-निर्माण शिल्पकार सहायक
Carpentry	बढ़ईगीरी
Lacquer Work	पीतल-पालिश करना
Plumbing	नलसाजी
Wood Carving, Inlay and Furniture Work	लकड़ी मे खुदाई, पच्चीकारी व साज-असबाब काम
Wood Work	लकड़ी का काम

Group III

Commerce

Accountancy	हिसाव-किताब
Book Keeping	वहीखाता
Commerce	वाणिज्य
Secretriat Practice & Stenography	सचिवालय कार्य और स्टैनोग्राफी
Shorthand	आशुलिपि
Stenography	स्टेनोग्राफी
Typewriting	टंकण कला

Group IV

Communications

Inter-Communication	अन्तः संचार
Telegraphy	तार द्वारा संदेश भेजने की कला

Group V

Cottage Crafts

Bamboo and Cane Work	बाँस और बेंत शिल्प
Bamboo Work	बाँस शिल्प
Craft Work	शिल्प दस्तकारी
Dyeing and Printing	रंगाई और छपाई
Carpet Weaving	दरी बुनना
Cutting and Tailoring	कटाई व दर्ज़ीगीरी
Cutting, Tailoring and Embroidery	कटाई, दर्ज़ीगीरी और कढ़ाई
Doll Making	गुड़िया वनाना
Embroidery	कढ़ाई

Fruits and Vegetables Preservation	फल-सब्जियों की सँभाल
Glass blowing	ग्लास-ब्लोइंग
Handloom Weaving	हाथ से बुनाई
Hooked Rug Training	हुक्ड रग प्रशिक्षण
Jewellery Work	सर्राफी
Inlay Work (Ivory)	हाथी दाँत की पच्चीकारी
Inlay Work (Copper and Brass)	ताँबे और पीतल की पच्चीकारी
Knitting	सलाई-बुनाई
Lac Bangle Making	लाख की चूड़ियाँ बनाने का कार्य
Murra Manufacture	मूढ़ा बनाना
Paper Machine	कागज की लुग्दी बनाने की मशीन
Pashmina Weaving	पश्मीना बुनाई
Pottery Work	कुम्हारसाजी
Soap-Making	साबुन बनाना
Spinning & Weaving	कताई-बुनाई
Sports Material Manufacture	खेल-सामग्री निर्माण
Surgical Instruments Mfg	शल्य यन्त्रों का निर्माण
Toy-Making	खिलौने बनाना
Utensil Manufacture	बर्तन बनाना
Weaving	बुनाई
Weaving and Dyeing	बुनाई और रंगाई

Group VI
Education

Arts and Crafts	कला और शिल्प
Clay Modelling	मिट्टी की मूर्ति बनाना
Commercial Art	व्यावसायिक कला
Councilling	सलाह-मशवरा
Drawing aud Painting	रेखांकन और चित्रकला
Home Science	गृह-विज्ञान
Journalism	पत्रकारिता
Library Science	पुस्तकालय-विज्ञान
Pianting	चित्रकला
Painting and Decorating	रंगाई और सजावट
Physical Education	शारीरिक शिक्षा
Teachers' Trainlng	अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण
Teachers' Training (Technical Trades)	अध्यापकों के लिए टैक्निकल प्रशिक्षण

Group VII
Engineering and Technology

Blacksmithy	लुहारगीरी
Draughtsmanship (Civil)	ड्राफ्ट्समैनशिप (सिविल)
Draughtsmanship (Mech)	ड्राफ्ट्समैनशिप (मकैनिकल)
Draughtsmanship (Electrical & Mechanical)	ड्राफ्ट्समैनशिप (इलैक्ट्रीकल और मकैनिकल)
Electrician	मकैनिक
Electrical Supervisor	इलैक्ट्रिकल सुपरवाइजर

Electroplating	इलैक्ट्रोप्लेटिंग
Engineering (Aeronuautical)	इंजीनियरिंग (वायुयान सम्बन्धी)
Engineering (Automobile)	इंजीनियरिंग (मोटरगाड़ी)
Engineering (Chemical)	इंजीनियरिंग (कैमिकल)
Engineering (Civil)	इंजीनियरिंग (सिविल)
Engineering (Highways)	इंजीनियरिंग (प्रधान सड़कें)
Ebgineering (Irrigation and Hydl)	इंजीनियरिंग (जल-विद्युत और सिंचाई)
Engineering (Electrical)	इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रिकल)
Engineering (Electrical Power System)	इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रिकल पावर सिस्टम)
Engineering (Electronics and Comm.)	इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन)
Engineering (Mechanical)	इंजीनियरिंग (मकैनिकल)
Engineering (Metallurgy)	इंजीनियरिंग (मैटलर्जी)
Engineering (Production)	इंजीनियरिंग (प्रोडक्शन)
Engineering (Radio)	इंजीनियरिंग (रेडियो)
Fitting	फिटिंग
Fitting and Turning	फिटिंग और खरादना
Grinder	ग्राइंडर
Heavy Earth Moving Mechinery Operation and Maintenance	भूमि हटाने वाले भारी यन्त्रों का संचालन व देखभाल
Machinist	यन्त्रशिल्पी

Mechanic (General)	मकैनिक (जनरल)
Mechanic (Instrument)	मकैनिक (इन्सप्रूमेन्ट)
Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Mechanic (Radio)	मकैनिक (रेडियो)
Mechanic (Refrigeration)	मकैनिक (रेफ्रिजरेशन)
Mechanic (Tractor)	मकैनिक (ट्रैक्टर)
Millwright	चक्की-निर्माता
Moulding	ढलाई
Pattern Maker	सांचा बनाने वाला
Printing Machine Operator	छपाई-यन्त्र का चालक
Sheet Metal Work	धातु-चद्दर कारीगर
Surveying	भूमापन
Tyre Retreading	टायर रिटरीडिंग
Textile Technology	टैक्सटाइल टैक्नोलाजी
Textile Chemistry	टैक्सटाइल कैमिस्ट्री
Tool Making	औज़ार बनाना
Turning	खराद-शिल्प
Welding	धातु-शिल्प
Wireman	वायरमैन

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Ayurvedic Course	आयुर्वेदिक कोर्स
Bio-Chemistry	बायोकैमिस्ट्री
Dai's Training	दाई प्रशिक्षण
Health Visitor's Training	स्वास्थ्य निरीक्षक प्रशिक्षण

Tanning	टैनिंग (कच्चे चमड़े को कमाने की कला)

Group X

Artisan (Textile)	शिल्पकार कोर्स (बुनाई सम्बन्धी)
Textile Manufacture	टैक्सटाइल निर्माण
Hosiery	हौजरी

Group XI

Transport

Driving (Motor)	मोटर चलाना

Group XII

Miscellaneous

Anthropology (Social Sciences)	शरीर-रचना शास्त्र (सामाजिक विज्ञान)
Book-Binding	जिल्दसाज़ी
Coaching (Sports)	खेल प्रशिक्षण
Composing	टाइप बैठाना
Light Metal	हल्की धातु
Watch Repair	घड़ियों की मरम्मत
Zoology	जन्तु-विज्ञान

नोट : विशेष विवरणके लिए A Hand book of Training Facitibics in Punjab देखें।

गुजरात

विभिन्न कोर्स जिनमें प्रशिक्षण की सुविधायें प्राप्त हैं

Group I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि

Dairy Technology	डेरी टैक्नालोजी
Extenasicn Training	एक्सटेंशन ट्रेनिंग
Fisheries Traioing	माहीगीरी ट्रेनिंग
Forestry	जंगल लगाने की कला
Gram Savek Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Stockman Training	स्टाकमैन प्रशिक्षण
Veterinary Science and Animal Husbandry	पशुचिकित्सा-विज्ञान तथा पशु-प्रजनन
Village Artisan	ग्राम शिल्पकार

Group II

Architecture, Bnilding and Construction, Carpentry & Wood Work

Architecture	गृह-निर्माण कला
Carpentry	बढ़ईगीरी
Carpentry, Cane Work, Wood Werk, Weaving and Knitting	बढ़ईगीरी, बेंत तथा लकड़ी कार्य, कताई-बुनाई और सलाई-बुनाई
Masonry	राजगीरी
Painting	चित्रकला
Plumbing	नलसाज़ी
Wood Carving	लकड़ी में खुदाई
Wood Lacquering	लकड़ी पर सुनहरी पालिश करना
Wood Turning and Lacquer Work	लकड़ी का खराद तथा वार्निश-कार्य
Wood Work, Paints, Polish and Upholstry	लकड़ी कार्य, रंगाई, पालिश व गृह-सामग्री

Tanning	टैनिंग (कच्चे चमड़े को कमाने की कला)

Group X

Artisan (Textile)	शिल्पकार कोर्स (बुनाई सम्बन्धी)
Textile Manufacture	टैक्स्टाइल निर्माण
Hosiery	होजरी

Group XI

Transport

Driving (Motor)	मोटर चलाना

Group XII

Miscellaneous

Anthropology (Social Sciences)	शरीर-रचना शास्त्र (सामाजिक विज्ञान)
Book-Binding	जिल्दसाज़ी
Coaching (Sports)	खेल प्रशिक्षण
Composing	टाइप बैठाना
Light Metal	हल्की धातु
Watch Repair	घड़ियों की मरम्मत
Zoology	जन्तु-विज्ञान

नोट : विशेष विवरणके लिए A Hand book of Training Facitibics in Punjab देखें।

गुजरात

विभिन्न कोर्स जिनमें प्रशिक्षण की सुविधायें प्राप्त हैं

Group I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि

Dairy Technology	डेरी टैक्नालॉजी
Extenasion Training	एक्सटेंशन ट्रेनिंग
Fisheries Training	माहीगीरी ट्रेनिंग
Forestry	जंगल लगाने की कला
Gram Savek Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Stockman Training	स्टाकमैन प्रशिक्षण
Veterinary Science and Animal Husbandry	पशुचिकित्सा-विज्ञान तथा पशु-प्रजनन
Village Artisan	ग्राम शिल्पकार

Group II

Architecture, Building and Construction, Carpentry & Wood Work

Architecture	गृह-निर्माण कला
Carpentry	बढ़ईगीरी
Carpentry, Cane Work, Wood Work, Weaving and Knitting	बढ़ईगीरी, बेंत तथा लकड़ी कार्य, कताई-बुनाई और सलाई-बुनाई
Masonry	राजगीरी
Painting	चित्रकला
Plumbing	नलसाज़ी
Wood Carving	लकड़ी में खुदाई
Wood Lacquering	लकड़ी पर सुनहरी पालिश करना
Wood Turning and Lacquer Work	लकडी का खराद तथा वार्निश-कार्य
Wood Work, Paints, Polish and Upholstry	लकड़ी कार्य, रंगाई, पालिश व गृह-सामग्री

Group III

Commerce

Accountancy	मुनीमी
Banking	बैंक-कार्य
Book Keeping	बहीखाता
Commerce	वाणिज्य
Commercial Correspondance	व्यापारिक पत्र-व्यवहार
Sarafi Pakka Nama	सराफी पक्कानामा
Shorthand	आशुलिपि
Typewriting	टंकण-कला
Typewriting & Shorthand	टंकण और आशुलिपि

Group IV

Communications

Telegraphy	तार द्वारा संदेश भेजने की कला

Group V

Cottage Crafts

Amber Chakba Training	अम्बरचर्खा प्रशिक्षण
Calico Printing, Cane Work, Craft Work	कैलीको छपाई, बेंतसाजी तथा शिल्प
Cutting and Tailoring	कपड़े की कटाई व दर्जीगीरी
Dyeing and Printing	रंगाई और छपाई
Embroidery	कढ़ाई
Embroidery and Fancy Work (Hand & Machine)	कढ़ाई व सजावट (हाथ व मशीन से)
Flower Making	फूल बनाना

Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Mechanic (Radio Servicing)	मकैनिक (रेडियो सर्विस)
Mechanic (Weaving)	मकैनिक (बुनाई)
Moulding	ढलाई
Pattern Making	साँचा बनाना
Rigman	रिगमैन

Group-VIII

Sheet Metal Work	धातु चद्दर कारीगर
Surveying	भू मापन
Technology (Textile)	टैक्नालॉजी (टैक्सटाइल)
Technology (Textile Chemiastry)	टैक्नालोजी (टैक्सटाइल कैमिस्ट्री
Technology (Wireless)	टैक्नालोजी (बेतार)
Tool Making	औजार बनाना
Turning	खराद-कार्य
Welding	धातुशिल्प
Wireman	वायरमैन

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Ayurvedic Course	आयुर्वेदिक कोर्स
Dai's Training	दाई का प्रशिक्षण
Laboratory Technician	लेबोरेटरी टैक्नीशियन
Medicine and Surgery	औषधि और [illegible]
Nursing	परिचर्या

Group-VII

Engineering and Technology

Blacksmithy	लुहारगीरी
Draughtsmanship (Civil)	ड्राफ्ट्समैनशिप (सिविल)
Draughtsmanship (Mechanical)	ड्राफ्ट्समैनशिप (मकैनिकल)
Electrician	इलैक्ट्रीशियन
Electroplating	इलैक्ट्रोप्लेटिंग
Engineering (Automobile)	जीनियरिंग (मोटर आदि)
Engineertng (Chemical)	इंजीनियरिंग (कैमिकल)
Engineeri ng (Civil)	इंजीनियरिंग (सिविल)
Engin eering (Electrical)	इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रिकल)
Engin eering (Mechanical)	इंजीनियरिंग (मकैनिकल)
Engineering (Radio)	इंजीनियरिंग (रेडियो)
Engin eering (Sound)	इंजीनियरिंग (ध्वनि)
En gineering (Textile)	इंजीनियरिंग (टैक्स्टाइल)
Fitting	फिटिंग
Foundry	ढलाईघर
Forging-cum Turning	कुटाई तथा खराद-शिल्प
Lineman	लाइनमैन
Machinist	मशीनिस्ट
Mechanic (Diesel Engine)	मकैनिक (डीज़ल इंजन)
Mechanic (General)	मकैनिक (जनरल)
Mechanic (Internal Combustion Engine)	मकैनिक (आंतरिक ज्वलन इंजिन)
Mechanic (Instrument)	मकैनिक (इन्स्ट्रुमेन्ट)

Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Mechanic (Radio Servicing)	मकैनिक (रेडियो सर्विस)
Mechanic (Weaving)	मकैनिक (बुनाई)
Moulding	ढलाई
Pattern Making	साँचा बनाना
Rigman	रिगमैन

Group-VIII

Sheet Metal Work	धातु चद्दर कारागर
Surveying	भू मापन
Technology (Textile)	टैक्नालॉजी (टैक्सटाइल)
Technology (Textile Chemiastry)	टैक्नालोजी (टैक्सटाइल कैमिस्ट्री
Technology (Wireless)	टैक्नालोजी (वेतार)
Tool Making	औजार बनाना
Turning	खराद-कार्य
Welding	धातुशिल्प
Wireman	वायरमैन

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Ayurvedic Course	*आयुर्वेदिक कोर्स*
Dai's Training	दाई का प्रशिक्षण
Laboratory Technician	लैबोरेटरी टैक्नीशियन
Medicine and Surgery	औषधि और शल्य-[illegible]
Nursing	परिचर्या

Nursing and Midwifery (Auxiliary)	परिचर्या और प्रसव-विद्या (सहायक)
Nursing, Midwifery and Health Visitors	परिचर्या, प्रसव विद्या और स्वास्थ्य निरीक्षक
Pharmacy	औषधि-विज्ञान
Sanitary Inspector's Course	सैनिटरी इन्स्पैक्टर का कोर्स
X-Ray Technician	ऐक्स-रे टैक्नीशियन

Group IX

Tannery & Leather Work

Footwear Manufacture	जूतों का निर्माण
Leather Work	चमड़े का कार्य

Group X

Textiles (Other than Cottage Crafts.)

Textile Manufacture	टैक्स्टाइल मैन्युफैक्चर
Fibre Making	रेशे बनाना

Group XI

Transport

Driving (Motor)	मोटर चलाना

Group XII

Miscellaneous

Book-Binding	जिल्दसाजी
Cine Projector Operation	सिने-प्रोजेक्टर आपरेशन
Co-Operation	सहकारिता

Co-Operative Secretary	सहकारी सचिव
Journalism	पत्र-कारिता
Labour Welfare	श्रम-कल्याण
Social Wo r	सामाजिक कार्य
Watch Repair	घड़ियों की मरम्मत

नोट—विशेष विवरण के लिए A Hand-book on Trainining Facilities in Gujrat देखें। इस पुस्तक में आपको उपर्युक्त सभी कोर्सों से सम्बन्धित स्कूलों, कालिजों तथा अन्य बातों का विस्तृत ब्योरा मिल जायेगा। यह पुस्तक समस्त कामदिलाऊ दफ्तरों (Employment Exchanges) में उपलब्ध है।

केरल

विभिन्न कोर्स जिनमें प्रशिक्षण के लिये सुविधाएँ प्राप्त हैं

Group I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि
Fisheries Training	माहीगीरी प्रशिक्षण
Gram Sevak Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Poultry Farming & Bee-keeping	मुर्गियों और मधुमक्खियों का पालन
Veterinary Science	पशुचिकित्सा-विज्ञान

Group II

and Construction,

Carpentry	बढ़ईगीरी
Carpentry and Smithy	बढ़ईगीरी और लुहारगीरी
Carpentry and Rattan Work	बढ़ईगीरी और द्रुम कार्य
Lacquer Work	पीतल पालिश करना
Pattern Making	सांचे बनाना
Plumbing	नलसाजी
Tracer	अन्वेषण करने वाला
Overseer's Course	ओवरसियर का कोर्स
Wood Work	लकड़ी का कार्य

Group III
Commerce

Accountancy	मुनीमी
Banking	बैंक-कार्य
Book-keeping and Accountancy	बहीखाता और मुनीमी
Commerce	वाणिज्य
Salesmanship	बेचने का कार्य
Secretarial Course	सचिवालय कोर्स
Shorthand	आशुलिपि
Typewriting	टंकण कला

Group IV
Communication

Electronics	इलैक्ट्रोनिक्स
Telecommunication	टेलीकम्यूनिकेशन
Telegraphy	तार द्वारा संदेश भेजने की कला
Telephone Operating	टेलीफोन आपरेटिंग

Wireless Operator	वायरलेस आपरेटर
Radio Officer Course	रेडियो अधिकारी का कोर्स

Group V

Cottage Crafts

Ambar Charkha Instructors' Training	अम्बरचर्खा प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण
Bamboo Work	बाँस-शिल्प
Bleaching, Dyeing and Printing	वस्त्र सफेद करना, रंगना और छापना
Book Binding and Drawing	जिल्दसाजी तथा रेखांकन
Carpet Making	दरी बनाना
Coir Work	कायर—वर्क
Crochet	क्रोशिया के जाली का काम
Cutting and Tailoring	कपड़े की कटाई और दर्जीगीरी
Glass Beads Manufacture	शीशे के मनके बनाना
Handloom Weaving	हाथबुनाई
Handicrafts	हस्तशिल्प
Mat Making	चटाई बनाना
Metal Mirror Making	धातु का शीशा बनाना
Net Making	जाल बनाना
Rattan Work	बेंत का कार्य
Silver Smithy	सुनार—चाँदी का काम करने वाला
Soap Making	साबुन बनाना
Spinning, Weaving and Dyeing	कताई, बुनाई और रंगाई

Tailoring and Embroidery	दर्जीगीरी और कढ़ाई
Weaving	बुनाई
Weaving and Mat Making	बुनाई और चटाई बनाना
Need-Work & Garment Making	सीना पिरोना और कपड़े बनाना
Sewing	सिलाई
Spinning	कताई
Knitting	कढ़ाई-बुनाई

Group VI

Education

Arts & Crafts	कला और शिल्प
Clay Modelling	मिट्टी के नमूने बनाना
Coconut Shell Carving	नारियल की खोली पर खुदाई
Commercial Art	व्यावसायिक कला
Dancing	नृत्य
Drawing	रेखांकन
Drawing & Painting	रेखांकन और रंग भरना
Engraving	नक्काशी
Ivory & Wood Carving and Inlay Work	हाथ दांत और लकड़ी पर खुदाई तथा नक्काशी
Music	संगीत
Painting	चित्रकारी
Sew Pin Products	सिलाई की सुई का उत्पादन
Teachers' Training	अध्यापकों का प्रशिक्षण

Group VII
Engineering and Technology

Blacksmithy	लुहारगीरी
Draughtsmanship (Civil)	ड्राफ्ट्समैनशिप (सिविल)
Draughtsmanship (Mechanical)	ड्राफ्ट्समैनशिप (मकैनिकल)
Electrician	इलैक्ट्रीशियन
Electroplating	इक्लैट्रोप्लेटिंग
Engineering (Automobile)	इंजीनियरिंग (मोटर आदि)
Engineering (Civil)	इंजीनियरिंग (सिविल)
Engineering (Electrical)	इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल)
Engineering (Mechanical)	इंजीनियरिंग (मकैनिकल)
Engineering (Chemical)	इंजीनियरिंग (कैमिकल)
Engineering (Radio)	इंजीनियरिंग (रेडियो)
Engineering (Telecommunication)	इंजीनियरिंग (टेलीकम्यूनिकेशन)
Fitting	फिटिंग
Foundry Grinder and Polisher	फाउन्ड्री ग्राइंडर और पालिशर
Machinist	मशीनिस्ट
Mechanical (Internal Combustion Engine)	मकैनिकल (आन्तरिक ज्वलन इंजिन)
Mechanic (Instrument)	मकैनिक (इन्स्ट्रूमेन्ट्स)
Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Mechanic (Radio)	मकैनिक (रेडियो)
Moulding	ढलाई
Elementary Navigation	प्रारम्भिक नौ-विद्या

Gear Technology	गियर टैक्नालोजी
Precision Tool & Die Maker	औजार और साँचे बनाने
Sheet Metal Work	धातु चद्दर-शिल्प
Surveying	सर्वेयिंग (भू मापन)
Tool Making	औजार बनाना
Turning	खराद-कार्य
Welding	धातु-शिल्प
Wiremen	वायरमैन

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Ayurvedic Course	आयुर्वेदिक कोर्स
Auxiliary Nurse	सहायक पारिचारिका
Compounding & Dressing	औषधि बनाना और मरहम पट्टी करना
Dental Surgery	दन्त शल्य-चिकित्सा
Health Visitor's Training	स्वास्थ्य निरीक्षक का प्रशिक्षण
Homoeopathic Course	होम्योपैथिक कोर्स
Laboratory Technician	लेबोरेटरी टैक्नीशियन
Medicine and Surgery	औषधि और शल्य-चिकित्सा
Midewifery	प्रसव-विद्या
Nursing (General)	परिचर्या (सामान्य)
Nursing and Midwifery	परिचर्या और प्रसव-विद्या
Pharmacists and Dressers	औषधि बनाने और मरहमपट्टी करने वाले
Pre-madical	मेडिकल-पूर्व

Pablic Health	जन-स्वास्थ्य
Radiography	रेडियोग्राफी
Refrectionists and Opticians	रेफ्रेक्शनिस्ट्स एण्ड आप्टीशियनस

Group IX

Tannery & Leather Work

Footwear Manufacture	जूतों का निर्माण
Leather Goods Manufacture	चमड़े की वस्तुओं का निर्माण

Group XI

Transport

Driving (Motor)	मोटर चलाना

Group XII

Miscellaneous

Acrobatic Feats	व्यायाम सम्बन्धी करतब
Co-operation	सहकारिता
Granite Carving	चट्टान पर खुदाई

नोट—विशेष विवरण के लिए A Hand book on Traing Facilities in Kerala देखें। इस पुस्तक में आपको उपर्युक्त सभी कोर्सों से सम्बन्धित स्कूलों, कालिजों तथा अन्य बातों का विस्तृत ब्यौरा मिल जायेगा। यह पुस्तक समस्त काम दिलाऊ (Employment Exchanges) में उपलब्ध है।

हिमाचल प्रदेश

विभिन्न कोर्स जिनमें प्रशिक्षण की सुविधायें उपलब्ध हैं

Group I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture	कृषि

Forestry	जंगल लगाने की कला
Gardening	बागबानी
Gram Sevak/Sevika Training	ग्रामसेवक/सेविका प्रशिक्षण
Gram Sevika & Craft	ग्रामसेविका और शिल्प।
Village Artisan	ग्राम शिल्पकार

Group II

Architecture, Building and Construction, Carpentry & Wood Work

Carpentry	बढ़ईगीरी
Furniture Making	लकड़ी का साज-असबाब बनाना
Wood Carving	लकड़ी में खुदाई

Groop III

Commerce

Shorthand	आशुलिपि
Typewriting	टंकण-कला

Group IV

Commerce

Bamboo Work	बाँस का कार्य
Basketry	टोकरियाँ बनाना
Carpet & Drugget Making	दरी आदि बनाना
Craft Work	शिल्पकार्य
Cutting and Tailoring	कटाई और दर्जीगीरी
Doll Making	गुड़िया बनाना
Embroidery	कढ़ाई

Hand Printing	हाथ से छपाई
Hosiery Wvg.	होजरी की बुनाई
Rope Making	रस्सा बनाना
Silk Reeling	रेशमी कपड़े की चर्खी
Spinning & Weaving	कताई और बुनाई
Tailoring, Embroidery & Knitting	दर्जीगीरी, कढ़ाई और सलाई-बुनाई
Umbrella Manufacture	छाता बनाना
Weaving	बुनाई
Weaving and Knitting	कताई-बुनाई और सलाई-बुनाई

Group V

Education

Librarinaship	लायब्ररियनशिप
Teachers' Training	अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

Group VI

Engineering and Technology

Blacksmithy	लुहारगीरी
Draughtsmanship (Civil)	ड्राफ्ट्समैन शिप (सिविल)
Electrician	इलैक्ट्रीशियन
Engineering (Civil)	इंजीनियरिंग (सिविल)
Engineering (Electrical)	इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रिकल)
Engineering (Mechanical)	इंजीनियरिंग (मकैनिकल)
Fitting	फिटिंग
Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Sheet Metal Work	धातु-चद्दर-शिल्प
Surveying	भू मापन

Turning	खराद शिल्प
Welding	धातुशिल्प

Group VII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Dai's Training & Crafts	दाई का प्रशिक्षण और कार्य
Dai's & Gram Sevika Training	दाई और ग्रामसेविका प्रशिक्षण
Health Visitor's Training	स्वास्थ्य निरीक्षक का प्रशिक्षण
Nursing	परिचर्या नर्सिंग
Nursing and Midewifery	नर्सिंग और प्रसव-विद्या

Group VIII

Tannery & Leather Work

Leather Work	चमड़े का कार्य
Tanning	कच्चे चमड़े का काम कमाना

Group IX

Miscellaneous

Co-operation	सहकारिता
Panchayat Secretary	पंचायत-सचिव
Thermometer Making	थर्मामीटर बनाना
Wicker Work	सींक की डलिया बनाने का कार्य

नोट—विशेष विवरण के लिये A Hand-book on Training Facilities in Himachal Pradesh देखें। इस पुस्तक में आपको उपर्युक्त समस्त कोर्सों से सम्बन्धित स्कूलों कालिजों तथा अन्य बातों का विस्तृत ब्योरा मिल जायेगा। यह पुस्तक समस्त कामदिलाऊ दफ्तरों (Employment Exchanges) में उपलब्ध है।

विभिन्न कोर्स जिनमें ट्रेनिंग की सुविधायें उपलब्ध हैं

			अवधि
1. Blacksmith	लुहार	1	वर्ष
2 Welder (Gas & Elect)	धातु शिल्पी (गैस और-इलैक्ट्रिकल)	1	वर्ष
3. Sheet Metal Worker	धातु चद्दर कारीगर	1	,,
4. Moulder	ढलाईकार	1	,,
5. Wireman	वायरमैन	2	,,
6. Carpenter	बढ़ई	1	,,
7. Mechanic (Motor-Vehicle)	मकैनिक (मोटर)	1	,,
8. Mechanic (Tractor)	मकैनिक (टैक्टर)	1	,,
9. Mechanic (Diesel)	मकैनिक (डीजल)	1	,,
10. Upholstery	गृह-सामग्री	1	,,
11. Plumber	नलसाज	1	,,
12. Painter	चित्रकार	1	,,
13. Building Construction	भवन-निर्माण	2	,,

I आवश्यक योग्यता ·

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज परीक्षा से तीन दर्जे कम।

14 Fitter	फिटर	2	वर्ष
15. Turner	खरादिया	2	,,
16. Machinist (Mill r)	मशीनिस्ट (मिलर)	2	,,

17. Machinist (Grinder) मशीनिस्ट (ग्राइन्डर) 2 „

18. Machinist (Shaper, Slotter & or Planer) मशीनिस्ट (शेपर, स्लाटर और अथवा प्लानर) 2 „

19. Machinist (Composite) मशीनिस्ट (कम्पोजिट) 2 „

II आवश्यक योग्यता

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज परीक्षा से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

1. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा अथवा दसवीं कक्षा पास हो।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

20. Watch and Clock-Maker घड़ियाँ बनाने वाला 2 „

III. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

21. Electroplator इलैक्ट्रोप्लेटर 2 वर्ष

IV. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर

दर्जा कम

D इलेक्ट्रीशियन 2 वर्ष

23. Instruments (Mechanic)	इन्स्ट्रूमेन्ट्स (मकैनिक)	2	"
24. Refrigeration & Air Conditioning Mechanic	रेफ्रीजेटशन व एयरकन्डीशनिंग मकैनिक	1	"

V. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

25. Draughtsman (Mechanic)	ड्राफ्ट्समैन (मकैनिक)	2	वर्ष
26. Draughtsman (Civil)	ड्राफ्ट्समैन (सिविल)	2	"
27. Surveyor	भूमापक	2	"
28. Mechanic (Radio & Television)	मैकैनिक (रेडियो व टेलीविजन)	2	"
29. Pattern Maker	पेटर्न मेकर	2	"
30 Wireless Operator	वायरलैस आपरेटर	1	"

VI. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम है।

2. पढ़ाई के विषयों में हिसाब और विज्ञान हो।

विभिन्न विषय जिनमें ट्रेनिंग की सुविधाएं उपलब्ध हैं

Group I

Agriculture, Dairy Farming and Veterinary Science

Agriculture — कृषि

17. Machinist (Grinder) मशीनिस्ट (ग्राइन्डर) 2 „

18. Machinist (Shaper, Slotter & or Planer) मशीनिस्ट (शेपर, स्लाटर और अथवा प्लानर) 2 „

19. Machinist (Composite) मशीनिस्ट (कम्पोजिट) 2 „

II आवश्यक योग्यता

मैट्रिक परीक्षा से दो दर्जे कम अथवा समकक्ष अथवा हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज परीक्षा से तीन दर्जे कम।

वांछनीय :

1. मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा अथवा दसवीं कक्षा पास हो।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

20. Watch and Clock-Maker घड़ियाँ बनाने वाला 2 „

III. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा नवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो।

2. पढ़ाई के विषयों में विज्ञान हो।

21. Electroplator इलैक्ट्रोप्लेटर 2 वर्ष

IV. आवश्यक योग्यता :

1. मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो अथवा दसवें दर्जे तक शिक्षा प्राप्त हो जो हायर सैकण्डरी या सीनियर कैम्ब्रिज से एक दर्जा कम

22 Electrician इलेक्ट्रीशियन 2 वर्ष

Group IV
Cottage Crafts

Carpet Making	दरी बनाना
Chick & Mudha Making	चिक-मोढ़ा बनाना
Cloth Printing	कपड़ों की छपाई
Cutting and Tailoring	कटाई और दर्ज़ीगीरी
Durry and Niwar Making	दरी व निवार बनाना
Drugget & Carpet Making	दरी आदि बनाना
Dyeing and Finishing	रंगना और सँवारना
Dyeing & Printing	रंगाई और छपाई
Embroidery and Fancy Work (Hand & Machine	कढ़ाई और अन्य सजावट (हाथ और मशीन से)
Handicraft Training	हस्तशिल्प प्रशिक्षण
Handloom Weaving & Dyeing	हाथ से बुनना और रंगना
Hosiery Manufacture	होज़री निर्माण
Ivory & Sandal work	हाथी दाँत और चन्दन का कार्य
Khadi Gramodyog	खादी ग्रामोद्योग
Needle work & Tailoring	सीना-पिरोना और दर्ज़ीगीरी
Papier Mache	कागज की लुगदी
Plastic Goods Manufacture	प्लास्टिक का सामान बनाना
Pottery Work	कुम्हार साज़ी
Soap Making	साबुन बनाना
Spinning and Weaving	कताई और बुनाई
Weaving	बुनाई

Gram Sevak Training	ग्रामसेवक प्रशिक्षण
Palm Gur Manufacture	ताड़ गुड़ का निर्माण
Rural Engineering	ग्रामीण इंजीनियरिंग
Rural Sociology & Community Development	ग्रामीण समाजशास्त्र और समुदाय-विकास
Rural Service	ग्रामीण सेवा
Stockman's Training	स्टाकमैन का प्रशिक्षण
Veterinary Science and Animal Husbandry	पशु-चिकित्सा-विज्ञान और पशु-प्रजनन
Village Level Worker's Training	ग्राम स्तर कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण

Group II

Architecture, Building and Construction, Carpentry and wood Work

Carpentry	बढ़ईगीरी
Masonry	राजगीरी
Marble Work	संगमरमर का कार्य
Woodwork & Wood Turning	लकड़ी का कार्य और लकड़ी की खराद

Group III

Commerce

Commerce	वाणिज्य
Shorthand	आशुलिपि
Typewriting	टंकण-कला

Group IV

Cattage Crafts

Carpet Making	दरी बनाना
Chick & Mudha Making	चिक-मोढ़ा बनाना
Cloth Printing	कपड़ो की छपाई
Cutting and Tailoring	कटाई और दर्ज़ीगीरी
Durry and Niwar Making	दरी व निवार बनाना
Drugget & Carpet Making	दरी आदि बनाना
Dyeing and Finishing	रगना और सँवारना
Dyeing & Printing	रगाई और छपाई
Embroidery and Fancy Work (Hand & Machine	कढाई और अन्य सजावट (हाथ और मशीन से)
Handicraft Training	हस्तशिल्प प्रशिक्षण
Handloom Weaving & Dyeing	हाथ से बुनना और रगना
Hosiery Manufacture	होजरी निर्माण
Ivory & Sandal work	हाथी दांत और चन्दन का कार्य
Khadi Gramodyog	खादी ग्रामोद्योग
Needle work & Tailoring	सीना-पिरोना और दर्ज़ीगीरी
Papier Mache	कागज की लुगदी
Plastic Goods Manufacture	प्लास्टिक का सामान बनाना
Pottery Work	कुम्हार साजी
Soap Making	साबुन बनाना
Spinning and Weaving	कताई और बुनाई
Weaving	बुनाई

Mechanic (Instrument)	मकैनिक (इन्स्ट्रुमेन्ट)
Mechanic (Motor)	मकैनिक (मोटर)
Mechanic (Radio)	मकैनिक (रेडियो)
Mechanic (Tractor)	मकैनिक (ट्रैक्टर)
Moulding	ढलाई
Pattern Making	पेटर्न मेकिंग
Sheet Metal Work	धातु चद्दर कारीगर
Surveying	भू मापन
Technolog (Electr.)	टैक्नालाजी इलैक्ट्रिकल
Turning	टर्निंग (खराद)
Welding	धातु शिल्प
Wireman	वायरमैन

Group VIII

Medicine, Nursing, Pharmacy and Sanitation

Ayurvedic Course	आयुर्वेदिक कोर्स
Compounding & Dressing	औषधि बनाना तथा मरहम-पट्टी करना
Dai's Training	दाई का प्रशिक्षण
Medicine and Surgery	औषधि और शल्यचिकित्सा
Midwifery	प्रसव-विद्या
Nursing	परिचर्या
Nursing and Midwifery (Aux.)	परिचर्या और प्रसव-विद्या सहायक
Radiography	रेडियोग्राफी
Sanitary Inspector's Course	सैनिटरी इन्स्पैक्टर का कोर्स
Public Health	जन-स्वास्थ्य

Group VIII

Tannery and Leather Work

Shoe Making	जूते बनाना
Leather Work	चमड़े का कार्य

Group IX

Miscellaneous

Art Metal	धातु-कला
Co-Operation	सहकारिता
Enamelling	मीनाकारी
Operation, Maintenance & Repair of Heavy Earth Moving Equipment	भूमि हटाने वाली भारी मशीनों का संचालन, देख-रेख व मरम्मत
Social Work	सामाजिक कार्य

नोट : विशेष विवरण के लिये A Hand-book of Training Facilities in Rajasban देखें ।

उत्तर प्रदेश

भारत का प्रमुख राज्य होने के कारण उत्तर प्रदेश में भी सभी प्रकार की ट्रेनिंग का प्रचुर प्रबन्ध है। ट्रेनिंग के इन विषयों एवं कोर्सों का अन्दाजा अन्य राज्यों की लिस्टें देखकर तथा विशेष विवरण A Hand-book of training Facilities in Uttar Pradesh से प्राप्त किया जा सकता है।

दिल्ली

Training Courses for H. S./Inter pass students in Delhi

(दिल्ली में हायर सेकण्डरी व इण्टर पास के लिए प्रशिक्षण की सुविधाएँ)

विषय	अवधि	प्रवेश-तिथि
1. Engineering/Architecture/Technology		
1. 1. Degree in Engineering/Tech.		
1. Civil Engg.		
2. Chemical Engg.		
3. Mech. Engg.		
4. Electrical Engg.	5 years	May
5. Textile Technology		
2. Telecommunication Engg.		
Studentship Exam. (6 papers)		Exam. held May/Nov.
2. Graduateship Exam. (2 papers)		
. Engineering		
1. Studentship		
2. Graduateship Section A, Sect. B.		Exam. held Nov./May
3. Associate membership		
4. Evening Engineernig Courses	1½ years Part-time	15th .

1. 4. 1. Sec A & B of A.M.I.E. of the Institution of Engineers, India. (Equivalent to a degree in Engg.)		
1. 4. 2. Sec. A & B of the Graduateship Exam. of the Institution of Tele-communications Engg.	1½ years	15th July
1. 4. 3. Part II & III of Associate Membership Exam. of the Aeronautical Society of India	1⅓ years	15 July
1. 5. Degree in Architec		
1. 5. 1. B. Arch.	5 years	
1. 5. 2. National Diploma in Architecture	7 years (Part-time courses)	
1. 6. B. Sc. Engg. in		
1. 6. 1. Electrical Engg. 1. 6. 2. Mech. Engg. 1. 6. 3. Civil Engg.	5 years (part time	
1. 7. B.Sc. Engg.	5 years Part time)	
1. 8. Dip. in Engg.		
1. Civil Engg. Elect. Engg. Mech. Engg.	3 years +2 years practical training	

1.8.2. Elect. Communication (Electronics)	3 years	16th July
1.8.3. Automobile Engg.	& 2 years practical training	do
1.8.4. Dip. in Rural services Jamia Millia Islamia	3 years	14th July
1.9. Diploma in		
1.9.1. Arch. Assistantship	3 years	16th July
1.9.2. Electronics	do	do
1.9.3. Rural Housing & Village Planning	4 months	
2. Medical Aid Health		
2.1. Degree in Medicine		
2.1.1. M.B.B.S.		
2.1.2. Degree in Ayurvedic Medicine (B.I.M.S.)	5 years (6 yrs. for Metriculates	Aug.
2.1.3. Degree in Unani Medicine	do	do
2.2. Degree in Nursing		
2.2.1. B.Sc. (Hons.) Nursing	4 years	15th July
2.3. Diploma in (Pharmacy/Medical Lab./Technology/Therphy etc.)		
2.3.1. Lab. Asstt.	1 year	1st
2.3.2. Radiological Asstt. (Radiographers)	2 years	
2.3.3. Physiotherapy	do	

2. 3. 4. Occupational Therapy	1 year	1st July
2. 3. 5. Medical Lab oratory Technology	do	do
2. 3. 6. Medical Laboratory Tecanology (M. L. T.)	1 year	July
2. 3. 7. Pharmacy	2 years+3 months practical training	July

3. Teaching

3. 1. Certificate in Basic Ed.	2 years	15th July
3. 2. Bal Sevak Training Programme (Cert.)	11 months	

3. Home Science

3. 1. Degree in Home Sc.

3. 1. 1. B.Sc. (Home Sc.)	3 years	16th July
3. 1. 2. B.Sc. (Hons.) Home Sc.	2 years	16th July

3. 2. Diploma in (Home Science) Dip. (Home Economics)	do	do

4. Accountancy

4. 1. Cost & Works Accontancy

4. 1. 1. Regd. Studentship

4. 1. 3. Intermediate Exam.

Group I	Exam held.
Group II	Jan./July
Group III	every year.

4. 1. 3. Final Exam.

Company Secretaries (G.D.C.S.)		
5. 1. Preliminary Exam.		
5. 2. Intermediate etc.		
5. 3. Final (2 Groups)		
6. Interior Decoration/Art		
6. 1. Degree Courses	5 years	
1. 1. National Dip. in Art	7 years (Part-time)	16th July
1. 2. National Dip. in Commercial Art	do	do
1. 3. National Dip. in Sculpture	do	do
6. 2. Dip. Courses in		
2. 1. Interior Decoration & Display	3 years	16th July
2. 2. Interier Decoration	do	do
2. 3. Commercial Art	do	do
7. Library Science		
7. 1. Dip. in Lib. Science	2 years	16th July
8. Secretariat & Commercial Practices		
8. 1. Secretariat Practices (Diploma)	2 years	
8. 2. Commercial Practices (Dip.)	do	

Course	Duration	Starts
8. 3. Secretariat & Commercial Practices (Cert.)	1 year	16th July
8. 3. 1. Accountancy (Part-time)	Part-time courses normally for employed persons.	
8. 3. 2. Storekeeping (do)		
8. 3. 3. Sales (do)		
8. 4. Commercial Course	do	do
9. Catering Technology		
9. 1. Diploma in		
9. 1. 2. Hotel Management	4 years	July
9. 1. 2. Catering Technology	3 years	July
10. Arts & Science Courses		
10. 1. Degree Courses in Arts, Science, Commerce etc.	3 years	16th July
10. 2. Diploma & Certificate Courses in Languages		
10. 3. B.A. (Pass), M.A., M. Com , L.L.B. (for Non-collegiate) Women Students only		
10. 4. B.A. (Pass) Cerrespondence Courses	4 years	

नोट—विस्तृत सूचना प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्पर्क स्थापित करें।

मनुष्य के रूप	: यशपाल	२.००
एक दो तीन	: शंकर	२.००
ये चकलेवालियां	: कुप्रिन	२.००
आकाश खाली है	: दत्त भारती	२.००
नीलोफर	शौकत थानवी	२.००
मुझे मालूम न था	: भगवतीप्रसाद वाजपेयी	१.००
नवाबननकू	आचार्य चतुरसेन	१ ००
पत्थर के सनम	शंकर सुल्तानपुरी	१.००
लोपामुद्रा	: के. एम मुंशी	१.००
एक रात का नरक	· उपेन्द्रनाथ अश्क	१.००

उपयोगी प्रकाशन

आप क्या नहीं कर सकते ?	स्वेट मॉर्डन	१.००
चिन्तामुक्त कैसे हों ?	"	१.००
हंसते-हंसते कैसे जियें ?	"	१.००
जो चाहें सो कैसे पायें ?	"	१.००
अपना खर्च कैसे घटायें ?	"	१.००
अवसर को पहचानो	"	१.००
अपने आपको पहचानिये	"	१.००
सिगरेट बीड़ी कैसे छोड़ें ?	"	१.००
२०० स्माल स्केल इन्डस्ट्री	नरेन्द्रनाथ	१.००
एक लाख नौकरियां	रविश्रीवास्तव	२.००
	अरविन्द	—

सुबोध पाकेट बुक्स, नई सड़क दिल्ली

Course	Duration	Starting
8. 3. Secretariat & Commercial Practices (Cert.)	1 year	16th July
8. 3. 1. Accountancy (Part-time)	Part-time courses normally for employed persons.	
8. 3. 2. Storekeeping (do)		
8. 3. 3. Sales (do)		
8. 4. Commercial Course	do	do
9. Catering Technology		
9. 1. Diploma in		
9. 1. 2. Hotel Management	4 years	July
9. 1. 2. Catering Technology	3 years	July
10. Arts & Science Courses		
10. 1. Degree Courses in Arts, Science, Commerce etc.	3 years	16th July
10. 2. Diploma & Certificate Courses in Languages		
10. 3. B.A. (Pass), M.A., M. Com., L.L.B. (for Non-collegiate) Women Students only		
10. 4. B.A. (Pass) Cerrespondence Courses	4 years	

नोट—विस्तृत सूचना प्राप्त करने के लिए दिल्ली विश्व-विद्यालय से सम्पर्क स्थापित करें।